फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 225 प्रभात जयपुर, मंगलवार 22 मार्च, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

'Long Live The King'

The bottom line is, that today, Royalty sells, and that is what is important – "Long Live the King!" The Royal and feudal families have been continuing to practice & safeguard the age-old traditions.

Splashes of Art

MIND&BODY: How Brain Makes Memories

रिओ डी जनैरो महानगर से कुछ ही दूर पर एक ''रेन फॉरेस्ट रिज़र्व'' है, जो विश्व की सर्वाधिक संकटग्रस्त प्राइमेट्स प्रजातियों में से एक, गोल्डन लायन टैमरिन का एक मात्र आवास है। यह प्रजाति सिर्फ स्टेट ऑफ रिओ में पाई जाती है। अर्थात् यहाँ के प्राकृतिक आवासों में ही इन वानरों को देखा जा सकता है। एटलांटिक फॉरेस्ट में रहने वाले ये जीव छोटे-छोटे पारिवारिक समूहों में रहते हैं, जिसमें जीवन भर एक ही साथी के साथ रहने वाला वयस्क जोड़ा व उनके बच्चे ही होते हैं। हालांकि इन्हें फल व कीड़े खाना पसंद है पर ये सांप व मेंढक का शिकार करने में माहिर होते हैं और कई बार तो छोटे पक्षियों का भी शिकार कर लेते हैं। पंद्रहवीं सदी के पुर्तगाली उपनिवेशों में भी इस वानर का जिक्र मिलता है। सन् 1500 में ब्राज़ील में पुर्तगालियों के आने के बाद एटलांटिक रेन फॉरेस्ट का भारी विनाश आरंभ हो गया। फिर उन्नीसवीं और बीसवीं सदी में बड़े पैमाने पर इन बंदरों का अवैध व्यापार किया गया। इसकी वजह से 60 के दशक में इनकी आबादी इतनी कम हो गई कि ये स्टेट ऑफ रियो से लुप्त ही हो गए, सिर्फ पोको डास एन्टस क्षेत्र के जंगलों में अवश्य इनका छोटा सा समूह बच गया था। इसके बाद संरक्षणविद् हरकत में आए और 1971 में पोको डास एन्टस को ब्राज़ील का फर्स्ट रिज़र्व घोषित किया गया, ताकि इन जानवरों का संरक्षण किया जा सके। कैप्टिव ब्रीडिंग से इनकी आबादी बढ़ाने के लिए पूरे यूरोप और अमेरिका के ज़ू में इनकी आबादी को सुरक्षित किया गया। अस्सी व नब्बे के दशक में, यू.के. व अमेरिका के जंतुआलयों से टैमरिन वानरों का ब्राज़ील के जंगलों में पुनर्वास किया गया। इसके लिए पहले तो उन्हें जंगल के जीवन का आदी बनाया गया फिर जंगल में छोड़ दिया गया। इससे रिज़र्व की आबादी की आनुवंशिक विविधता में भी वृद्धि हुई। कई इन्टैन्सिव कंज़र्वेशन कार्यक्रमों के बावजूद ये वानर खतरे से बाहर नहीं हैं। सन् 2010 में ब्राज़ील में मच्छर के माध्यम से फैलने वाला यलो फ़ीवर वायरस फैला, इसने वानरों को भी संक्रमित किया। इस बीमारी से गोल्डन लायन टैमरिन सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। अनुमान है कि वायरस संक्रमण से इनकी आबादी 32 प्रतिशत घट गई। बाद में इस रोग की वैक्सीन बना ली गई और इन वानरों को वैक्सीन की खुराक दी गई, जिससे इनकी स्थिति में सुधार हुआ है।

शरद यादव की "बंगला राजनीति" कामयाब होगी?

ओ.बी.सी. राजनीति के एक बार सुपरस्टार रहे, शरद यादव ने तेजस्वी यादव की पार्टी आर.जे.डी. में अपने संगठन, लोकतांत्रिक जनता दल को विलय क्यों किया?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पुराने समाजवादी नेता शरद यादव को रविवार को अपने संगठन का लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) में विलय का जो निर्णय लिया है, वह किसी के भी समझ में आ सकता है। देश की राजनीति में, विपक्ष की सिकुड़ती जा रही स्थिति के बीच, 74 वर्षीय यादव में अब वो पुराना दम-खम नहीं रहा है, जिसके लिए वे जाने जाते थे। इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता है। लुटियंस दिल्ली के उनके 7, तुगलक रोड बंगले को खाली करने की संभावनाएं अब वास्तविक रूप ले चुकी हैं क्योंकि उच्च न्यायालय ने पिछले मंगलवार को दिये गये अपने आदेश में उनसे कहा है कि वे 15 दिन के अंदर इस बंगले को खाली कर दें। ज्ञातव्य है कि शरद यादव इस बंगले में दशकों से रह रहे हैं। जनता दल (यूनाइटेड) से निष्कासित होने के बाद, 2017 में उन्होंने लोकतांत्रिक जनता दल पार्टी बनाई थी। उसके आर.जे.डी. में विलय करने से, उन्हें यह आशा है कि वे

- उनका, लुटयन्स दिल्ली का, 7, तुगलक रोड स्थित बंगला अब खाली करने के लिये हाई कोर्ट का अंतिम नोटिस आ गया है, अतः शरद यादव, तेजस्वी से हाथ मिलाकर, राज्यसभा की सीट पाने को लालायित हैं, जिससे बंगले पर हक बना रहे।
- शरद यादव की बढ़ती उम्र (74 वर्ष) तथा बीमारियों से ग्रस्त शरीर के कारण संभवतया मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए, तेजस्वी उन्हें बिहार से अपने कोटे से राज्यसभा की सीट शायद दिलवा भी सकते हैं।
- पर, शुद्ध राजनीति से अगर तेजस्वी सोचते हैं, तो ओ.बी.सी. वोट बैंक के गैर यादव प्रत्याशी को राज्यसभा की सीट देना चाहेंगे। तेजस्वी, आर.जे.डी. को यादव-मुस्लिम के परम्परागत वोट बैंक से आगे नहीं ले जा पाये हैं, जो पिछले विधानसभा में उजागर हो गया था, अतः अगर उन्हें अपने वोट बैंक का विस्तार करना है, गैर यादव ओ.बी.सी. को सीट देनी पड़ेगी।

राज्यसभा में पहुंच सकते हैं, और इसके परिणामस्वरूप, या तो उन्हें तुगलक रोड का यही बंगला या अन्य कोई सरकारी बंगला आवंटित हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि शरद यादव को ऐसी आशा भी है कि आर.जे.डी. उनके पुत्र शान्तनु बुंदेला के राजनैतिक में प्रवेश के लिये "लॉन्च पैड" उपलब्ध करा देगा।

लेकिन समझ में न आने वाली बात यह है कि, ओ.बी.सी.राजनीति के इस सुपर स्टार के आर.जे.डी. में शामिल होने के प्रतीकात्मक महत्व के अलावा, तेजस्वी यादव या आर.जे.डी. को इस विलय से आखिर क्या मिलेगा? जैसा कि 2020 के बिहार चुनावों तथा उत्तर प्रदेश के हाल ही के चुनावों ने यह दर्शा दिया है कि तेजस्वी और अखिलेश चुनावी लड़ाई में विजयी दांव नहीं खेल पाए, क्योंकि इनकी पार्टियां, यादव और मुस्लिमों के अपने परम्परागत वोटों के अलावा, अन्य जातियों में अपना जनाधार तैयार करने में असफल रहीं हैं। इसलिये, तेजस्वी इस पुराने नेता के दावे की अनदेखी कर सकते हैं तथा इनके बजाय, किसी पिछड़े नेता को राज्यसभा में पहुंचाया जा सकता है ताकि पार्टी के लिये एक नये वोट बैंक की संभावना बन सके। शान्तनु बुंदेला को कुछ जिम्मेदारियां तो दी जा सकती हैं कि ऐसी प्रबल संभावनाएं हैं कि उन्हें अभी अपनी बारी का इंतजार करना पड़ेगा।

अगले महीने, बिहार की पांच राज्यसभा सीटें खाली होंगी। इनमें अपना कार्यकाल पूरा करने वाली लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती के अलावा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेताल की कहानियों जैसे क्यों उभरती हैं पुतिन को मारने की साजिश की खबरें

खबरों का स्रोत है यूक्रेन की डिफैन्स इन्टैलीजैंस

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। यूक्रेन के डिफैंस इन्टैलीजैंस ने एक नितांत भड़काऊ दावा करते हुए कहा है कि रूस का कुलीन वर्ग राष्ट्रपति पुतिन को हटाने की योजना बना रहा तथा उनके उत्तराधिकारी का नाम पहले से ही उसके दिमाग में है।

यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के चीफ डायरैक्टोरेट ऑफ इन्टैलीजैंस का यह भड़काऊ बयान मंत्रालय के ऑफीशियल फेसबुक पेज की एक पोस्ट के मार्फत आया है। यह पोस्ट बड़े ही निर्भीक अंदाज में इस तरह से शुरू होती है-"जहर देना अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना रूस का कुलीन वर्ग पुतिन को हटाने की संभावना पर विचार कर रहा है।"

न्यूज़वीक की एक रिपोर्ट के अनुसार पोस्ट में व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ रूस के व्यवसायिक तथा राजनीतिक अभिजात्य वर्ग के रसूखदार

- इन खबरों के अनुसार, साजिश कर्ताओं ने पुतिन के उत्तराधिकारी का भी चयन कर लिया है।
- इस रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तराधिकारी हैं, एलैक्ज़ैण्डर बोर्तनिकोव।
- बोर्तनिकोव रूस की फैडरल सिक्युरिटी सर्विस के निदेशक हैं तथा हाल ही में पुतिन व बोर्तनिकोव में तनाव उत्पन्न हो गया है।
- बोर्तनिकोव ने जो प्लानिंग की थी, यूक्रेन के युद्ध की, वह असफल सी लग रही है, क्योंकि बोर्तनिकोव यह आकलन नहीं कर पाये थे कि, रूसी सेना को इतनी दिक्कतें आयेंगी आक्रमण में तथा आक्रमण इतनी धीमी गति से आगे बढ़ेगा।

व्यक्तियों का एक समूह गठित हो गया है और उसका लक्ष्य पुतिन को जल्द से जल्द सत्ता से हटाना और यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों से टूट चुके आर्थिक संबंधों को पुनः बहाल करना है।

पोस्ट में दावा किया गया है कि रूस के अभिजात्य वर्ग का यह तथाकथित समूह ना केवल पुतिन की हत्या की संभावना पर विचार कर रहा है, बल्कि एलैक्ज़ैण्डर बोर्तनिकोव का नाम उनके एक संभावित उत्तराधिकारी के रूप में तय कर दिया गया है। बोर्तनिकोव वर्तमान में रूस की फैडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफ.एस.एस.) के निदेशक हैं और यूक्रेन पर हाल ही किए गए हमले से पूर्व उन्होंने यूक्रेन की आबादी तथा सैन्य क्षमताओं का विश्लेषण तैयार किया था।

चीफ डायरैक्टोरेट का दावा है कि पुतिन और बोर्तनिकोव में हाल ही में अनबन हुई है क्योंकि पुतिन यूक्रेन पर कब्जा करने में आ रही कठिनाईयों का दोषारोपण अपने इस अधीनस्थ पर कर रहे हैं।

बताया जाता है कि बोर्तनिकोव अब पुतिन को हटाने के संभावित तरीके खोजने के लिए रूस के कुलीन वर्ग के इस समूह के साथ मिलकर कम कर रहे हैं। पोस्ट में दलील दी गई है कि "वे बोर्तनिकोव ही हैं जो हाल ही में रूस के तानाशाह के अप्रिय बने हैं। एफ.एस.एस. के इस अग्रणी व्यक्ति के पतन का अधिकारिक कारण यूक्रेन के खिलाफ जंग को लेकर किया गया एक घातक गलत आकलन है। बोर्तनिकोव और उनका विभाग ही यूक्रेन की जनता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुजानगढ़ तोरण का प्रकरण

जयपुर, 21 मार्च (का.सं.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सालासर बालाजी के प्रवेशद्वार को तोड़ने को लेकर कांग्रेस पर "फेक न्यूज" फैलाने का आरोप लगाया है। उधर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने भी सुजानगढ़ में राजदरबार सहित प्रवेश द्वारा गिराने को लेकर गहलोत सरकार की आलोचना की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि "सुनो फेक न्यूज प्रोवाइडर्स

- गजेन्द्र सिंह ने कांग्रेस पर फेक न्यूज़ फैलाने का आरोप लगाया।

कांग्रेसियों, सच को छिपाने के लिए चाहे जितनी फेक न्यूज फैला लो। जनता जानती है धर्म का सेवक कौन है और धत्कर्म का प्रचारक कौन?" शेखावत ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस सनातन धर्म विरोध में धत्कर्म पर धत्कर्म किए जा रही है। उसे समस्या है कि भाजपा हिंदुओं के पक्ष में क्यों खड़ी होती है? क्यों 'जय श्रीराम' को राष्ट्रीय स्वर बना देती है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि इस मामले में पीडब्ल्यूडी के तथ्यात्मक दस्तावेज यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोमवार को केवल 26 ही नए करोना संक्रमित मिले

राज्य के 26 जिलों में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 21 मार्च। प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामलों में कमी आई है। सोमवार को रविवार के मुकाबले में 6 और रोगी कम मिलने के साथ ही 26 नए संक्रमित मिले हैं। इस बीच 79 और मरीजों के ठीक होने से राज्य में एक्टिव केस घटकर 359 रह गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को केवल 7 जिलों में 26 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 32 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी मामूली गिरावट के बाद 15 नए संक्रमित मिले। इसके अलावा जोधपुर व उदयपुर में 3-3, अलवर में 2 तथा बांसवाड़ा, भरतपुर और प्रतापगढ़ में 1-1 नया संक्रमित सामने आया है। वहीं 26 जिलों अजमेर, बारां, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक और सिरोही में एक भी नया संक्रमित नहीं मिला है। इस बीच राज्य में 79 संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही रिकवरी रेट बढ़कर 99.22 फीसदी हो गई है। वहीं एक्टिव केस घटकर 359 रह गए हैं। इनमें 157 मामले जयपुर जिले में बचे हैं। हालांकि बाड़मेर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, जैसलमेर और झालावाड़ ऐसे जिले हैं, जहां फिलहाल एक भी एक्टिव केस मौजूद नहीं है।

- राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 15 नए मरीज मिले हैं।
- प्रदेश में 79 और संक्रमितों के ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस घटकर 359 रह गए हैं।

इधर राहत की बात यह है कि प्रदेश में सोमवार सहित पिछले पांच दिन से करोना संक्रमण से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9551 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

'मामला केन्द्र का है'

जयपुर, 21 मार्च (वि.सं.)। सालासर बालाजी धाम के सुजानगढ़ में बने तोरण और रामदरबार की मूर्तियां ध्वस्त करने के मामले में आज विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा कि सड़क विस्तार का काम एनएचआई और इससे जुड़े ठेकेदार कर रहे हैं। इस तरह यह केंद्र सरकार से जुड़ा मामला है। सदन में इस विषय पर चर्चा नहीं होगी।

शून्यकाल में प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ और भाजपा विधायक अशोक लाहोटी ने स्थगन के जरिए यह मामला लगाया था, लेकिन स्पीकर ने

- सालासर बालाजी धाम के सुजानगढ़ में बने तोरण व राम दरबार की मूर्ति ध्वस्त करने के मामले को विधानसभा ने केन्द्र सरकार की एजेंसी एन.एच.आई. को जिम्मेवार ठहरा कर, इस विषय पर चर्चा को रोका।

इस विषय पर बोलने की अनुमति नहीं दी। ऐसे में राठौड़ ने आग्रह किया, तो विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आप सदन के काफी सीनियर सदस्य हैं। यह मामला केन्द्र सरकार से जुड़ा हुआ है। इस पर चर्चा नहीं हो सकती।

जोशी ने कहा कि रामदरबार की मूर्तियां ध्वस्त करने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन आपकी जो भी भावनाएं हैं, उनसे भारत सरकार को अवगत करा दिया जाएगा।

गौरतलब है कि भाजपा के प्रदेश से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्री राशन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। ऐसी प्रबल संभावना है कि पिछले 20 माह से चल रही 5 किग्रा. खाद्यान्न मुफ्त देने की केन्द्रीय योजना अगले छः माह के लिये और बढ़ा दी जायेगी। कोविड महामारी के कारण शुरु की गई यह योजना 31 मार्च को समाप्त होने जा रही है।

एक भाजपा नेता ने कहा है कि इस

- भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार यह "फ्री राशन" हमारी तरफ से रिटर्न गिफ्ट है, जनता के लिये, क्योंकि उसने पांचों राज्यों में भाजपा को जिताया।

योजना को जारी रखा जाना उन लोगों के लिये हमारा "रिटर्न गिफ्ट" होगा, जिन्होंने चार राज्यों के अभी हाल के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को वोट देकर वापस सत्ता में भेजा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा सुनियोजित तरीके से देश को "कांग्रेस मुक्त" करने की रणनीति पर चल रही है

पर, कांग्रेस की वरिष्ठ, पुरानी पीढ़ी अपना स्थान छोड़कर परामर्श देने की भूमिका तक सीमित होने को तैयार नहीं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। एक ऐसा प्रश्न, जो इस समय न केवल कांग्रेसजनों तथा उसके समर्थकों के सामने खड़ा है, बल्कि बहुत बड़ी संख्या में देश के जागरूक नागरिकों को भी उद्वेलित कर रहा है, यह है कि क्या देश की यह सबसे पुरानी पार्टी अब तक के सबसे भीषण एवं अस्तित्व के संकट पर पार पा लेगी, या फिर चुपचाप गुमनामी के अँधेरों में खो जायेगी।

यह बात शुरू में ही कह देना जरूरी है कि पार्टी की वर्तमान दुदर्शा के लिये कांग्रेस के सभी नेता, जिनमें गांधी परिवार भी शामिल है, सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं तथा पार्टी के पतन में हर नेता का योगदान रहा है।

- नये खून, नये जोश को उभरने दिये बगैर, पार्टी कुम्हला कर मिट जाने को क्यों तत्पर है?
- जिन नेताओं ने नेहरू-गांधी की विरासत की सीढ़ी पर चढ़ कर दशकों तक पद, प्रभाव व धन पाया है, अभी भी सुखद एयर कंडीशन वातावरण में बैठकर, अपने पद व प्रभाव को ही सुरक्षित रखने पर चिंतन व चिंता कर रहे हैं। वे जनता के बीच जाने को मानसिक रूप से तैयार नहीं और जो युवा जनता के बीच रहकर राजनीति करना चाहते हैं, उन्हें मौका नहीं देना चाहते।
- सोच यहीं तक सीमित है कि, आपसी एडजस्टमैंट से कोई नई व्यवस्था निकल कर आये तो, वो अपनी प्रासंगिकता (रैलवैन्स) बरकरार रख सकें तथा अपनी अहमियत और बढ़ा लें।

अस्तित्व के इस संकट के पहले संकेत तो 2014 में ही नजर आ गये थे, जब राहुल गांधी के नेतृत्व में लडे गये लोकसभा चुनावों में पार्टी का उस समय तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया था, और हर चुनाव के बाद यह स्थिति और अधिक संगीन होती गई। चुनावों में कांग्रेस सत्ता में आने में विफल रही है तथा इससे पार्टी के सामान्य कार्यकर्ताओं की अपेक्षा, इसके विस्थापित नेता कहीं ज्यादा निराश हुये हैं।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा के अभी-अभी हुये विधान सभा चुनावों में हुई पार्टी की घोर पराजय के चलते, कई मुद्दे सामने आये हैं, जिनमें से कुछ मुद्दे जी-23, के उन वरिष्ठ किन्तु असंतुष्ट नेताओं ने भी उठाये थे तथा कुछ अन्य मुद्दे पार्टी के शीर्ष पर बैठे नेताओं ने उठाये है, जिनमें राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी भी शामिल हैं।

पार्टी के अधिकांश नेताओं, जो पहले पार्टी तथा पार्टी की सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं, को मीडिया में अपने विचार व्यक्त करना अच्छा लगता है लेकिन इसका उद्देश्य पार्टी को मदद करना नहीं होता, उनका उद्देश्य होता है-राजनैतिक ईकोसिस्टम में प्रासंगिक बने रहना, ताकि जब उनका बुरा वक्त आये, तब उनको अपने इन बयानों और टिप्पणियों को लाभ मिल सकें।

विचित्र बात यह है कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के किसी भी सत्र में आज तक इस बिन्दु पर न तो चर्चा हुई, न बहस हुई, न विश्लेषण हुआ और न इस मामले में कोई अध्ययन हुआ कि मतदाताओं के पार्टी के प्रति समर्थन में लगातार कभी क्यों आ रही है। पूर्णरूपेण आत्मनिरीक्षण करने के बजाय पार्टी अब तक केवल दोषारोपण करने में लगी हुई है।

इस घड़ी सबसे बड़ी जरूरत इस बात की है कि पार्टी के नेतागण, आपसी मतभेद भूलाकर पार्टी को आरएसएस भाजपा की चुनौती का सामना करने के लिये तैयार करें, जो आजादी की लड़ाई से वसीयत में मिले "भारत के विचार" को ध्वस्त करने के लिये कमर कसे बैठे हैं। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। हो यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

थोड़ा सा झूठ भी मनुष्य का नाश कर सकता है। –महात्मा गाँधी

घाव पर मरहम चाहिए, नमक नहीं

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' खूब चर्चा में है। यह फिल्म 1990 में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन की त्रासदी पर बनाई गई है। यह दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म के माध्यम से 30 सालों से दबाये गए सत्य को सामने लाया गया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ऐसा ही कहा है। उन्होंने इसे बहुत अच्छी और आवश्यक फिल्म बताया है, जिसे सबको देखनी चाहिए। कई भाजपा शासित राज्यों ने इस फिल्म को कर मुक्त कर दिया है। भाजपा के सभी बड़े नेता इस फिल्म को अधिकाधिक लोगों के द्वारा देखे जाने की व्यवस्था कर रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने तो इस फिल्म को देखने वाले सरकारी कर्मचारियों को अवकाश भी स्वीकृत करने की घोषणा की है।

इस फिल्म के बारे में दो तरह के विचार सामने आए हैं। कुछ लोग इस पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में हैं तथा अन्य इसे अत्यंत महत्वपूर्ण उपयोगी फिल्म बता रहे हैं। मैं इसे प्रतिबंधित करने के बिल्कुल विरुद्ध हूं क्योंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सर्वोपरि है और उसकी रक्षा की जानी चाहिये। इसी स्वतन्त्रता का उपयोग करते हुए फिल्म निर्माता ने यह फिल्म बनाई है जो उसका अधिकार है।

प्रश्न केवल इतना कि, क्या यह फिल्म केवल उस समय की घटनाओं से दर्शकों को अवगत कराने की दृष्टि से बनाई गई है या फिर इसका कुछ और ही उद्देश्य है? पहले भी, विभिन्न प्रकार के शासकों के अत्याचारों की फिल्में बनी हैं और आगे भी बनेंगी। इन फिल्मों को देखने से समुदाय विशेष के प्रति कोई घृणा पैदा नहीं होती, किंतु शायद ऐसा करना ही इस फिल्म का उद्देश्य रहा है। शायद इसीलिए, इस फिल्म में कश्मीरी मुसलमानों को पूरी तरह काले रंग में दिखाया गया है। यह सिद्ध करने का प्रयास किया गया है कि कश्मीर के सभी मुसलमान हिन्दुओं पर अत्याचार, बलात्कार, उत्पीड़न करने में संलग्न थे। निर्माता,यह प्रभाव छोड़ने में सफल रहा है। सिनेमा हॉल से निकलने के बाद दर्शक जिस प्रकार की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं, उनसे ऐसा लगता जैसे वे युद्ध घोष कर रहे हों।

स्वतंत्रता संग्राम पर कई फिल्में बनी हैं जिनमें उस समय की फौज और पुलिस द्वारा जिस प्रकार लोगों पर दमन की कार्रवाई की गई, उसे प्रभावी रूप से दिखाया है। इसके बावजूद, हमारे मन में सभी अंग्रेजों के प्रति घृणा एवं बदले की भावना कतई उत्पन्न नहीं होती। ऐसा शायद इस फिल्म के बारे में नहीं कहा जा सकता। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रत्येक कश्मीरी मुसलमान, कश्मीरी पंडित परिवारों को प्रताड़ित करने पर ही तुला हुआ था। यह सामान्य जानकारी है कि कश्मीरी पंडितों को बचाने के लिए कई मुसलमानों ने अपना जीवन दांव पर लगा दिया था और कई लोगों को अपनी जान से हाथ भी धोना पड़ा। ऐसे मुसलमानों की हत्या के बारे में निर्माता ने कुछ नहीं दिखाया। ऐसा शायद जानबूझ कर किया गया, अन्यथा जो एजेंडा वह चलाना चाहते थे वह अधूरा रह जाता। जब उद्देश्य ही एक धर्म के अनुयायियों में दूसरे धर्म के अनुयायियों के प्रति घृणा, कटुता एवं वैमनस्य उत्पन्न करना हो तो फिर इंसानियत को जिंदा रखने की कोशिश करने वाले संवेदनशील लोगों का जिक्र भला इस फिल्म में क्यों होता?

सत्ताधारी दल इस फिल्म को न केवल भरपूर समर्थन दे रहा है, अपितु सभी नागरिकों से ऐसा करने हेतु कह भी रहा है। संभव है, ऐसा करके वे अपना वोट बैंक बढ़ाना और मजबूत करना चाहता हो। कहा जाता है, पाशविक प्रवृत्ति की यही निशानी है कि 'आंख के बदले आंख', 'जान के बदले जान' की बात की जाए। आज जो पीढ़ी कश्मीर में है, उन युवाओं का क्या कसूर है, यदि उनके कुछ पूर्वजों ने पंडित परिवारों के प्रति किसी भी प्रकार का गलत व्यवहार किया है? क्या उनके कुछ पूर्वजों द्वारा किये गए दुर्व्यवहार का बदला वर्तमान कश्मीरी मुसलमानों से लिया जाएगा? क्या ऐसा करने के लिए प्रेरित कर हम उन्हें पशुवत व्यवहार करने के लिए नहीं उकसा रहे हैं? यह कोई नहीं कह रहा है कि फिल्म में जो दिखाया गया, वह सच नहीं है। किन्तु यह अवश्य सही है कि जो दिखाया गया, केवल वही सच नहीं है। सच और भी बहुत कुछ है, जिसे जानबूझ कर नहीं दिखाया गया। निर्माता ने अपने एजेंडा की पूर्ति के लिए सच का उतना ही भाग दिखाया जो उसे दिखाना था। शायद निर्माता किसी और के एजेंडा की पूर्ति में सहायक होना चाह रहा था। ऐसा करके, हम किसका भला करेंगे, कहा नहीं जा सकता।

किसी भी तरह से, बदले की भावना भरना, देश एवं उसके नागरिकों के हित में नहीं है। ऐसा करके कोई दल अपने चुनावी संभावनाओं को भले ही अच्छा कर ले, किंतु इंसानियत को कम करने का ही काम करेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कितनी अच्छी बात कही थी कि कश्मीरियों के साथ पूरा बर्ताव 'जम्हूरियत, कश्मीरियत और इंसानियत' के आधार पर निर्धारित होगा होगा। इस फिल्म के परिणाम स्वरूप तो लगता है, इंसानियत की बात करना ही एक प्रकार से अपराध मान लिया जाएगा। आज भी जो लोग इस फिल्म के दृष्टिकोण का विरोध करते हैं या उस पर अपनी स्वतंत्र विचारों को व्यक्त करते हैं, उन्हें देशद्रोही घोषित करने में कोई समय नहीं लगाया जाता। जिस प्रकार निर्माता की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता यह फिल्म बनाने में रही है, उसी प्रकार से उन लोगों को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, जो इस बारे में निर्माता से मत भिन्नता रखते हैं। कुछ लोग इस फिल्म को अर्ध-सत्य मानते हैं, पूर्ण सत्य नहीं। इंसानियत का तकाजा है कि नागरिकों में बदले की भावना को बढ़ाने के स्थान पर उस समय के दिए हुए घावों पर मरहम लगाया जाए। पुराने घावों को को कुरेदने से या उन पर नमक छिड़कने से, घृणा का वातावरण ही उत्पन्न होगा। जो प्रयास कश्मीरी लोगों के दिलों को जीतने का किया जाना प्रस्तावित है, उन्हें ठेस ही पहुंचेगी।

उस समय जिन मुसलमानों ने अपने पड़ोसी पंडित परिवारों की रक्षा के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया, उन्हें भी याद किया जाना चाहिए। इस प्रकार की भावना रखने वालों को न केवल सम्मान दिया जाना चाहिए अपितु प्रोत्साहित भी किया जाना चाहिये।

प्रधानमंत्रीजी ने भी कहा है कि कश्मीरियों से दिल की दूरी कम करनी होगी। क्या इस प्रकार की फिल्म को पूरा सरकारी समर्थन देकर क्या वे दिल की दूरी बढ़ाने का काम नहीं करेंगे? कोई भी व्यक्ति, 1990 में हुए कश्मीरी पंडितों के पलायन से अत्यंत दुखी हुए बिना नहीं रह सकता, न उस प्रकार का कृत्य करने वालों के प्रति किसी प्रकार की सहानुभूति रख सकता है।

उस समय जिन मुसलमानों ने अपने पड़ोसी पंडित परिवारों की रक्षा के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया, उन्हें भी याद किया जाना चाहिए। इस प्रकार की भावना रखने वालों को न केवल सम्मान दिया जाना चाहिए अपितु प्रोत्साहित भी किया जाना चाहिये। पाकिस्तान की शह और साजिश पर जिन लोगों ने भी पंडितों पर अत्याचार किए उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए, किन्तु उसके कारण समस्त कश्मीरी मुसलमानों को एक श्रेणी में रख देना अनुचित होगा। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि, जो मुसलमान, धर्म के आधार पर बने पाकिस्तान के साथ नहीं गए एवं धर्मनिरपेक्ष भारत में रहना स्वीकार किया, उनकी आस्था भारत की धर्मनिरपेक्षता में कितनी दृढ़ रही होगी? अब स्वतंत्रता के 75 वर्ष पश्चात उनके मन में असुरक्षा का भाव उत्पन्न करना अथवा उनके प्रति अन्य समुदायों में घृणा का भाव उत्पन्न करना क्या उनके प्रति विश्वासघात नहीं होगा, जिन्होंने भारत में रहने का निर्णय किया? ऐसा करके हम क्या हासिल कर पाएंगे?

आज की युवा पीढ़ी कई प्रकार की अन्य समस्याओं से ग्रस्त है जैसे अशिक्षा, स्वास्थ्य की कमी, बेरोजगारी आदि। इन से ध्यान हटाने में भले ही यह फिल्म कुछ हद तक सफल हो जाए, किंतु इसका दीर्घकालीन प्रभाव देश हित में नहीं होगा। धारा 370 के हटने के पश्चात कश्मीरियों के मन में जिस प्रकार की भावना घर कर गई थी, उसे धीरे-धीरे समाप्त करने की आवश्यकता थी। इस फिल्म के समर्थन से कहीं ऐसा ना हो कि वह अपने आप को और अधिक असुरक्षित व अलग-थलग महसूस करने लगे?

यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा को सत्ता में आए आठ वर्ष होने को आए हैं और अब तक वह कश्मीरी पंडितों का कश्मीर में पुनर्वास नहीं कर पाई है? ऐसे समय में, इस फिल्म के समर्थन के बाद, क्या पंडित परिवारों के वापस कश्मीर में लौटने की संभावनाओं को सरकार द्वारा कम नहीं किया जा रहा है?

कश्मीर में रहने वाले हिंदू और मुसलमान, सदियों से प्रेम से साथ रहते आए हैं। इस मधुर संबंध को पाकिस्तान के उकसाने से, कुछ स्थानीय लोगों ने, 1990 से तोड़ने का प्रयास लगातार किया है। ऐसे ही लोगों (आतंकवादियों) द्वारा उत्पीड़न किए जाने पर लगभग पाँच लाख कश्मीरी पंडितों को घर छोड़कर जाना पड़ा। आज वे देश के कई भागों में बस चुके हैं एवं जैसे-तैसे, जीवन को पटरी पर ला पाए हैं।

सत्ताधारी दल और सरकारी समर्थन तथा प्रचुर प्रचार के परिणाम स्वरूप, यह फिल्म अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार कर चुकी है। इस फिल्म पर चर्चा के माध्यम से कई टीवी चैनल, अपनी टीआरपी बढ़ा कर अच्छा खासा पैसा बना चुके हैं। सत्ताधारी दल अपना वोट बैंक और सुदृढ़ करने में लगा हुआ है। कई लोग, जो अब तक निष्पक्ष रुप से पूरे घटनाक्रम को देखते थे, उनमें से कई अब उसे एक धर्म विशेष की दृष्टि से देखना प्रारंभ कर चुके हैं।

यह भी संभव है कि इस फिल्म की प्रतिक्रिया स्वरुप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग करते हुए गुजरात के दंगों और दिल्ली में सिखों पर हुए अत्याचारों के बारे में भी फिल्में बन जाएँ। क्या सरकार, चाहे वो किसी भी दल की क्यों न हो, इन फिल्मों को भी उतना ही प्रसारित-प्रसारित करके समर्थन देना चाहेंगी जैसा 'दी कश्मीर फाइल्स' को दिया है? यह तो देश की बहुसंख्यक जनसंख्या की परिपक्वता का प्रमाण है कि वह इस फिल्म के बनने के बाद भी अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति बदले की लेने की भावना से भर नहीं गई है।

निर्माता, फिल्म को पूर्णता से प्रस्तुत नहीं करने के बारे में एक तर्क दे सकते हैं कि यह डॉक्यूमेंट्री नहीं है एवं केवल उस समय की घटनाओं पर आधारित है। ऐसा करके वह तकनीकी रूप से भले ही अपने आप को बचा लें, किंतु इस आरोप से तो निश्चित रूप से नहीं बच सकते हैं कि उनका काम केवल एक फिल्म बनाना नहीं, अपितु किसी एजेंडा को आगे बढ़ाना रहा है।

फ़िलहाल जिस प्रकार का माहौल इस फिल्म को लेकर बनाया जा रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि वे अपने उद्देश्य में सफल रहे हैं। अब देखना केवल यह है कि निर्माता, सत्ताधारी दल और टीवी चैनल तो अपना एजेंडा पूरा करने में सफल होते दीख रहे हैं, किन्तु भारत और भारतीयों के मूल एजेंडा जैसे-बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुशासन का क्या होगा?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

फिल्म ''द कश्मीर फाइल्स'' देशभक्ति का तड़का और रोटियों की जुगत

कश्मीर से पण्डितों के पलायन के जख्म कभी नहीं भरेंगे। आजाद भारत में यह घटना एक दुर्भाग्य के रूप में सदा के लिए अंकित हो गई। चार लाख से अधिक कश्मीरी पण्डित अपना घर छोड़कर दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर हो गए। आजद मुल्क के लोग अपने ही वतन में शरणार्थियों के रूप में भटके देश का सिर शर्म से झुक गया लेकिन इससे भी बड़ा अफसोस यह है कि किसी भी सरकार ने कश्मिरियों के इस दर्द को, इनके जख्म को कायदे से दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। हां इसके विपरीत इस मुद्दे पर राजनैतिक रोटियां सेंकने और भावनाओं का तड़का लगा कर फिल्म निर्माण द्वारा अपनी जेबें भरने का काम खूब होता रहता है। इस समय कश्मीर मसला एक बार फिर फिल्म कश्मीर फाइल के कारण चर्चा में है।

फिल्म पर राजनीति भी शुरु हो गई है गुजरात, हरियाणा सरकारों ने इसे टैक्स फ्री धोषित कर दिया है आने वाले समय में और राज्य सरकारें भी ऐसा कर सकती हैं। कश्मीर से पण्डितों के पलायल के लिए एक तबका जम कर कांग्रेस को कोसता है तो एक वर्ग भाजपा को भी कम दोषी नहीं मानता।

जिन्हें इतिहास मालूम नहीं है उन्हें ज्ञात होना चाहिए कि जिस दिन जम्मू कश्मीर से 4 लाख से अधिक पण्डितों को कश्मीर से भगाया गया वह तारीख थी 19 जनवरी 1990, उस दिन केंद्र में विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री थे, जनता दल गठबंधन की सरकार थी और भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से सरकार बनी थी और चल रही थी। उस समय अलगाववादी नेता मुफ़्ती मुहम्मद सईद देश के गृहमंत्री थे जिनकी बेटी महबूबा मुफ़्ती हैं। उस समय जम्मू कश्मीर के राज्यपाल बीजेपी नेता जगमोहन थे। उस समय वहां राज्यपाल शासन था जो कि केंद्र सरकार के अधीन होता है।

फिर भी इस सबसे कोई इसका आरोप कांग्रेस पर नही लगाए तो समझ लें कि वह जानबूझ कर तथ्यों से खिलवाड़ कर रहा है अंजान है या पब्लिक को बेवकूफ बना रहा है। कश्मीर में ये हालात एकाएक नहीं बने थे, ये आग वहां वर्षों से धधक रही थी और कांग्रेस वहां वर्षों से सत्ता भोग रही थी। कांग्रेस की आंखों के सामने देखते-देखते कश्मीर से हिन्दुओं का आंकडा शून्य हुआ था। जाहिर सी बात है कांग्रेस का दामन इस मसले पर पूरी तरह दागदार है लेकिन कांग्रेस से इतर सरकारों ने भी बाद में कश्मीरी पण्डितों के पुर्नवास और उनके भरोसे को बहाल करने का ठोस काम नहीं किया। कश्मीर के मसले और पण्डितों के मामले पर विवेक अग्निहोत्री की ताजा कश्मीर फाइल फिल्म चर्चा में है ।

अगर निर्माता निर्देशक संकीर्ण सोच पर देशभक्ति की चासनी चढाकर ध्रुवीकरण की राजनैतिक आग में अपनी रोटियां सेंकने की जुगत भिड़ा रहा हो तो सतर्क हो जाएं । दी कश्मीर फाइल्स फिल्म बनाने वाले बस्तर के आदिवासियों पर फिल्म बनाने का भी साहस दिखाएं। फिर ओर पीछे लौटें तो गुजरात दंगे भागलपुर दंगे मुज़फ्फरनगर दंगा मुरादाबाद ईदगाह कांड सहित ऐसी कितनी घटनाएं हैं।

राजेन्द्र मोहन शर्मा

आप और आपके बच्चे 'दी कश्मीर फ़ाइल' भले ही देखें, कश्मीरी पंडितों से हमदर्दी रखें, हो सके तो उनकी मदद करें। आपको ये फिल्म इसलिए देखनी है कि आप नफरत और धार्मिक उन्माद की भट्टी पर चढ कर खुद को इसमें न झोक बैठें। याद रखिये ज़ख्म पर मरहम रखा जाता है कुरेदा नही जाता, कुरेदने से ज़ख्म रिसने लगता है नुकसान बढ़ जाता है। अपने बच्चों के दुश्मन न बनो उनको भी अच्छे भविष्य के साथ जीने दो।

भारतीय वायुसेना के स्क्वाडन लीडर रवि खन्ना की पत्नी अदालत में पहुंची है, इन्होंने दावा किया कि फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' सही तथ्यों पर आधारित नहीं है। यह स्पष्ट रूप से स्पष्ट है कि पूरी फिल्म को इस घटना के एक तरफा दृष्टिकोण के रूप मे चित्रित किया जा रहा है। कश्मीर फाइल्स में निश्चय ही मंजे हुए कलाकारों की लिस्ट है इनमें दर्शन कुमार, मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, चिन्मय मांडलेकर और प्रकाश बेलवाडी आदि शामिल हैं।

लेखक सौरभ एम पांडे और विवेक अग्निहोत्री की फिल्म का निर्देशन विवेक अग्निहोत्री ने किया है वे इसके निर्माताओं तेज नारायण अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी के साथ भी सम्मिलित हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने बतौर निर्देशक 'बुद्धा इन ए ट्रैफिक जैम' से अलग लीक हिंदी सिनेमा में पकड़ी है। विवेक ने अपनी पिछली फिल्म 'द ताशकंद फाइल्स' से अपनी लाइन बदली और विवादास्पद मसलों को अपना टूल बनाकर उस पर काम शुरू किया। उसी फिल्म का डीएनए विवेक अब अपनी इस नई फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' में लेकर आए हैं। पिछली बार उन्होंने इतिहास में ढकी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की हत्या पर फिल्म बना कर शास्त्री जी के प्रति आम आदमी के आदर को भुनाने की कोशिश की थी । इस बार उन्होंने कश्मीर की काफी गंभीर समस्या को अपना टारगेट बनाया है।

निश्चित रूप से फिल्म में जो सामने जो कुछ आता है वह परेशान करने वाला है। निर्माता निर्देशक विवेक अग्निहोत्री का दावा है कि फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' एक तरह से इतिहास की उन 'फाइल्स' को पलटने की कोशिश है जिनमें भारत देश में वीभत्स नरसंहारों के चलते हुए सबसे बड़ा पलायन हुआ । देश में कश्मीर पंडित ही ऐसी कौम है जिसे उनके घर से आजादी के बाद बेदखल कर दिया गया है और करोड़ों की आबादी वाले इस देश के किसी भी हिस्से में कोई हलचल तक न हुई । जिस कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक होने वाले देश का दम बार बार बड़े-बड़े नेता भरते रहे हैं, उसके हालात की ये बानगी है।

यह सच है कि इस के सहारे आतंक का एक चेहरा दिखाया गया है लेकिन कहानी कहना सलीका सही नहीं बन पडा है, इससे यह फिल्म एक डॉक्यूमेंट्री जैसी बन पड़ी है।

लेकिन यह जरूर कहना पड़ेगा कि फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर शुरू में कहीं किसी तरह का शोर शराबा नहीं था लेकिन बाद में विवेक ने चतुराई से कपिल शर्मा के शो में खुद को फिल्म प्रमोशन के लिए न बुलाए जाने को मुद्दा बनाया और कपिल शर्मा के शो का बायकॉट का हैशटैग रिलीज से पहले ट्रेंड कर खुद को सेन्टर में लाने में कामयाब हो गए । आज फिल्म तथाकथित देशभक्ति के उफान के जोर पर साढे छः सौ स्क्रीन पर चल पड़ी है और बड़े बिजनेस की ओर भी बढ रही है। अनुपम खेर रंग मे दिखे हैं। दर्शन कुमार ने फिल्म के अतीत को वर्तमान से जोड़ने का काम किया है। चिन्मय मांडलेकर का अभिनय फिल्म की एक और मजबूत कड़ी है। लेकिन ऐसी फिल्में बिना किसी वैचारिक दर्शन और ठोस समाधान के कभी याद नहीं रहती। अच्छा होता विवेक अग्निहोत्री धारा 370 हटने के बाद कश्मीरी पण्डितों के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर भी एक नजर डालते तो आम आदमी को हकीकत का पता चलता।

राजेन्द्र मोहन शर्मा
साहित्यकार, चिन्तक एवं शिक्षाविद्)

लेकसिटी में विकसित होगा ''पलाश वन''

- **पलाश वैली को देख अभिभूत कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए**

उदयपुर,(कासं)। गर्मी की ऋतु में खिलने वाले फागुन के पुष्प, किंशुक और जंगल की ज्वाला के नाम से प्रसिद्ध पलाश के फूलों से लकदक उदयपुर की 'पलाश वैली' में फूलों के सौंदर्य से अभिभूत उदयपुर कलेक्टर ताराचंद मीणा ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर शहर में पलाश वन विकसित करने के निर्देश दिए।

उदयपुर में पलाश वैली में फूलों से लदा पलाश का पौधा।

कलेक्टर मीणा ने जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि गर्मियों की ऋतु में जब सभी पेड-पौधों से पत्ते झड जाते हैं तब पलाश का फूल सुर्ख लाल-केसरी रंग की आभा के साथ खिल उठता है और वन क्षेत्र में अलग ही सौंदर्य बिखेरत है। उन्होंने कहा कि शहर में स्थित खेलगांव के पास की पहाडियां वनस्पति विहीन है ऐसे में यहां पर पलाश के पौधों का रोपण करते हुए इसे पलाश वन के रूप में विकसित किया जा सकता है। इस कार्य के लिए उन्होंने वन विभाग को तकनीकी मार्गदर्शन देने और नगर विकास प्रन्यास के सचिव अरूण कुमार हसीजा को पलाश का पौधरोपण करवाने की जिम्मेदारी सौंपी।

इसी प्रकार उन्होंने स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर में हाल ही में शहर कोट के जीर्णोद्धार कार्य की तारीफ करते हुए कहा कि शहर कोट के आसपास भी पलाश के पौधों का रोपण करवाया जा सकता है। इस कार्य के लिए उन्होंने स्मार्ट सिटी सीईओ प्रदीपसिंह सांगावत को निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक दौरान वर्षा ऋतु की शुरूआत पर अगला वन महोत्सव डाइट परिसर में आयोजित करने की घोषणा करते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बीस सूत्री कार्यक्रम के तहत जिन विभागों के पास बडा परिसर उपलब्ध है, वहां पर यूआईटी के माध्यम से पौधरोपण करवाया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने समस्त संबंधित विभागों को पौधरोपण के लिए अपने प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

अचानक तापमान बढ़ने से चने की फसल को नुकसान हुआ

हनुमानगढ़ (निसं)। जिले के नोहर क्षेत्र में तापमान में हुई बढ़ोतरी से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे देखी जा रही हैं। अचानक बढ़े तापमान से चने की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। पिछलें चार-पांच दिनों में एक दम से बढ़े तापमान के कारण पककर करीब-करीब तैयार हो चुकी चने की फसलों को नुकसान हो रहा है ।

किसानों ने बताया कि इस बार समय से पूर्व अचानक तापमान में बढ़ोतरी से चने की फसल प्रभावित हो रही है। चने की फसल की डालिया टूट कर नीचे गिर रही हैं। साथ ही फसल में कालापन नजर आ रहा हैं। गेहुं की फसल में भी नुकसान हो रहा हैं। कृषि विभाग के अधिकारी बलवीर सिंह सुथार ने बताया कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष चने की फसल की बुआई अधिक हुई हैं, लेकिन अचानक बढ़ा तापमान ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर रहा हैं। इस वर्ष सिंचित क्षेत्र में 43 हजार 163 हैक्टेयर व असिंचित क्षेत्र में 62 हजार 327 हैक्टेयर चने की बुआई हुई हैं। यानि कुल 1 लाख 5 हजार 550 हैक्टेयर में चने की बुवाई हुई हैं। जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक हैं। किसानों ने बताया कि चने की फसल पूरी पकाव है । पांच-दस दिनों में चने की फसल की कटाई शुरू हो जाएगी। मगर बढ़ता तापमान उनकी चिंता बढ़ा रहा है।

प्राकृतिक माहौल में पशु विचरण करेंगे तो गोबर गैस से पशुपालकों के चूल्हे जलेंगे : मंत्री धारीवाल

- **देश की सबसे अनोखी योजना से शहर बनेगा कैटल फ्री**
- **पशुपालकों के जीवन में होगा बड़ा बदलाव : धारीवाल**

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर प्रदेश ही नहीं देश की वो अनूठी योजना जो कोटा शहर को कैटल फ्री शहर तो बनाएगी ही साथ ही पशुपालकों को प्राकृतिक माहौल के बीच शहरी क्षेत्र की सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाने और उनके जीवन स्तर में आमूलचूल परिवर्तन करने वाली नगर विकास न्यास कोटा की देवनारायण योजना तैयार हो चुकी है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने बताया कि योजना के तहत जहां परिसर में पशुओं के लिए तमाम सुविधाओं को विकसित किया गया है वही पशुपालकों के आवासों में नेचुरल गोबर गैस की सप्लाई के कनेक्शन का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। योजना के तहत 738 आवासों का मय बाड़े, चारा स्टोर की सुविधा के साथ निर्माण कार्य पूरा हो चुका है । इसके साथ ही देवनारायण योजना में पशुपालकों उनके परिवारों के लिए पानी, बिजली, सड़क, चिकित्सा, पुलिस चौकी, प्रशासनिक भवन आदि की सुविधाएं भी उपलब्ध करवा रही है यही नहीं पशुपालकों के लिए सामुदायिक भवन, बच्चों के लिए स्कूल,चिकित्सालय, पशु चिकित्सालय जैसी सभी सुविधाएं भी दी जा रही है।

कोटा में पशुपालकों की देवनारायण नगर एकीकृत आवासीय योजना में देश का दूसरा सबसे बड़ा बायोगैस संयंत्र स्थापित हो रहा है।

पशुओं के लिए तालाब, खुला चारागाह, विचरण के लिए अनुकूल माहौल इस अनूठी योजना में उपलब्ध है। न्यास के विशेष अधिकारी आर डी मीणा के अनुसार पशुपालकों के लिए बनाई गई यह योजना देश की अनोखी योजना है। योजना को लॉन्च करने से पूर्व देशभर में पशुपालकों के लिए बनाई गई योजनाओं का अध्ययन व अवलोकन कर आधुनिक संसाधनों का समावेश प्राकृतिक माहौल में इस योजना को अमलीजामा पहनाया गया है यह योजना दूसरे राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। योजना का कार्य लगभग कंप्लीट हो चुका है अब जल्द ही पशुपालकों को शिफ्ट किया जाएगा। धारीवाल ने बताया कि इतना बड़ा बायोगेस प्लांट जब कोटा में स्थापित होगा तो दुसरी जगहों पर भी नेचुरल गैस के प्रति रूझान बढ़ेगा।

प्रदेश का पहले सबसे बड़ा गोबर गैस प्लांट एग्रीकल्चर वेस्ट और गोबर से सीएनजी व बायोगैस तैयार की जाएगी। यह प्लांट करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से 5 एकड़ जमीन पर बनाया जा रहा है । प्लांट से प्रतिदिन 400 क्यूबिक मीटर बायोगैस और सीएनजी और एक टन मीटर ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर का निर्माण भी होगा। प्लांट के उत्पादों की बिक्री नगर विकास न्यास, राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड के साथ करेगा।

यहां 150 टन गोबर व मंडी वेस्ट की प्रतिदिन क्षमता का यह प्लांट जीरो पॉल्यूशन हाई बायोगैस (जेडपीएचबी) तकनीकी पर काम करेगा जिसमें बायो सीएनजी, बायोगैस, ऑर्गेनिक लिक्विड व सॉलिड फर्टिलाइजर का भी तैयार किया जाएगा। इस प्लांट से ही देवनारायण एकीकृत आवासीय योजना में बने 738 मकानों की सप्लाई जोड़ दी गई है। ऐसे में इन मकानों की रसोई में नेचुरल गैस से ही खाना बनेगा। इसके साथ ही नगर विकास न्यास ने राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड से करार किया हैं। यहां बनने वाली कंप्रेसर नेचुरल गैस (सीएनजी) को व्हीकल और इंडस्ट्री सप्लाई के लिए भी दिया जाएगा।

150 टन प्रतिदिन क्षमता के गोबर गैस प्लांट का निर्माण कार्य बेंगलुरु की नॉलेज इंटीग्रेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कर रही है। कंपनी के सीनियर साइट इंजीनियर राजा मुरूगन ने बताया कि कोटा में बन रहा यह प्लांट देश का दूसरा सबसे बड़ा बायोगैस का प्लांट है। इससे पहले इंदौर में बीते दिनों ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 550 टन प्रतिदिन क्षमता के प्लांट का उद्घाटन किया है। देश के दूसरे सबसे बड़े इस बायोगैस संयंत्र का रखरखाव 5 वर्ष तक निर्माण करने वाली कंपनी ही करेगी। सीएम अशोक गहलोत द्वारा इसकी आधारशिला रखी गई थी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 22 मार्च, 2022

चैत्र मास कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2078, विशाखा नक्षत्र रात्रि 8:14 तक, हर्षण योग दिन 1:09 तक, कौलव करण सांय 5:23 तक, चन्द्रमा दिन 2:33 पर वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-कुम्भ, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 8:14 तक है। आज रंग पंचमी, श्री जयंती है और राष्ट्रीय चैत्र मास आरम्भ होगा। शक सम्वत 1944 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:33 से 11:04 तक, लाभ-अमृत 11:04 से 2:04 तक, शुभ 3:34 से 5:05 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 6:35

मेष

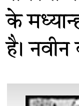

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृष

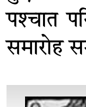

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

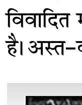

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

कर्क

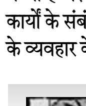

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है।

सिंह

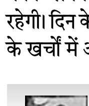

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में सुसंदेश प्राप्त होंगे।

तुला

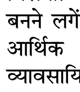

मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

वृश्चिक

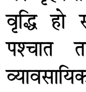

धार्मिक-सामाजिक समारोह पर धन खर्च होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात तानसिक तनाव दूर होगा। व्यावसायिक/आर्थिक कार्यों में प्रगति होगी।

धनु

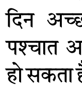

आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मकर

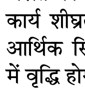

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

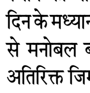

धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मीन

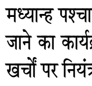

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन से न्यू पेंशन स्कीम की 10 फीसदी राशि कटौती 1 अप्रैल से बंद

कर्मचारियों का जो पैसा अब तक जमा हो चुका, वह आरजीएचएस में समायोजित करने के बाद रिटायरमेंट के वक्त ब्याज समेत मिलेगा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) को खत्म करके पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा करने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अब 1 अप्रैल से कर्मचारियों के वेतन से 10 फीसदी रकम कटौती खत्म करने की घोषणा भी कर दी है। जनवरी 2004 से भर्ती हुए सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन से अब हर माह होने वाली 10 फीसदी कटौती नहीं होगी। इसके पहले हुई जो रकम कर्मचारियों की काटी गई है, उसे पेंशनर्स मेडिकल फंड की राशि (आरजीएचएस) में समायोजित करने के बाद बचे हुए पैसे को रिटायरमेंट के वक्त ब्याज सहित दिया जायेगा। सोमवार को विधानसभा में राजस्थान वित्त एवं विनियोग विधेयक-2022 पर बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की।

- **खिलाड़ियों को 40 साल की उम्र के बाद प्रतिमाह 20 हजार रु. पेंशन देगी राज्य सरकार**
- **महिलाओं को कर्ज देने के लिए जयपुर में बनेगा महिला को-ऑपरेटिव बैंक, सरकार देगी 250 करोड़ का फंड**

गहलोत ने कहा कि 1 अप्रैल से सरकारी कर्मचारियों को बढ़ा हुआ पैसा मिलेगा। न्यू पेंशन की 10 फीसदी रकम कटौती खत्म होने से हर कर्मचारी को प्रतिमाह 2000 से लेकर 10 हजार रुपए तक ज्यादा रकम मिलेगी। गहलोत ने बजट में 2004 और उसके बाद भर्ती कर्मचारियों पर लागू न्यू पेंशन स्कीम खत्म कर इसी साल से 1 अप्रैल से ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा की थी। न्यू पेंशन स्कीम में कर्मचारी के मूल वेतन से 10 फीसदी पैसा एनपीएस के लिए काटा जाता था, उतना ही पैसा सरकार मिलाती थी।

मुख्यमंत्री ने इसके अलावा भी कई घोषणाएं की हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजना लागू करने का ऐलान किया। इसके तहत खिलाड़ियों को 40 वर्ष की उम्र पूरी करने पर 20 हजार प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी। पेंशन के लिए पात्रता के नियम अलग से जारी किए जाएंगे। महिलाओं को कर्ज देने के लिए जयपुर में अलग से महिला कोऑपरेटिव बैंक खोला जाएगा। इस बैंक को राज्यसरकार शुरुआत में 250 करोड़ रुपए का फंड देगी।

सरकार की अन्य घोषणाएं

❖ फूड सेफ्टी निदेशालय बनेगा।
❖ 500 स्कूलों में नए संकाय खुलेंगे।
❖ बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना लागू होगी, इसमें पूरा खर्च को रिएम्बर्स किया जाएगा।
❖ 9 से 12 वीं तक की कक्षाओं के लिए 50 करोड़ की लागत से ई लाइब्रेरी।
❖ 2 लाख बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी।
❖ शांति व अहिंसा निदेशालय पर 5 करोड़ खर्च होंगे।
❖ खादी कामगार आर्थिक प्रोत्साहन योजना लागू होगी, 18 करोड़ खर्च होंगे।
❖ अगले साल से राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता, ग्रामीण ओलिंपिक भी होगा।
❖ ग्रामीण ओलिंपिक में पदक जीतने वालों को पंचायत स्तर पर संविदा भर्तियों में प्राथमिकता।
❖ अगले साल 5000 नई राशन की दुकानें खोली जाएंगी।
❖ स्कूलों में बच्चों को मिड-डे-मील में दो दिन दूध दिया जाएगा। इस पर 500 करोड़ रु. खर्च होंगे।
❖ शहरों में लिक्विड कचरे से मीथेन गैस बनाने के प्लांट लगेंगे।
❖ प्रशासन शहरों के संग अभियान में पट्टा मिलने के 3 साल बाद अब जमीन-मकान बेच सकेंगे, पहले 10 साल तक बेचने पर प्रतिबंध था।
❖ मंडियों पर 0.5 फीसदी यूजर चार्ज को घटकर 0.2 फीसदी करने की घोषणा।
❖ डेयरी संघों को निर्देशित किया जाएगा कि दूध के दाम नहीं बढ़ाएं जाएं।
❖ बारां में डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट लगेगी।
❖ ईटीटी प्रयोगशालाएं लगेंगी।
❖ खारे पानी से झींगा उत्पादन को देखते हुए चूरू में मत्स्य पालन विभाग का दफ्तर खुलेगा।
❖ चूरू किले के जीर्णोद्धार के लिए 5 करोड़ रु. की घोषणा।
❖ क्रेडिट कॉपरेटिप सोसाइटीज की ठगी रोकने के लिए वित्त विभाग के अधीन अलग से डायरेक्ट्रेट ऑफ इकोनॉमिक ऑफेंस बनाने की घोषणा।
❖ जमीनों की धोखाधड़ी रोकने के लिए सोसाइटी एक्ट में संशोधन होगा।
❖ 57 पंचायत समित मुख्यालयों पर सीडीपीओ, बीसीएमएचओ दफ्तर खुलेंगे।

'बजट घोषणाओं को लागू करेंगे, नहीं तो हम बदनाम होंगे, विपक्ष को चिंता क्यों?'

-विधानसभा संवाददाता-

- **अशोक गहलोत ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष समेत तमाम बीजेपी विधायकों पर कटाक्ष किया**
- **बीजेपी की मार्केटिंग में मास्टरी, हम काम ज्यादा करते हैं, मार्केटिंग कम। कर्ज चुकाने की औकात है, इसलिए ले रहे, औकात से ज्यादा कर्ज की इजाजत भारत सरकार से नहीं मिलती : मुख्यमंत्री**
- **गहलोत ने कहा कि "बीजेपी के नेताओं में मोदी और अमित शाह का डर बैठा हुआ है, इसलिए वे राजस्थान की ईआरसीपी को केंद्रीय परियोजना घोषित करवाने की मांग नहीं उठा रहे। हमारे साथ चलिए, कम से कम इसमें तो पैरवी कर दीजिए, केन्द्रीय जलमंत्री भी राजस्थान के हैं।"**

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा में कहा कि पूरे बजट सत्र में विपक्ष बार-बार कहता रहा है कि बजट कैसे लागू होगा? लेकिन आप चिंता क्यों करते हैं हमारी सरकार की। बजट हम लागू नहीं करेंगे तो बदनाम हम होंगे। विपक्ष को हमारी फिक्र क्यों है। आप क्या आगाह करोगे, जब कोई तर्क लगता हो तो आगाह कीजिए। मैंने बजट घोषणाओं पर बैठक ले ली। 100 प्रशासनिक मंजूरियां निकाल दी हैं। हमारा वित्तीय प्रबंधन शानदार है। खर्चा हो रहा है, इसका मतलब काम हो रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह कटाक्ष सोमवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया समेत तमाम बीजेपी विधायकों पर किया।

गहलोत ने तंज कसा कि विपक्ष जानबूझकर बोल रहा है कि बजट लागू कैसे होगा? बीजेपी की तो मास्टरी है कि मार्केटिंग शानदार करनी है, चाहे काम कम करो। हम काम में लगे रहते हैं, मार्केटिंग नहीं करते हैं। बजट को लेकर विपक्ष ने सदन के अंदर आंकड़ों के खेल में फंसाकर रखा। बजट लागू नहीं होगा, यह कहकर अलग माहौल बनाने कर प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सच्चाई अलग है।

गहलोत ने कहा कि भारत सरकार की मंजूरी के बिना कर्ज नहीं ले सकते। जीएसडीपी हाई होगी तो कर्ज ज्यादा मिलेगा। आप भार बढ़ने की बात कैसे कह सकते हैं? देश और दुनिया की सरकारें भारी कर्ज लेकर विकास करती हैं। कर्ज उसी लिमिट में लिया जाता है, जिस लिमिट में चुकाने की कैपिसिटी हो, राज्य सरकार उससे ज्यादा ले ही नहीं सकती, इसलिए कर्ज का भार बढ़ने की बात गलत है। कर्ज उतना ही ले सकते हैं जितनी औकात है, हमारी कर्ज चुकाने की औकात है, इसलिए कर्ज ले रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा, केन्द्र की मोदी सरकार का राज्यों के प्रति रवैया ठीक नहीं है। हमारे हिस्से का केंद्र सरकार से 68 हजार करोड़ रु. मिलना चाहिए था, लेकिन मोदी सरकार केवल 49 हजार करोड़ रु. ही देगी। यानि कि पूरा 19 हजार करोड़ रु. राजस्थान को कम मिलेगा।

अधिवक्ता की लापता पुत्रियों की बरामदगी नहीं होने पर वकीलों ने लगाया जाम

वकील की पुत्रियों को 45 दिन बाद भी नहीं खोजने पर अधिवक्ताओं ने सोमवार को जयपुर में हाईकोर्ट के बाहर और कलेक्ट्री के बाहर जाम लगाया।

- **अधिवक्ता की लापता पुत्रियों की बरामदगी नहीं होने पर वकीलों ने लगाया जाम**
- **अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम अजयपाल लांबा के नेतृत्व में 16 पुलिसकर्मियों की एसआईटी गठित**
- **45 दिन से लापता पुत्रियों का आज तक पता नहीं लगा पाई पुलिस**

जयपुर, (का.सं.)। शहर के एक अधिवक्ता की करीब 45 दिन से लापता दो पुत्रियों की बरामदगी नहीं होने पर वकीलों ने शहर के दो मुख्य मार्गों पर जाम लगा दिया। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने मामले में एसआईटी गठित कर लापताओं की तलाश के प्रयास शुरू कर दिए हैं। दी बार एसोसिएशन के बैनर तले वकीलों ने सेशन कोर्ट के बाहर एमआई रोड को जाने वाली सड़क पर प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। इसी तरह हाइकोर्ट बार एसोसिएशन ने भी हाईकोर्ट के बाहर बीच सड़क पर टैंट लगाकर रास्ते को अवरूद्ध कर दिया। एक ही समय दो मुख्य मार्ग जाम होने के चलते शहर का यातायात भी कई घंटों तक अव्यवस्थित रहा। दोनों बार एसोसिएशन ने तीन दिन पूर्व मुख्यमंत्री सहित प्रशासन को इस संबंध में लिखित में अल्टीमेटम दे दिया था।

हाईकोर्ट के बाहर जाम की सूचना मिलने पर पुलिस के कई आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने वकीलों को समझाने का प्रयास किया। वहीं मामले में डीजीपी ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त जयपुर प्रथम अजय पाल लांबा के नेतृत्व में 16 पुलिसकर्मियों की एसआईटी गठित की गई है। इस टीम के द्वारा की गई कार्रवाई की रोजाना पुलिस आयुक्त को सूचना देनी होगी। वहीं एसओजी और एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक एसआईटी को सभी तकनीकी और ऑपरेशनल सहयोग उपलब्ध कराएंगे। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव गिर्राज शर्मा ने बताया कि अधिवक्ता अवधेश कुमार पुरोहित की 16 और 17 साल की दो बेटियां रमा और भावना करतारपुरा स्थित लाईसीएम सीनियर सैकण्डरी स्कूल से गत तीन फरवरी को लापता हो गई थी। इसे लेकर महेश नगर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई, लेकिन दोनों बच्चियों को अब तक बरामद नहीं किया गया है। दोनों की आखिर लोकेशन लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन और निशातगंज पेपर मिल कॉलोनी की आई थी। इसके बावजूद पुलिस मामले में प्रभावी कदम नहीं उठा रही है। बार एसोसिएशन ने दोनों बच्चियों की सूचना देने पर 51 हजार रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा भी की है। वहीं दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल किशोर शर्मा और डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि दोनों बच्चियों को लापता हुए डेढ़ माह से ज्यादा समय बीत चुका है। यदि अब भी लापता बेटियां बरामद नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। गौरतलब है कि अधिवक्ता अवधेश कुमार की 17 और 16 साल की दो पुत्रियां रमा और भावना 3 फरवरी को बीमारी की बात कहकर स्कूल से निकली थी। वहीं बाद दोनों लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन और फिर निशातगंज पेपर मिल कॉलोनी में भी अकेली घूमते सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड हुई हैं। मामले में राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर त्वरित कार्रवाई करने की बात कही है।

ज्ञानचंद पारख ने मोदी की तुलना भगवान शिव से की तो सदन में हंगामा मचा

- **कांग्रेस विधायक और जलदाय मंत्री महेश जोशी बोले "यह हिंदुओं की आस्था का अपमान है"**

जयपुर (विसं)। विधानसभा में सोमवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब पाली के विधायक ज्ञानचंद पारख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना भगवान शिव (महादेव) से कर दी। जिस पर जलदाय मंत्री महेश जोशी समेत कई कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताते हुए हंगामा कर दिया और पारख की बयानबाजी की निंदा करते हुए इसे हिंदुओं की आस्था का अपमान बताया।

दरअसल राजस्थान वित्त-विनियोग विधेयक पर बहस के दौरान बीजेपी विधायक ज्ञानचंद पारख ने "पीएम मोदी को महादेव का अवतार बता दिया। उन्होंने कहा, किसी जमाने में हर हर महादेव बोला जाता था, उसके बाद हजारों इष्ट हुए, हजारों नेता हुए, लेकिन उसके बाद कोई नारा लगा है तो वह हर हर मोदी का लगा है। हर हर राम और हर हर कृष्ण का नारा लगा, अब हर हर मोदी का नारा लगा है। जैसे महादेव ने विषपान किया था, वैसे ही मोदी को भी देश के विपक्षी पार्टी के नेताओं ने विषपान करवाया, पर उन्होंने कभी कोई बात मन में नहीं रखी। सारे जहर को पीकर भी उसने राष्ट्र हित में जो-जो काम करने थे, वे सारे काम किए। जब महादेव की तीसरी आंख खुलती है तो प्रलय होता है। मोदी की तीसरी आंख खुली तो कश्मीर से आतंकियों का सफाया हो गया। तीसरी आंख खुली तो पाकिस्तान की धरती पर एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक हो गई। पारख ने आगे कहा कि जब महादेव डमरू बजाते हैं तो राम मंदिर का निर्माण होता है। भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण होता है। धारा 370 और 35 ए की धारा खत्म हो जाती है।"

प्रधानमंत्री मोदी को महादेव का अवतार बताने पर जलदाय मंत्री महेश जोशी सहित कई कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति की। जोशी ने कहा कि महादेव की जगह कोई नहीं ले सकता। किसी इंसान से महादेव की तुलना करके हिंदुओं की आस्था का अपमान किया गया है। आपको महादेवजी को पूजना नहीं है, आपको केवल बयानबाजी करनी है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि पारख अपने क्षेत्र में जाकर लोगों से कह दें कि महादेव की मूर्ति हटाकर मोदी की मूर्ति लगा दीजिए। यह तुलना गलत है। विधानसभा में इस पर कुछ देर के लिए हंगामे के हालात बने रहे।

नए विधायक को स्पीकर ने पूरक प्रश्न पूछना सिखाया

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में प्रश्नकाल काल के दौरान विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी को जब पूरक प्रश्न ठीक से नहीं पूछ पाईं। बार-बार असंगत पूरक प्रश्न पूछने पर स्पीकर ने ही विधायक दीप्ती महेश्वरी की सहायता करते हुए पूरक सवाल किया।

क्या गधों और कांग्रेस का कोई गठजोड़ है : राठौड़

जयपुर। विधानसभा में आज बहस के दौरान प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने पशुगणना में गधों की संख्या में आई कमी पर कहा कि जहां कांग्रेस सिकुड़ती गई उन राज्यों में गधे भी कम होते चले गए। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि गधों और कांग्रेस का कोई गठजोड़ है।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में ऊंट और गधों की संख्या में कमी आई है। राठौड़ ने कहा कि देश में गधों की संख्या कहां कम हुई, ये देखा तो आश्चर्य हुआ कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में मतलब जिन राज्यों में चुनाव हुए इन राज्यों में से 90 सीटों में से महज 55 सीट ही कांग्रेस के पास आई। राठौड़ ने कहा जहां आप सिकुड़ते चले गए, उन राज्यों में गधे भी कम होते गए। इस बीच सभापति जेपी चंदेलिया ने राठौड़ को टोका और कहा कि इन शब्दों का उपयोग ना करें। तब राठौड़ ने कहा ऐसा कदाचित नहीं है। राठौड़ की बात पर पलटवार करते हुए शिक्षा मंत्री ने संस्कृत श्लोक पढ़ा। राठौड़ जब सदन में व्यंगात्मक तरीके से कांग्रेस पर गधों के आंकड़ों को लेकर कटाक्ष कर रहे थे। तब सदन में मौजूद कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि आपको नहीं पता देश में सर्वाधिक गधे गुजरात में हैं।

भंवर सिंह भाटी घिरे सवालों में

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक बलबीर सिंह लूथरा ने रायसिंह नगर विधानसभा क्षेत्र में लंबित विद्युत कनेक्शनों से जुड़े सवाल के जवाब में मंत्री भंवर सिंह भाटी भी घिर गए। वे पहले नेता प्रतिपक्ष और फिर स्पीकर सीपी जोशी के सवाल का उचित जवाब नहीं दे पाए। नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने पूरक प्रश्न पूछा कि जिनका पैसा डिमांड जारी होने के बाद जमा हो गया फरवरी, 21 में ही, उन्हें आज मार्च, 22 तक भी कनेक्शन क्यों नहीं मिला। इसका जवाब नही मिलने पर अध्यक्ष ने पूछा कि डिमांड निकालते समय विभाग को क्या यह असेसमेंट नही है कि कितना सामान चाहिये होगा? स्पीकर के बार-बार सही जवाब देने के लिए टोकने पर भी वह असंगत जवाब देते रहे। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि मैं इससे ज्यादा क्या कर सकता हूं।

अपेक्स बैंक की मोबाइल बैंकिग एवं व्हाट्सएप बैंकिग सेवा शुरू

सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने सोमवार को अपेक्स बैंक परिसर में मोबाइल बैंकिग एप, व्हाट्सएप बैंकिग, जयपुर रेलवे जंक्शन एवं कनकपुरा रेलवे स्टेशन पर एटीएम की सुविधा तथा सहकारी बैंकों के लिए न्यू एचआरएमएस पोर्टल के शुभांरभ पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

- **न्यू एचआरएमएस पोर्टल से सहकारी बैंकों के कार्मिकों को मिलेगी ऑनलाइन सुविधाएं**

जयपुर, (का.सं.)। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि अपेक्स बैंक द्वारा मोबाइल बैंकिग सेवा, व्हाट्सएप बैंकिग सेवा, एटीएम सुविधा एवं न्यू एचआरएमएस पोर्टल प्रारंभ करने से उपभोक्ताओं एवं सहकारी बैंकों के कार्मिकों को आसानी से बैंकिग सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा बैंकिग क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों को सहकारी बैंक भी लागू कर रहे है। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकों द्वारा उपभोक्ताओं को दी जा रही सुविधाओं में और विस्तार करने की आवश्यकता है।

आंजना सोमवार को अपेक्स बैंक परिसर में मोबाइल बैंकिग एप, व्हाट्सएप बैंकिग, जयपुर रेलवे जंक्शन एवं कनकपुरा रेलवे स्टेशन पर एटीएम की सुविधा तथा सहकारी बैंकों के लिए न्यू एचआरएमएस पोर्टल के शुभांरभ पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में सूचना एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से और नवाचार किए जाए ताकि संस्थाओं में पारदर्शिता एवं डिलवरी सिस्टम को आसान बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि हर पंचायत मुख्यालय पर ग्राम सेवा सहकारी समिति की स्थापना की जा रही है। ग्राम सेवा सहकारी समितियों में आईटी का उपयोग कर आय को बढ़ाया जाए।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि ऋण माफी में ऑनलाइन व्यवस्था में आधार आधारित प्रमाण को लागू कर पोर्टल के माध्यम से ऋण माफी का लाभ वास्तविक किसान को दिलाया। ऋण माफी की कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है। ऋण वितरण में भी ऑनलाइन व्यवस्था शुरू कर फसली ऋण से वंचित किसान को ऋण वितरण से जोडा है। समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था में बॉयोमैट्रिक प्रणाली लागू कर किसान की खरीद सुनिश्चित की है। इसका फायदा छोटे किसानों को भी मिला है। मोबाइल बैंकिग सेवा रू. शीर्ष सहकारी बैंक द्वारा तैयार किये गये मोबाईल एप्प से बैंक के ग्राहक अपने मोबाईल से अपने खातों की जानकारी प्राप्त करने के साथ साथ बैलेन्स इन्क्वायरी, मिनि स्टेटमेन्ट, कस्टमाइज्ड स्टेटमेन्ट, एम-पासबुक प्राप्त कर सकेंगे। बैंक के ग्राहक, के माध्यम से किसी भी बैंक के किसी भी ग्राहक को राषि हस्तांतरित कर सकेंगे। साथ ही ग्राहकों को भारत बिल पेमन्ट सिस्टम द्वारा इलेक्ट्रिक सिटी, पानी, गैस, डीटीएच, फास्टेग आदि की सेवायें मोबाईल एप्प पर प्राप्त हो सकेंगी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि वाहन सं. RRM-705 है। इनके रजिस्टर्ड स्व. श्री S.F. MALVEA के स्वर्गवास के बाद इनके पुत्र श्री N.S. MALVEA के नाम से उक्त वाहन का हस्तान्तरण करने में किसी को आपत्ति हो तो 15 कार्य दिवस में सम्बन्धित कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी एन टी जयपुर में प्रस्तुत करें।
N.S. MALVEA, 96606-11592

आम सूचना
मकान संख्या 6/142 मालवीय नगर जयपुर के आवंटन पत्र, कब्जा पत्र एवं Decleration Demand Note, परच्युल डीड का नक्शा खो गया है। मिलने पर सूचित करे-
नरेश रानी बजाज 9782538630

प्रकाशनार्थ
चौमूं। सर्व साधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राजस्व रेकार्ड अनुसार ग्राम कालाडेरा, तहसील चौमूं, जिला जयपुर स्थित खातेदारी भूमि खाता संख्या 784 खसरा नम्बर 1831/2 रकबा 0.9400 हैक्टेयर व 1835 रकबा 0.7100 हैक्टेयर किता 2 का कुल रकबा 1.6500 हैक्टेयर संपूर्ण मेरे मुवक्किल रामलाल पुत्र सांवरमल के अधिकारों की है जिस बाबत यदि किसी को आपत्ति है तो 7 दिवस के भीतर एतराज प्रस्तुत करें तत्पश्चात कोई एतराज मान्य नहीं होगा।

खोया पाया
मेरे मकान 30/45/7 मानसरोवर का आवंटन पत्र Handing Over Possession, Seven days मुहाना मंडी रोड पर गिर गया है। मिलने पर सूचित करें। मो.9414042676

मेरे भूखंड संख्या 108 योजना हीरा नगर ए अपोलो नगर हाउसिंग को. ऑपरेटिव सोसाइटी लि. की मूल रसीद गुम हो गई है। मिलने पर संपर्क करें। नाम मोहित कुमार नैनानी और दीपेश नैनानी। मो. 9829936650

प्रपत्र-5
राजस्थान सरकार
कार्यालय राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, राजस्थान, जयपुर
हैण्डलूम हवेली, अशोक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
अपील/निगरानी संख्या- 81/2020
डॉ.अहसामुद्दीन...अपीलार्थी बनाम हीरालाल ...प्रत्यर्थी
(अपील अन्तर्गत धारा 15उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986)
प्रेषित-
हीरालाल पुत्र श्री चुन्नीलाल जाति कोली, निवासी 8, न्यू फुल्वा कॉलोनी, रामगढ मोड, जयपुर-302002 ने इस आयोग के समक्ष जिला मंच जयपुर तृतीय के आदेश दिनांक 4.12.2019 जो परिवाद संख्या 1132/12 उनवानी डॉ. अहसासुद्दीन बनाम हीरालाल मैं। पारित हुआ है के विरुद्ध अपील प्रस्तुत की है। अपील व प्रलेखों की प्रतियां संलग्न की जा रही है।
आपको ये निर्देश दिये जाते है कि आप स्वयं या अपने द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि के द्वारा राज्य आयोग के समक्ष दिनांक 24.3.22 को प्रातः 10.00 बजे उपस्थित हो। यदि आप द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि उपर्युक्त नियत तिथि व समय पर उपस्थित नहीं हुए तो अपील गुणावगुण के आधार पर एक पक्षीय कार्यवाही कर निर्णित कर दी जायेगी।
आज दिनांक 16.2.22 को जारी किया गया।
उप पंजीयक/रीडर
मोहर अदालत
राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, राजस्थान-जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी
आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 4/N/20 अरावली विहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्रीमती सुनीता देवी को आवंटन पत्रांक 270 दिनांक 30.06.2006 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास को बेचान उपरान्त मण्डल द्वारा अन्तिम क्रेता श्री कृष्ण यादव के पक्ष में पंजीयन हेतु अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 3337 दिनांक 26.03.2010 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त आवास की रजिस्ट्री स्वयं के पक्ष में दिनांक 27.03.2010 को उप पंजियक भिवाडी में पंजिकृत करवाई जा चुकी है। इनके द्वारा उक्त आवास का बेचान दिनांक 12.10.2021 के पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा श्री मुरारी लाल व श्री राजेश यादव पुत्रान श्री धनसिंह को संयुक्त नाम से किया गया है। श्री मुरारीलाल व श्री राजेश यादव द्वारा संयुक्त नाम से आवास का लीज डीड परिवर्तन करने के लिए प्रपत्र एवं प्रशासनिक शुल्क अल्प आय वर्ग बार विक्रय का राशि रूपये 5000.00 जमा कराकर चालान व आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि उक्त मकान का लीज स्थानान्तरण उनके पक्ष में किया जावें। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त मकान संख्या 4/N/20 अरावली विहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी के संबंध मे किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री मुरारी लाल व श्री राजेश यादव पुत्रान श्री धनसिंह के पक्ष मे मकान संख्या 4/N/20 अरावली विहार, विहार राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी जिला अलवर के लीज स्थानान्तरण की कार्यवाही की जावेगी।
आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत द्वितीय
अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर फोन 0141-2782772
क्रमांक: DHC-II/3447 **जाहिर आम सूचना** दिनांक: 16-03-2022
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 71/249, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 110.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री चित्र प्रताप राघव पुत्र श्री राजपाल सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3040 दिनांक 02.02.2005 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 02.04.2005 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 387 दिनांक 30.04.2005 के द्वारा श्री चित्र प्रताप राघव पुत्र श्री राजपाल सिंह के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 11.11.2011 करवाया गया। श्री चित्र प्रताप राघव के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्री शिव कुमार भार्गव एवं श्रीमती कुसुम लता भार्गव को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 21.11.2011 को करवाया गया। तत्पश्चात् श्रीमती कुसुम लता भार्गव की मृत्यु दिनांक 24.09.2020 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री शिव कुमार भार्गव पुत्र श्री ललित मोहन भार्गव ने मृत्यु पश्चात् नाम एवं लीजडीड हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास के 1/2 अविभाजित हिस्सा को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्री शिव कुमार भार्गव पुत्र श्री ललित मोहन भार्गव के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात नाम एवं लीजडीड हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के सम्पूर्ण हिस्से का हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री शिव कुमार भार्गव पुत्र श्री ललित मोहन भार्गव के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबंधक वृत द्वितीय, रा. आ. मण्डल, जयपुर

नाम परिवर्तन
मैंने मेरा नाम गुलाब रॉय से बदलकर गुलाब रॉय सिंगला रख लिया है भविष्य में मुझे गुलाब रॉय सिंगला के नाम से जाना जावें। फ्लैट 801, दी ओरिजनस सनसिटी टाउनशिप सीकर रोड, हरमाडा, जयपुर

मैंने अपना नाम प्रवीण कुमार टाक से बदलकर प्रवीण टाक पुत्र श्री मनोहर लाल टाक रख लिया है। भविष्य में मुझे प्रवीण टाक (Praveen Tak) के नाम से जाना जाए। निवासी-एस-1, 28-28-ए, नंदगांव कॉलोनी, कैलाश नगर, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर राजस्थान।

मैं हजारीलाल यादव पुत्र श्री कालुराम जाति यादव निवासी ग्राम कालियावास तहसील खंडेला जिला सीकर राजस्थान का मूल निवासी हूँ। मेरे पुत्र राजेश कुमार को भविष्य में राजेश कुमार यादव पुत्र हजारीलाल यादव के नाम से जाना जावें।

मैं बासुदेव सिंह पुत्र श्री गोविन्द सिंह निवासी शेख थोक, सिनसिनी भरतपुर राजस्थान का हूँ। मैंने मेरा पुराना नाम बासदेव से बदलकर बासुदेव सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे बासुदेव सिंह के नाम से जाना जायें।

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म M/S AXIS LAW PARTNERS REGISTERED ADDRESS :- LOWER GROUND FLOOR, 20/74, KAVERI PATH, MLA QUATERS, MANSAROVER, JAIPUR पंजीयन सख्या RF/JPU/2018/3704 में दिनांक 01/02/2022 से भागीदार श्री अभिसार भानू व अश्वनी कुमार गुप्ता रिटायर हो गये है, यदि किसी को आपत्ति हो तो 07 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर (शहर) में आपत्ति दर्ज करावे।
M/S AXIS LAW PARTNERS

IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI
Notice under order V Rule 20 Code of Civil Procedure
PUBLICATION NOTICE
MACA No. 765/2014 & CM Nos. 45648/2017 (U/O 22 R 4 CPC for LRs of deceased R-2). 45649/2017 (condonation of delay)
Appeal Against order dated 18-01-2014
Passed By Mr. Ajay Kumar Jain, PO MACT, Saket Courts, New Delhi.
In Suit No. 377/11
Case No. MACA-765/2014 & CM. No. 45648/2017 & 45649/2017
SH. VINAY KUMAR ... Appellant
Vs.
SH. HORI LAL @ HODEL SINGH & ORS ... Respondents
Notice to:- LRs of R. No. 2.
Smt. Rajwati, W/o Late Sh. Bihari Lal, R/o 119/284, Aggarwal Farm, Near Police Thana, Manasarover, Jaipur, Rajasthan
Whereas the appellant/petitioner has instituted appeal/petition in this Court against the respondent(s) Sh. Bihari Lal since died and whereas the said alleging that you are one of legal representative of the said deceased and desiring that you be also made a respondent in his place.
Whereas the above noted appellant has presented an appeal Under Section 173 of MV Act. Which was listed before the Court on 25-08-2014 and applications for LRs of deceased R-2 & condonation of delay which were listed before the Court on 15-12-2017 and the Court ordered issuance of notice to you in appeal and Notice of the applications were also ordered to be issued to you. And whereas it has been proved to the satisfaction of the Court that you cannot be served in the ordinary manner. Notice is hereby issued that if you wish to defend the above mentioned appeal & applications you may cause an appearance to be entered on your behalf either in person or through an advocate duly appointed by you for the purpose before the Joint Registrar (J) Court on 18-04-2022 at 11.00 A.M.
If no appearance is made on your behalf, by yourself, your pleader or someone by law authorised to act for you in the said appeal & applications on the aforementioned date, no further notice of the subsequent date of hearing of the said appeal & applications will be given and the same will be heard and determined exparte in your absence.
Given under my hand and the seal of this Court, This the 20th day January, 2022.
Sd/-
Assistant Registrar
for Registrar General

आबादी क्षेत्र की 1352 बीघा जमीन काश्तकारों की मान हाईकोर्ट ने हाउसिंग बोर्ड की याचिका खारिज की

'काश्तकार बरसों से खेती कर रहे हैं रिकॉर्ड में सिवाय चक दर्शाने मात्र से इसका मालिकाना अधिकार नहीं बदल जाता '

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को राजस्थान हाईकोर्ट से करारा झटका लगा है। शहर की घनी आबादी के बीच स्थित करोड़ों की जमीन उसके हाथ से निकल गई है। हाईकोर्ट ने आबादी क्षेत्र में स्थित 1352 बीघा जमीन पर काश्तकारों के अधिकार को सही मानते हुए हाउसिंग बोर्ड की याचिका को खारिज कर दिया। बरसों से जारी इस केस में हाउसिंग बोर्ड पूर्व में तीन कोर्ट में मात खा चुका है। अब उसकी उम्मीदें हाईकोर्ट से लगी थीं, लेकिन हाईकोर्ट ने भी ट्रायल कोर्ट व रेवेन्यू बोर्ड के फैसले को बरकरार रखा है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश विनीत माथुर ने कहा कि इन जमीन पर काश्तकार कई बरस से खेती कर रहे हैं। राजस्व रिकॉर्ड में इसे सिवाय चक दर्शाने मात्र से इसका मालिकाना अधिकार नहीं बदल जाता। टिनेंसी एक्ट के तहत काश्तकार ही अब इस जमीन के खातेदार हैं । तीन कोर्ट सारे रिकॉर्ड को देखने के बाद यह फैसला दे चुके हैं। ऐसे में हाउसिंग बोर्ड की याचिका को खारिज किया जाता है।

राज्य सरकार ने भू अवाप्ति नियम के तहत वर्ष 1979 में सूथला ग्राम की 804 बीघा 3 बिस्वा व जोधपुर की 547 बीघा 2 बिस्वा जमीन को सिवाय चक जमीन मानते हुए अवाप्त कर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को सौंप दी। इनका म्यूटेशन भी हाउसिंग बोर्ड के पक्ष में कर दिया गया। हाउसिंग बोर्ड ने इन दोनों जमीन का वास्तविक कब्जा नहीं लिया। इन जमीन पर काश्तकार पहले से काबिज थे। भूमि अवाप्ति की प्रक्रिया के बीच वर्ष 1985 में एक काश्ताकार हेमाराम ने सब डीविजनल कार्यालय में भूमि पर अपना दावा जताते हुए वाद दायर कर दिया। उसका दावा था कि विक्रम संवत 2000 से पहले से वे इस जमीन पर खेती कर रहे हैं। इसकी बिगोड़ी भी वे लगातार भर रहे हैं। वर्ष 1955 से राजस्थान में मारवाड़ टिनेंसी एक्ट लागू हो गया ।

इसके तहत यदि कोई काश्तकार किसी जमीन पर खेती कर रहा है और लगान अदा कर रहा है तो अब वह उस जमीन का खातेदार होगा। इस एक्ट के तहत वादी उपरोक्त जमीन का खातेदार हो गया। इसके बाद यह मामला उपजिला कलेक्टर की कोर्ट में ट्रांसफर हो गया । उपजिला कलेक्टर ने दिसम्बर 2000 में अपने फैसले में काश्तकार के कब्जे को सही माना और आदेश दिया कि राजस्व रिकॉर्ड को सही किया जाए ।

हाउसिंग बोर्ड ने इसके खिलाफ रेवेन्यू कोर्ट जोधपुर में अपील दायर की। जिसे वर्ष 2002 में खारिज कर दिया गया। हाउसिंग बोर्ड ने इसके खिलाफ रेवेन्यू बोर्ड अजमेर में याचिका दायर की। वर्ष 2014 में रेवेन्यू बोर्ड ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने हाईकोर्ट में अपील की।

ईंट भट्टा मजदूर को आयकर विभाग ने थमाया नोटिस

पीड़ित ने बताया कि उसके नाम से पैन कार्ड बनवाकर बैंक में खाता खोला गया

बिजयनगर, (निसं)। बिजयनगर शहर के एक ईंट भट्टा मजदूर युवक को इनकम टैक्स का जब नोटिस आया तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गयी। पीडित पुखराज प्रजापत ने आरोप ल गाया कि उसके नाम से पैन कार्ड बनवाकर बैंक में खाता खोला गया और फिर कंपनी बनाकर ल गभग 50 करोड़ रुपए का ले नदेन किया गया जबकि वो ईट भट्टे पर मजदूरी कर जैसे-तैसे अपनी जिंदगी गुजर बसर कर रहा है।

- **कंपनी बनाकर लगभग 50 करोड़ रुपए का लेन-देन किया गया**
- **पीड़ित को 1 करोड़ 37 लाख का आयकर विभाग से नोटिस मिला**

इनकम टैक्स का नोटिस आने पर पुखराज प्रजापत ने पुलि स में एक रिपोर्ट दी और बताया की वो ईंट भट्टे पर मजदूरी करता है और अनपढ़ व्यक्ति है। उसका पैन कार्ड करीब 10-12 वर्ष पूर्व बना हुआ है। उसे आयकर विभाग ब्यावर से एक नोटिस मिला है उस नोटिस में 2013-14 के दौरान कार्तिक ट्रेडिंग कंपनी का मालि क उसे बताया गया है और रेणुका एग्जाम प्राइवेट लि मिटेड के साथ लेन-देन किया गया है। बिजयनगर थानाधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

थानाधिकारी ने कहा की पीड़ित ने बताया की उसके नाम से लगभग 48 करोड 51 लाख का लेनदेन किया गया है जिसमें पीड़ित को 1 करोड 37 ल ाख का आयकर विभाग से नोटिस मिल ा है। पुलिस के मुताबिक जांच जारी है। इधर पुखराज प्रजापत और उसके परिवार की नींद उड़ी हुई है।

जैन मन्दिर से चोरी हुई मूर्ति बरामद

चौरू, (निसं.)। अलीगढ़ थाना क्षेत्र में उखलाना रोड पर दिगम्बर जैन मंदिर से पांच माह पूर्व चोरी हुई भगवान पार्श्वनाथ की अष्ठधातु की मूर्ति को पुलिस ने बरामद किया। थानाधिकारी नरेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि पांच माह पूर्व जैन मंदिर से भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा के साथ अन्य चार प्रतिमाएं विराजमान थी। जिनमें से अष्टम धातु से निर्मित मूर्ति को चोर चोरी कर ले गए थे। मुखबीर तथा अन्य साक्ष्यो के आधार पर जैन मंदिर चबूतरे के पास से मूर्ति को बरामद किया गया।

आरएएस मुख्य परीक्षा 2021:- प्रदेश के 113 केन्द्रों पर 88 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। राज्य सेवा के 363 तथा अधीनस्थ सेवाओं के 625 पदों के लिए आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा का आयोजन 20 व 21 मार्च को किया गया।

इस संबंध में आयोग सचिव एच एल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लि ए संबंधित संभाग जिल ा मुख्याल य प्रशासन एवं पुलिस विभाग के माध्यम से व्यापक प्रबंध किए गए थे। इस बार आयोग द्वारा सघन निगरानी व्यवस्था के तहत मेटल डिटेक्टर के माध्यम से अभ्यर्थियों की जांच तथा एक कक्ष में दो वीक्षकों की नियुक्ति भी की गई थी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों के प्रवेश सहित सभी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की वीडियो रिकार्डिंग भी दो वीडियोग्राफरों द्वारा करवाई गई है। प्रथम सत्र में अजमेर में 2427, भरतपुर में 1765, बीकानेर में 2061, जयपुर में 6386, जोधपुर में 3562, कोटा में 616 तथा उदयपुर 1073 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। द्वितीय सत्र में अजमेर में 2421, भरतपुर में 1757, बीकानेर में 2055, जयपुर में 6361, जोधपुर में 3559, कोटा में 615 तथा उदयपुर में 1069 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में भाग लिया गया। प्रथम सत्र में 2482 तथा द्वितीय सत्र में 2535 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दोनों दिवस आयोजित चारों प्रश्नपत्रों की परीक्षा में उपस्थित अभ्यर्थियों का औसत ल गभग 88.16 प्रतिशत रहा। आयोग सचिव एचएल अटल ने जवाहर, तोपदडा तथा सुंदर विलास में स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

एक्टिवा से 2.89 लाख रुपए चोरी

टोंक, (निसं)। शहर कोतवाली पुलिस थाने में एक व्यक्ति ने उसकी एक्टिवा की डिक्की का लॉक तोड़कर 2 लाख 89 हजार रुपए चोरी होने की रिपोर्ट दी है। मोहम्मद शाकिर निवासी गुलजार बाग टोंक ने शहर कोतवाली पुलिस थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि वह मोटर पार्ट्स की दुकान करता है और अपने घर से 2 लाख 50 हजार रुपए लेकर निकला था। बैंक ऑफ बडौदा के एटीएम से 10 हजार रुपए लेकर पंजाब नेशनल बैंक में लोन राशि जमा कराने के लिए जा रहा था कि इसी दौरान उसकी दुकान से फोन आने पर सामान देकर बीओबी चला गया। जहां उसे जमा कराने के लिए सवा दो बजे बैंक में पैसे देखे तो डिक्की का ताला टूटा हुआ मिला।

सिलेंडर में ब्लास्ट होने पर घर की छत उड़ी

अलवर, (निसं)। कोटकासिम क्षेत्र के चाचियावास गांव में अचानक एक सिलेंडर में लगी आग के बाद हुए ब्लास्ट से घर की छत उड़ गई एवं कमरे में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। कमरे के जंगले एवं दरवाजे राख में तब्दील हो गए तो वहीं कूलर, फ्रीज, बेड जल गए। चाचीयावास गांव के दुर्गा प्रसाद की पत्नी घर पर रात करीब 9 बजे गैस सिलेंडर पर दूध गर्म कर रही थी।

जब दूध गर्म करते समय गैस को जलाकर बाहर आ गई और बच्चे आंगन में खेल रहे थे तो अचानक जलते हुए गैस सिलेंडर में आग लग गई और जोरदार ब्लास्ट हो गया। जिससे घर की छत उड़ गई और दीवारों में दरार आ गई साथ ही घर के अंदर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो गया। आनन-फानन में ही वहां भीड इकट्ठी हो गई और जलती आग को बुझाने के लिए लोगों ने सिलेंडर पर गीले कपड़े डाल दिए लोगों की सूझबूझ से आग पर तो जल्दी ही काबू पा लिया गया, लेकिन दुर्गा प्रसाद का चेहरा आग में झुलस गया। जिसको गांव के ही शिवचरण शर्मा के द्वारा कोटकासिम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। बहरहाल इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना: राजस्थान खर्च करेगा 250 करोड़ रुपए

हनुमानगढ़, (निसं)। इंदिरा गांधी नहर परियोजना में आज से 60 दिन की बंदी शुरु हो गई है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना में राजस्थान और पंजाब सरकार रिलाइनिंग करवा रही हैं। इसलिए यह फैसला लिया गया है। पंजाब सरकार इस दौरान 53 किलोमीटर रिलाइनिंग का काम करवाएगी तो वहीं राजस्थान सरकार इस दौरान 67 किलोमीटर तक रिलाइनिंग का काम कराएगी। आज से 30 दिन आंशिक बंदी की जाएगी जिसमें पेयजल के लिए 2 हजार क्यूसेक पानी दिया जाना तय हुआ है। ताकि रिलाइनिंग के दौरान राजस्थान क्षेत्र में पीने के पानी की कोई किल्लत नहीं हो।

21 मार्च से 20 अप्रेल तक आईजीएनपी नहर में आंशिक बंदी रखी गई है। इस दौरान पेयजल के लिए नहर में 2 हजार क्यूसेक आगामी 20 अप्रेल तक दिया जाएगा। 21 अप्रेल से आगामी 30 दिनों इंदिरा गांधी नहर में पूर्ण बंदी रहेगी। इस तरह 21 मार्च से 19 मई तक 60 दिन नहर बंदी रहने वाली है। 30 दिन तक आशिंक नहरबंदी तो वहीं 30 दिन तक पूर्ण नहरबंदी रहने वाली है।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना के बंदी के दौरान राजस्थान और पंजाब सरकार अपने-अपने हिस्सा क्षेत्र में नहर के रिलाइनिंग पर पैसा खर्च करेगी। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता अमरजीत सिंह मेहरड़ा ने बताया कि 60 दिन की नहरबंदी के दौरान पंजाब सरकार अपने क्षेत्र में 53 किलोमीटर तक रिलाइनिंग का कार्य करवाएगी जिसमे पंजाब सरकार 450 करोड़ रूपये खर्च करेगी। मेहरड़ा ने बताया कि राजस्थान सरकार भी नहरबंदी के दौरान 67 किलोमीटर तक रिलाइनिंग का कार्य करवाएगी जिसमे राजस्थान सरकार के 250 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

सिंचाई विभाग के मुख्य अभिनता अमरजीत मेहरड़ा ने बताया की रिलाइनिंग के कार्य के बाद राजस्थान के हिस्से में सीपेज से हो रहे नुक्सान से बचा जा सकेगा। साथ ही अतिरिक्त सिंचाई पानी बचने से किसानों को इसका सीधा लाभ मिल पाएगा। 179 किलोमीटर रिलाइनिंग का कार्य पूर्ण होने के बाद अनुमान जरूर लगाया जा रहा है कि एक हजार से ग्यारह सौ क्यूसेक अतिरिक्त पानी राजस्थान को मिल पाएगा।

राजनीति का धर्म होना चाहिए, धर्म की राजनीति नहीं: सुरजेवाला

जोधपुर, (कासं)। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि राजनीति का धर्म होना चाहिए, ना कि धर्म की राजनीति हो । कांग्रेस इस बार गुजरात चुनाव में जीतेगी। वे आज जोधपुर पहुंचे और बाद में पीपाड़ शहर के लिए रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। पीपाड़शहर में उन्होंने वहां के कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ के पिता के निधन पर शोक जताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के शोक संवेदना संदेश का वाचन किया।

सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस सदैव ही हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी रही है। धर्म की राजनीति नहीं करनी चाहिए जिससे कि राजनेता भटक जाएं। धर्म को राजनीति से परे ही रखना चाहिए। सुरजेवाला ने मीडिया के एक सवाल पर कहा कि गुजरात में कांग्रेस जीतेगी। यहां पर रघु शर्मा पूरी तरह मेहनत कर रहे हैं । सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राजस्थान में पेश किए बजट को क्रांतिकारी एवं प्रगतिशील बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का चाहे इतिहास देखा जाएं या वर्तमान कांग्रेस सदैव हर वर्ग का ध्यान रखा है। भविष्य में ध्यान रखेगी।

अलवर नगर परिषद सभापति की खाली पड़ी सीट पर भाजपा का कब्जा

अलवर, (निसं)। अलवर में पिछले कुछ माह से खाली पड़ी नगर परिषद की कुर्सी पर भाजपा के उपसभापति घनश्याम गुर्जर द्वारा कब्जा करने पर उनके शुभचिंतकों ने लड्डू बांट कर खुशी का इजहार किया है। इस मामले में

- **भाजपा के उपसभापति घनश्याम गुर्जर नगर परिषद सभापति की सीट पर बैठे**

अलवर नगर परिषद सभापति की कुर्सी पर उपसभापति घनश्याम गुर्जर ने बैठकर काम संभाला।

कांग्रेस के पार्षदों ने विरोध जताया है, वे भी नगर परिषद पहुंचे और बाहर बैठ गए। उनका कहना है कि बिना आदेश के कुर्सी नहीं संभाल सकते।

उल्लेखनीय है कि नगर परिषद सभापति चुनाव के समय भाजपा का पलड़ा भारी था लेकिन सियासी उठकपठक के कारण यह सीट भाजपा के हाथ से निकल गई और भाजपा को उपसभापति की सीट हासिल कर संतुष्ट होना पड़ा। बाद में पूर्व सभापति बीना गुप्ता को एसीबी ने ट्रेप कर लिया था, जिसके चलते यह सीट खाली हो गई थी। तभी उपसभापति घनश्याम गुर्जर को पुराने किसी मामले में उलझा कर उन्हें भी उपसभापति के पद से मुक्त कर दिया।

इसके बाद गुर्जर ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला दिया लेकिन सत्ता पक्ष को यह रास नहीं आया और उन्होंने आनन-फानन में अपने पार्षदों को सभापति और उप सभापति की कुर्सी पर बैठा दिया लेकिन उनकी समय सीमा समाप्त होने के बाद जयपुर से उनके कार्यकाल को नहीं बढ़ाया गया । इसके बाद नगर परिषद उपसभापति घनश्याम गुर्जर अपनी सीट पर बैठ गए और सोमवार को उन्होंने सभापति की सीट पर भी अपना कब्जा कर लिया।

सभापति गुर्जर से जब पूछा गया कि सरकार ने आपके सभापति बनने के कोई आदेश जारी नहीं किए फिर आप सभापति सीट पर कैसे बैठ गए तो उन्होंने कहा कि नियम है कि अगर सभापति की सीट खाली हो तो उसकी सीट पर उपसभापति कार्य कर सकता है और मैं उसी नियम के अनुसार कार्य कर रहा हूं। मैं उपसभापति की सीट पर भी बैठूंगा और अगर कोई निर्णय लेना होगा तो सभी पार्षदों के साथ सभापति की सीट पर बैठ कर शहर के विकास के विषय में निर्णय लूगां क्योंकि लम्बे समय से शहर में विकास कार्य नहीं हो पा रहा है।

गुर्जर के सीट पर बैठते ही कांग्रेस पार्षदों ने नगर परिषद गेट के बाहर धरना लगा लिया है लेकिन शहर वासी कह रहे हैं जैसी करनी वैसी भरनी किसी का हक छीनोगे तो अंजाम तो यही होगा।

बिन पानी नल कनेक्शन देने पर ग्रामीण आक्रोशित

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में तिजारा फाटक के पास गणपति विहार सहित आस-पास के लोग जलदाय विभाग के कार्यालय पहुंचे। गुस्साए लोगों ने कहा कि नल कनेक्शन दे दिए और पानी का इंतजाम नहीं है। नेता व प्रशासन पूरा झूठा है, अब तो झूठे आश्वासन देना भी बंद कर दिया। स्कूल जाने वाले बच्चों के नहाने को पानी नहीं है। अब बेरोजगारी में पानी के लिए 500 रुपए टैंकर कहां से लेकर आएं।

वार्ड के निवासियों का कहना है कि टैंकर वाले 600 रुपए मांगने लग गए हैं। जलदाय विभाग के कार्यालय चक्कर लगा कर थक चुके हैं लेकिन पानी का इंतजाम नहीं है। कभी एक बाल्टी तो कभी दो बाल्टी पानी आता है। वार्ड के लोगों के साथ पार्षद सतीश यादव भी पहुंचे। वे भी लोगों के साथ जलदाय विभाग के कार्यालय के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए। उनका कहना है कि लाइन डाल दी। कनेक्शन दे दिए लेकिन पानी का इंतजाम नहीं कर रहे हैं। कभी 5-10 मिनट भी पानी नहीं आता है। किसी के घर एक बाल्टी पानी पहुंचता है तो कहीं बिल्कुल भी नहीं आता। कब तक गरीब परिवारों के लोग टैंकर से पानी मंगा सकते हैं। प्रशासन को खूब शिकायत कर चुके हैं। मजबूरी में लोगों काम छोड़कर धरने पर आकर बैठना पड़ता है।

ट्रांसफार्मरों से तेल व सामान चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश

मेहंदवास थाना पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशन में मेहंदवास थाना पुलिस टीम ने बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल व सामान चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर 6 जनों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

- **पुलिस ने छह जनों गिरफ्तार किया**
- **आरोपियों ने कुल आठ वारदातें करना कबूला**

पुलिस कार्यवाही के दौरान मुखबिर ने ग्राम लहन के कुछ लड़कों द्वारा ट्रांसफार्मरों में से चोरी करने का संदेह होने बताया, जिस पर रविवार रात्रि को ग्राम लहन के संदिग्ध से पूछताछ की गई तो 6 आरोपी खुशीराम पुत्र मोलाराम जाति भील, आशाराम पुत्र पप्पू लाल भील, विष्णु उर्फ भगोना पुत्र सीताराम भील, देशराज पुत्र राजेश गुर्जर, धनराज पुत्र कजोड़ भील, सत्यनारायण उर्फ सतु पुत्र रमेश भील सभी निवासी लहन थाना मेहन्दवास द्वारा आपस में मिलकर अपनी मोटरसाईकिलों से इलाका थाना हाजा मेहन्दवास व थाना इलाका थाना सदर टोंक में लगे बिजली के ट्रांसफर्मरों में से तेल व अन्य सामान चोरी करने की कुल 8 वारदातें करना कबूल की हैं। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जाएगा । ये आरोपी एक साथ गैंग बनाकर चोरी करते हैं तथा शातिर व बदमाश किस्म के हैं जो घटनास्थल की पूर्व में मोटरसाईकिलों से रैकी कर रात्री के समय मोटरसाईकिलों से ही चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं।

सलमान मामले में अब हाईकोर्ट में सुनवाई होगी

जोधपुर, (कासं)। फिल्म अभिनेता सलमान खान को राजस्थान उच्च न्यायालय ने राहत प्रदान की है। हिरण शिकार से जुड़ी तीन याचिकाओं पर अब राजस्थान उच्च न्यायालय में सुनवाई होगी। पहले सेशन कोर्ट में चल रही थी। सुनवाई के लिए सलमान की बहन अलवीरा आज जोधपुर पहुंची थी।

हाईकोर्ट में सोमवार को सलमान की ट्रांसफर पिटीशन पर सभी मामलों की सुनवाई हाईकोर्ट में करने पर सहमति जता दी। सलमान ने सेशन कोर्ट में विचाराधीन अपील को हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की याचिका लगा रखी थी। याचिका में कहा गया कि इससे जुडे सभी मामले एक-दूसरे से जुडे हुए है। ऐसे में इनकी सुनवाई एक साथ हाईकोर्ट में की जाए। इस मामले में सरकारी पक्ष की तरफ से जवाब पेश नहीं किए जाने के कारण सुनवाई लगातार टलती जा रही थी। अब सरकारी वकील गौरव सिंह की तरफ से इन मामलों की सुनवाई हाईकोर्ट में करने को लेकर कोई आपत्ति नहीं जताई गई। इसके बाद न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने सभी मामलों की सुनवाई हाईकोर्ट में ही करने का आदेश जारी किया। सुनवाई के समय सलमान की बहन अलवीरा भी कोर्ट में मौजूद थी। सलमान के वकील हस्तीमल सारस्वत ने कहा कि उनके लिए यह राहत भरा फैसला है। सभी मामलों की सुनवाई एक ही स्थान पर होने से सलमान को काफी राहत मिली है।

ढोंगी तांत्रिक ने 22 वर्षीय पीड़िता से बलात्कार किया, दिल्ली से किया गिरफ्तार

पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूला

अजमेर, (कासं)। बहादुर बेटी ने साहस का परिचय देते हुए परिजन के मना करने के बावजूद थाने तक पहुंचकर ढोंगी, पाखंडी तांत्रिक की पोल खोल ी। अजमेर की बहादुर बेटी ने इस समाज कंटक को सबक सिखाने का साहस दिखाते हुए आदर्श नगर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया। खुद को भगवान का अवतार बताने वाले ढोंगी तांत्रिक को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूला है।

पीड़िता ने जिल ा पुलि स अधीक्षक विकास शर्मा को बताया कि रिश्तेदार की शादी में दिल्ली गए थे, जहां मेरे पिताजी के मामा द्वारा एक ढोंगी तांत्रिक राजेन्द्रसिंह से मिल वाते हुए कहा कि यह चमत्कारी बाबा है, जिनकी बात सुनकर मेरे पिताजी उनको अपनी सारी समस्या बताई तो बाबा ने मेरे पिताजी को अपनी बातों के जाल में फंसा लिया और समस्याओं का समाधान व घर से भूत भगाने के लिए पहली किश्त के रूप में 1 लाख रुपए मांगे। घर में मृत्यु दोष बताने पर घरवाले तांत्रिक बाबा की बातों में आ गए । वह तांत्रिक बाबा 4-5 दिन घर ही रहा और 27 फरवरी को बाबा ने कहा की मैं जो पूजा करुंगा वह आपके घर की सबसे उपरी हिस्से में होगी जिसमें आपकी बडी संतान को शामिल होना जरुरी है व उनकी बातों पर अंधा विश्वास करते हुए परिजन ने मुझे अकेले उसके साथ सबसे ऊपरी मंजिल पर भेज दिया, जहां बाबा मेरे साथ अकेले होने का फायदा उठा कर जबरदस्ती करने लगा मना करने पर कहा कि पूजा ऐसे ही होती है।

- **पुलिस ने तांत्रिक का मोबाइल खंगाला तो उसमें कई राज की बातें निकलीं**
- **पीड़िता ने बहादुरी दिखाते हुए ढोंगी तांत्रिक की पोल खोली**

तुम्हारे घर में तुम्हारे अंदर गंदी बला है और गंदे तरीके से ही जाएगी यदि पूजा नहीं की गई तो तुम्हारे माता-पिता की भी मृत्यु हो जाएगी जिससे वह डर गई इस डर का फायदा उठाकर ढोंगी तांत्रिक बाबा ने मेरा बलात्कार किया। इसी प्रकार बाबा ने मुरैना के मंदिर की धर्मशाला में भी जबरदस्ती की व मेरा बलात्कार किया। परिजन के अटूट विश्वास के चल ते वह बाबा को भगवान मानते है, उनकी हर बात सही मानते है, जिस कारण वह मेरे परिवार वालों को डरा धमका कर आर्थिक शोषण करता रहा और घर पर आकर पूजा पाठ के नाम पर फिर से बल ात्कार किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि यदि वह घर गई तो वह उसके साथ वापस बलात्कार व शोषण करेगा। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। एडिशनल एसपी विकास सांगवान ने बताया कि 19 मार्च को पीड़िता ने भागते हुए आदर्श नगर थाने पहुंचकर बताया कि वह बाबा घर आया हुआ है और पूर्ण अंदेशा है कि वह आज अगर घर गई तो वापस दुष्कर्म व शोषण करेगा। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की।

थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि जब पुलि स पीडिता के घर पहुंची तब पुलि स जाप्ते को देखकर ढ ोंगी तांत्रिक ने रफू चक्कर होने की कोशिश की, लेकिन जब पुलिस ने अपनी गिरफ्त में लिया तो पूरी वारदात कबूल कर ली। अनुसंधान के दौरान जब पुलिस ने तांत्रिक का मोबाइल खंगाल ा तो उसमें कई राज की बाते निकली। मोबाइल में ऑनल ाईन सट्टे पर दाव ल गाने के आंकडे मिले साथ ही दिल्ली निवासी विजय के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दिलवाने के बहाने 10 ल ाख रुपए ऐंठने की शिकायत तथा अन्य कई ल ोगों का शर्तिया ईलाज करने के बहाने पैसे ऐंठने की वाट्सअप चैटिंग भी मिली।

थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि 5वीं फेल ढोंगी तांत्रिक अपने मंसूबों में कामयाब होने के बाद स्वयं की पोल नहीं खुले इसलिए पीडिता के परिजन को उसका मोबाइल जप्त करने के लिये कहता व यह विश्वास दिल ाता कि इसके फोन के माध्यम से पूरे परिवार की बातों व लोकेशन का पता ल गवा लेता है, ताकि पीडिता किसी का फोन कर उसकी पोल नहीं खोल सके।

थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि ढ ोंगी तांत्रिक राजेन्द्र सबसे पहल े पीडित परिवार के दूर के रिश्तेदारों से उसकी पुरानी हिस्ट्री मालूम करता तथा पीड़ित की समस्या को दूर करने के लि ये उसके घर में अपने साथियों के साथ आसन्न जमा लेता।

कोई एक नेता हो तो मैं पटा लूं, लेकिन बीजेपी में तो सीएम के कई दावेदार : अशोक गहलोत

ईस्टर्न कैनाल की पैरवी केन्द्र सरकार से करने की मांग विपक्ष से करते हुए मुख्यमंत्री ने चुटकी ली

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के 13 जिलों के पेयजल से जुड़ी ईस्टर्न कैनाल परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने की मांग सोमवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सदन में बीजेपी नेताओं के सामने रखी।

सीएम ने कहा कि ईस्टर्न कैनाल को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने में बीजेपी नेता मदद करें। यह 13 जिलों का मामला है। बीजेपी नेता इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाएं अन्यथा अगले चुनावों में 13 जिलों में साफ हो जाओगे। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री भी हमारे राजस्थान के हैं। अब बीजेपी में एक नेता हो तो मैं पटा लूं कि राज्य हित में दिल्ली जाकर पैरवी करनी है, लेकिन यहां तो अनेकों नेता हैं। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत साहब, गुलाबचंद कटारिया साहब, कैलाश मेघवाल साहब, सतीश पूनिया साहब और वासुदेव देवनानी साहब सीएम के दावेदार हैं। और भी कई साहब हैं, जो सीएम के दावेदार हैं, हमारे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला, हमारे ओम माथुर साहब भी सीएम दावेदार हैं। एक नेता हो तो मैं पटा लूं कि साथ चलो, लेकिन बीजेपी में तो कई नेता हैं।

> ■ 'प्रधानमंत्री मोदी के यहां पर वसुंधराजी का हो न हो, कटारियाजी की बात में वजन होगा, इसलिए आप मन से भय निकालकर मोदी-अमित शाह से मांग करो'

इसके बाद गहलोत ने चुटकी लेते हुए नेता प्रतिपक्ष से कहा कि "कटारियाजी आप आरएसएस कैडर के हो, आपकी बात कौन टाल सकता है। भय को मन से निकालो और पीएम के यहां जाकर पैरवी करो। पीएम के यहां आपकी बात का वजन होगा, चाहे वसुंधराजी की बात का वजन हो न हो, लेकिन आपकी बात का वजन होगा, आप कैडर के आदमी हो। आप ईस्टर्न कैनाल पर प्रधानमंत्री से जाकर मांग करोगे तो आपका सम्मान भी बढेगा और पीएम भी मुझे लगता है राजी होंगे। आप डर निकालो और बतौर नेता प्रतिपक्ष अपनी भूमिका निभाकर राजस्थान की पैरवी करें।

गहलोत ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से मांग करते हुए ही बीजेपी के नेता डरते हैं। मोदीजी और अमित शाहजी का पता नहीं क्यों एक भय बैठ गया है कि हक की बात भी नहीं करते। मार्गदर्शक मंडल बन गया वो अलग बात है, लेकिन बाकी नेता मांग ही नहीं करते।

'कटारियाजी! आपकी बीपी अप-डाउन चलती है'

जयपुर। मुख्यमंत्री ने वित्त-विनियोग विधेयक का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया पर चुटकियां ली। अशोक गहलोत ने कहा कि "कटारियाजी! आप बीपी कंट्रोल रखकर बोला कीजिए। आप जब भाषण देते हैं तो बीपी अप-डाउन चलता रहता है। आप इस पर कंट्रोल रखिए नहीं तो आपके घर वाले मुझे उलाहना देंगे कि आप इनका ध्यान नहीं रखते। सदन का नेता हूं तो आपके फैमिली वालों का इतना हक तो मेरे पर बनता है।" पुनः चुटकी लेते हुए कहा कि "आपको अंदाज बदलना चाहिए, आप भावुक होकर बोलते हो, लेकिन आंकड़ों को भी इस तरह से पेश करते हो, जैसे पत्थर में जान डाल दी।"

महापौर मुनेश के विरोध में धरने पर बैठे कांग्रेस पार्षद

पार्षदों को अस्थायी कर्मचारी न देने और वार्डों का विकास नहीं कराने का आरोप

कांग्रेस मेयर मुनेश गुर्जर के विरोध में सोमवार को उनकी ही पार्टी के 11 पार्षदों ने मोर्चा खोला और हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय पर धरना दिया।

जयपुर (कासं)। कांग्रेस मेयर मुनेश गुर्जर के विरोध में सोमवार को उनकी ही पार्टी के 11 पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया। हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय पर धरने पर बैठे इन पार्षदों का आरोप है कि बोर्ड बने सालभर से ज्याद वक्त बीत चुका, लेकिन पार्षदों को ना तो बीट्स (अस्थायी कर्मचारी) मिले और ना ही वार्डों में विकास कार्य हो रहे है।

हालांकि इस धरने में 47 में से 11 ही कांग्रेसी पार्षद शामिल हुए। इसमें सबसे ज्यादा 7 पार्षद कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरिवास की विधानसभा क्षेत्र के रहे। यही से पार्षद मुनेश गुर्जर जीतकर मेयर बनी है। ऐसे में इन पार्षदों का सबसे ज्यादा विरोध मेयर को लेकर ही है। इसके अलावा किशनपोल, हवामहल और आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से एक-एक पार्षद धरने में शामिल हुआ। हालांकि पार्षद कह रहे है कि उनके वार्डों में विकास के काम नहीं हो रहे, जिसके कारण उन्हें धरने पर बैठना पड़ा।

वहीं राजनैतिक गलियारों में चर्चा है कि मुनेश गुर्जर सिविल लाईन्स विधानसभा क्षेत्र से मेयर बनी हैं, लेकिन अब वहीं के विधायक और पार्षदों के छोटे-मोटे काम नहीं हो रहे। इसके चलते पिछले दिनों विधायक और कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह ने एक बयान देकर कहा था कि आज पार्षदों की कहीं सुनवाई नहीं हो रही। अगर पार्षदों की सुनवाई नहीं हो रही है तो उन्हें नगर निगम का घेराव करना चाहिए। क्योंकि जनता ने उन्हें वोट दिया है। शायद यही वजह रही कि सोमवार को नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर कांग्रेस पार्षद विपक्ष की भूमिका में नजर आए। कांग्रेस पार्षदों ने निगम मुख्यालय के बाहर टेंट लगाकर अपने ही बोर्ड के खिलाफ धरना दिया। धरने पर बैठे पार्षदों ने जमकर नारेबाजी और तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। इधर कांग्रेस के पार्षदों का दूसरा सबसे बड़ा दर्द बीट्स (अस्थायी कर्मचारी) भी है। मेयर ने पिछले साल जब बोर्ड बैठक हुई थी और उसके बाद अन्य दूसरी बैठकों में 5 से 7 बीट्स हर वार्ड में लगाने के लिए कहा था, लेकिन पार्षदों के यहां अब तक बीट्स नहीं लगी। इससे भी पार्षद नाराज है, क्योंकि इन बीट्स के जरिए वे अपने क्षेत्र में छोटे-मोटे काम करवा लेते थे।

नौकरशाही इतनी हावी है कि मंत्री को भी असहाय होकर बोलना पड़ रहा है : राठौड़

जयपुर (वि.सं.)। विधानसभा में विपक्ष ने विनियोग विधेयक एवं वित्त विधेयक पर आज चर्चा के दौरान वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के ऑफिसर्स गैलरी में मौजूद नहीं रहने पर आपत्ति व्यक्त की।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने चर्चा में भाग लेते हुए बहस की शुरुआत की और इस दौरान उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में चर्चा हो रही है लेकिन ऑफिसर्स गैलरी में वित्त विभाग के प्रमुख सचिव और सचिव मौजूद नहीं हैं। ये बड़े अधिकारी मुख्यमंत्री जब आएंगे तब उनके साथ आएंगे, फिर विधेयक पर यहां बोलने का मतलब क्या रह जाएगा। उन्होंने कहा कि नौकरशाही को इतना हावी कर दिया गया है कि अधिकारी सदन के प्रति उत्तरदायी नहीं दिख रहे और मुख्यमंत्री के प्रति उत्तरदायी हो गए हैं।

इस पर शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला ने कहा कि आज शून्यकाल समय से पहले खत्म हो गया, ऐसे में बस रास्ते में ही हैं, आ रहे हैं। वित्त विभाग के प्रमुख सचिव के प्रतिनिधि मौजूद हैं, वह लिख रहे हैं। इस पर राठौड़ ने कहा प्रतिनिधि का क्या मतलब है, मैं भी कल मेरे प्रधान-सरपंच को प्रतिनिधि बनाकर यहां सदन में भेज दूं क्या। उन्होंने कहा कि नौकरशाही को कितना हावी कर दिया गया है कि मंत्री को असहाय होकर बोलना पड़ रहा है।

नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इस मौके सदन में वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का नहीं होना गंभीर बात है। विधेयक पर चर्चा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों का सदन की ऑफिसर्स गैलरी में होना जरूरी है। इस पर कल्ला ने कहा मैं लिख रहा हूं। इस पर कटारिया ने कहा कि आपका लिखा तो आपके पास ही रह जायेगा।

कविता में एक शब्द भी अनावश्यक नहीं होना चाहिए : जगदीप सिंह

जयपुर, (कासं)। जयपुर के इंडो-इंग्लिश कवि जगदीप सिंह को उबरते कवियों और साहित्य प्रमियों के साथ संवाद के लिए हाल ही में रायपुर में आमंत्रित किया गया था, जिनकी पहली कविता संग्रह, माई एपिटाफ गत वर्ष प्रकाशित हुई थी। द राइट सर्किल के तत्वावधान में आमंत्रित, यह संवाद कार्यक्रम रायपुर की एहसास विमन द्वारा आयोजित किया गया था। इस दौरान कवि ने प्रोफेशन से वकील और एहसास विमन की सक्रिय सदस्य सृष्टि त्रिवेदी के साथ चर्चा की।

जयपुर के कवि जगदीप सिंह ने सोमवार को रायपुर के साहित्य प्रेमियों से चर्चा की।

एक बेहद ही संवादात्मक सेशन में, जगदीप ने अपनी कविता हाउ टू विदस्टैंड पेन पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि हम में से प्रत्येक व्यक्ति को अपना क्रॉस सहन करना पडता है और हमारे हिस्से की पीा का सामना करना होता है। और हमें यह पूरी गरिमा के साथ करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कन्टेम्परारी के साथ-साथ मॉर्डन कवियों ने अल्यूजन, मजबूत इमेज और सिम्बल्स का इस्तेमाल किया है जो उनकी कविताओं को कुछ हद तक अस्पष्ट बनाता है। हालांकि, यदि पाठक संकेतों और संदर्भों को समझने का प्रयास करता है - तो कविता के मायने और बढ़ जाते हैं और इसे समझना आसान होता है। उन्होंने कविताएं लिखने का प्रयास कर रहे युवा कवियों को टी.एस. एलियॉट, सिल्विया प्लैथ, डिलन थॉमस, जैसे प्रख्यात मॉर्डन कवियों को अधिक पढ़ने की सलाह दी। जितना अधिक वे स्थापित कवियों को पढेंगे, उतना ही वे अपनी कविता लिखने की शैली को विकसित कर पाएंगे।

उन्होंने जीवन की बारीकियों को समझने के लिए कहा, जिससे की उन्हें अपनी कविताएं को लिखने में मदद मिलेगी। उन्होंने उनसे यह भी कहा कि प्रत्येक कविता को कम से कम 100 बार संशोधित किया जाना चाहिए और कविता में एक भी शब्द अनावश्यक नहीं होना चाहिए।

तेज रफ्तार ट्रोले की टक्कर से महिला की मौत, बेटी घायल

बेटे के जन्मदिन पर खाटूश्यामजी जाने के लिए निकला था परिवार

जयपुर (कासं)। शहर में अजमेर-दिल्ली रोड 200 फीट एक्सप्रेस हाईवे पर सोमवार सुबह 9.30 बजे एक ट्रोले की चपेट में आने से स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई और बेटी गंभीर घायल हो गई। महिला सोमवार को अपने छोटे बेटे के जन्मदिन पर उसकी लंबी उम्र की दुआ मांगने के लिए बेटी के साथ स्कूटी पर खाटूश्याजी जाने के लिए निकली थी। दूसरी स्कूटी पर पति, बेटा और बहनोई थे, लेकिन तभी हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची दुर्घटना थाना पश्चिम पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जबकि बेटी का निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक हादसे में करणी पैलेस रोड स्थित जगदम्बा कॉलोनी निवासी सुमन खंडेलवाल (38) की मौत हो गई और उनकी 18 वर्षीय बेटी पारूल खंडेलवाल गंभीर घायल हो गई। सुमन अपने पति गोपाल खंडेलवाल, बहनोई राकेश और बेटी पारूल, बेटे केशू के साथ खाटूश्यामजी जाने के लिए रविवार सुबह घर से निकली थी। एक स्कूटी सुमन चला रही थी और पारूल पीछे बैठी थी।

दूसरी स्कूटी पर गोपाल, बेटा केशू और राकेश चल रहे थे। सुमन की स्कूटी आगे चल रही थी और पति व बहनोई की स्कूटी पीछे थी। हादसे के बाद गोपाल व राकेश वहां पहुंचे। पत्नी व बेटी को लहूलुहान सड़क पर पड़ा देख गोपाल भी बेसुध हो गए।

परिजनों ने बताया कि रोड नंबर 14 विश्वकर्मा पर दोनों स्कूटी खड़ी कर बस से खाटूश्याजी जाते, लेकिन ट्रोला चालक की लापरवाही ने हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। पारूल 12वीं कक्षा में पढ़ती है और गोपाल खंडेलवाल ने परचूनी की दुकान खोल रखी है।

सवा लाख बच्चों को लगाई वैक्सीन डोज

जयपुर। प्रदेश में अब तक 12 से 14 आयु वर्ग के एक लाख 25 हजार से ज्यादा बच्चों को कोविड वैक्सीन रुपी सुरक्षा कवच दिया जा चुका है। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने बताया कि मंगलवार से कार्यक्रम में गति लाकर शेष बच्चों का भी व्यापक स्तर पर टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 16 मार्च से 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि होली के चलते यह कार्यक्रम अभी गति पकड़ नहीं पा रहा पाया था। मीणा ने बताया कि प्रदेश में 30 लाख से ज्यादा कार्बिवैक्स वैक्सीन केंद्र सरकार से प्राप्त हो चुकी है और चिकित्सा संस्थानों में भी उपलब्ध करवा दी है। उन्होंने कहा कि 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों को प्रथम एवं द्वितीय डोज के मध्य 28 दिन के अन्तराल रखा जायेगा। प्रदेश में कुल 12 से 14 वर्ष के कुल 30 लाख 87 हजार लक्षित लाभार्थियों का टीकाकरण किया जाना है।

ट्रेफिक जाम में फंसे रहे लोग

जयपुर। शहर में सोमवार को यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गया। कलक्ट्री सर्किल से खासाकोठी, रेलवे स्टेशन पुलिया, चिकांरा कैंटीन, झोटवाड़ा रोड से लेकर चांदपोल तक वाहन चालक जाम में फंसे रहे। वकीलों का प्रदर्शन और एक फिल्म अभिनेताओं का रोड शो पूर्व से प्रस्तावित था, लेकिन यातायात पुलिस व्यवस्था सुचारू नहीं रख पाई। वकीलों ने जनपथ व कलक्ट्रेट पर रोड यातायात रोका था। यहां के ट्रेफिक को पुलिस सभी तरीके से डायवर्ट नहीं कर पाई, जिससे झोटवाड़ा रोड, सीकर रोड, स्टेशन रोड, खासा कोठी सर्कल से पुलिस कमिश्नरेट तक जाम के हालात हो गए। दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक इस क्षेत्र में वाहन चालक परेशान होते रहे। जनपथ पर पुलिस ने वाहनों को स्टेच्यू सर्कल से और अंबेडकर सर्कल से डायवर्ट किया, लेकिन इससे पहले 22 गोदाम पुलिया और उसके आस-पास जाम लगा रहा।

महिला चोर गैंग ने दुकान से 25 राजपूती पोशाक पार की

जयपुर (कासं)। शहर के करधनी इलाके में कपड़ों की दुकान में रविवार दोपहर ग्राहक बनकर आई चोर गैंग ने 25 ड्रेस पार कर ली। जब तक पीड़ित दुकानदार को इसकी भनक लगी, तब तक गैंग वहां से निकल चुकी थी। अब पीड़ित ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के मुताबिक भौमिया नगर निवारू रोड निवासी भंवर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वैदजी का चौराहा पर उसकी करणी माता परिधान के नाम से राजपूती ड्रेस की दुकान है। रविवार दोपहर वह अपनी बेटी को दुकान पर बैठाकर गया था। दोपहर करीब पौने तीन बजे एक मारूति ओमीन बैन में बैठकर छह-सात महिलाएं उसकी दुकान पर आई। दो महिलाएं बाहर ही रुक गई और बाकी की अंदर चली गई। कस्टमर बनकर आई महिलाओं ने ड्रेस दिखाने की कही। इस दौरान दो महिलाएं बेटी को ड्रेस दिखाने के बहाने दुकान के एक कोने में ले गई। ड्रेस देखने के बहाने उसकी बेटी को घेरे रखा, जिससे वह कुछ देख नहीं सके। इसी दौरान साथी महिलाओं ने दुकान से करीब 25 राजपूती ड्रेस बैग में रख ली। ड्रेस पसंद नहीं आने की कहकर एक-एक कर सभी महिलाएं कार में बैठकर वहां से चली गई। दुकान पहुंचकर संभालने पर महिला चोर गिरोह के ड्रेस चोरी करने का पता चला। शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि एक ड्रेस की कीमत करीब 3 हजार रुपए है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखकर महिला चोरों को ढूंढ रही है।

युवती से गुजरात में दुष्कर्म

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाने में एक युवती ने अपने पडौसी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया है। पीड़िता का आरोप है युवक उसे बहला-फुसलाकर गुजरात ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ब्रह्मपुरी निवासी 20 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका पडौसी रोहित मीणा करीब डेढ़ महीने पहले उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ गुजरात ले गया और वहां उसके साथ रेप किया। पीड़ित युवती के परिजनों ने गुमशुदगी भी दर्ज कराई। करीब 15 दिन की तलाश के बाद पीड़िता को गुजरात से ढूंढकर पुलिस टीम लेकर आई। पीड़िता ने रविवार को आरोपी युवक के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया। रिपोर्ट में यह भी बताया कि साल 2019 में वह घर में अकेली थी। उस दौरान भी आरोपी उसके घर आया था और उसने साथ लाई मिठाई खिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया।

धर्मेन्द्र राठौड़ के घर पर धरना दे रहे उपेन को पुलिस ने जीप में पटका

बेरोजगारों की मांगे पूरी करने की मांग पर दिया था धरना

जयपुर (कासं)। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव को जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार को दोनों हाथ और पैर खींचकर जीप में पटक कर हिरासत में ले लिया। घटना उस वक्त हुई जब वह राज्यमंत्री और राजस्थान टूरिज्म डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ के निवास के बाहर बेरोजगारों के साथ धरने पर बैठ गए। बेरोजगारों की मांगों को लेकर पिछले दिनों दिसम्बर 2021 में राजस्थान सरकार और महासंघ में सहमति बनी थी।

लखनऊ में प्रियंका गांधी के सामने विरोध प्रदर्शन करने के बाद यह सहमति बनी थी। आरोप है कि साढ़े तीन महीने से ज्यादा वक्त बीतने के बावजूद सरकार समझौते के वादे पूरे नहीं कर रही है। जिससे गुस्साए बेरोजगारों ने प्रदेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है।

उपेन यादव ने कहा पुलिस उन्हें धरने से जबरन हाथ-पैर खींचकर उठाकर कमिश्नरेट कार्यालय पर ले गई। जीप में शहीद स्मारक-कमिश्नरेट के चारों ओर घुमाकर छोड़ दिया गया। बेरोजगारों से किए गए लखनऊ समझौते की मांगों को पूरा करवाने लेकर वह राज्य मंत्री धर्मेंद्र राठौड़ के निवास के बाहर बेरोजगार साथियों के साथ इसलिए धरने पर बैठे, क्योंकि 4 दिसंबर 2021 को धर्मेंद्र राठौड़ की मध्यस्थता में ही समझौता हुआ था। वह मीडिएटर थे इसलिए बेरोजगार आंदोलन को स्थगित करके लखनऊ से वापस राजस्थान लौटे। 5 दिसंबर 2021 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बेरोजगार महासंघ के प्रतिनिधि मंडल की मुलाकात हुई थी, तब तय हुआ कि बेरोजगारों की मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। इसके बावजूद साढ़े 3 महीने बीत जाने के बावजूद भी बेरोजगारों की ज्यादातर मांगें लंबित है। उपेन यादव ने कहा कि सरकार लखनऊ समझौते की मांगें पूरी नहीं कर रही। इसलिए बेरोजगार युवाओं को फिर से आंदोलन करना पड़ रहा है। पुलिस ने जबरदस्ती हिरासत में लेकर धक्का मुक्की की है, जो अशोभनीय घटना है। लेकिन यह निश्चित है कि हम डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस को खुली चेतावनी है कि अगर युवाओं की मांगें नहीं मानीं तो आने वाले चुनाव में 10 सीटें भी नहीं आएंगी। क्योंकि हम लडाई अंतिम सांस तक लडेंगे। लंबित भर्तियां पूरी होना जरूरी है। पेपर लीक का आरोपी भजनलाल कांग्रेस विधायक के साथ पार्टी कर रहे हैं। अगर सरकार हमारी मांग नहीं मानेगी तो युवा प्रदेश में कांग्रेस का सूपड़ा साफ करेंगे।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव को हिरासत में लेते पुलिसकर्मी।

सार-समाचार

'तराना दिल से का' होली मिलन समारोह

जयपुर। संगीत प्रेमियों के समूह तराना दिल से का होली मिलन समारोह यहाँ अजमेर रोड स्थित एक होटल में रविवार को आयोजित किया गया। समारोह में ग्रुप के संयोजक राकेश गुप्ता और सह संयोजक सुनीता ऐरन सहित 28 सदस्यों ने होली पर आधारित फिल्मी गीत प्रस्तुत कर होली की उमंग और उल्लास के रंग बिखेरे। होली गीतों के साथ-साथ हिंदी सिनेमा के सदाबहार फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां ने समारोह को यादगार बना दिया। इस अवसर पर सदस्यों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएँ दीं।

प्रशिक्षण सत्रों के लिए समझौता

जयपुर, (कासं)। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर ने सेंट लुइस विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक साल के एमबीए कार्यक्रम, संकाय विनिमय कार्यक्रम, छात्र विनिमय कार्यक्रम, एफडीपी और प्रशिक्षण सत्रों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और उनका आदान-प्रदान किया। सेंट लुइस विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से केटलिन मैककोनेल, निदेशक, स्नातक व्यापार कार्यक्रम डॉ.पलाश बेरा, अंतरिम एसोसिएट डीन, स्नातक व्यापार कार्यक्रम ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने और संभावित छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आज यूईएम जयपुर का दौरा किया।

देश के 25 कलाकारों के आर्ट वर्क डिसप्ले

जयपुर, (कासं)।आईटीसी राजपुताना परिसर में स्पलैशेज ऑफ आर्ट-ए जर्नी ऑफ ऐस्थैटिक्स शीर्षक से वेलकम आर्ट प्रदर्शनी शुरू हुई। प्रदर्शनी में देश भर के तकरीबन 25 उभरते कलाकारों का आर्ट वर्क डिसप्ले किया गया। इसमें करीब 50 पेटिंग्स और स्कल्पचर्स शामिल हैं। प्रदर्शनी में कलाकार अतुल गेंडले ने सूक्ष्म मिट्टी के स्वरों के साथ शांत परिदृश्यों को उकेरा है, जो कि उनके बचपन के दिनों से प्रेरित है। जब वे महाराष्ट्र के गांव बीड में रहते थे। वहां शांतिपूर्ण प्रकृति ने उनके रोजमर्रा के जीवन को अपने अधीन कर लिया था। कलाकार अदिति जैमिनी के अपने चित्रों में आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टिकोण दर्शाया है जो शिव को उनके बनावट और जीवंत मंदिर की घंटियों के माध्यम से याद कराती हैं। अपनी पॉट पेंटिंग के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सूचीबद्ध कलाकार अल्फी कुमार ने भी यहां अपनी दो पेंटिंग्स डिसप्ले की है। लखनऊ की तरन्नुम के चित्र ज्यामितीय रूपों में फैले हुए हैं, जो मन और आत्मा के बीच की दूरी और भीतर की आध्यात्मिकता को दर्शाते हैं। चंडीगढ़ की डॉ. रुचि शर्मा ने अपनी पेंटिंग में सौंदर्यशास्त्र का दर्शाने की पुरजोर कोशिश की है। प्रदर्शन का उद्घाटन पूर्व मंत्री बीना काक और एमिनेंट आर्ट प्रमोटर सुधीर माथुर ने किया।

बालमुकुंद ओझा ने जताया सीएम का आभार

जयपुर, (कासं)। लेखक और वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चूरू के किले के संरक्षण के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा पर उनका आभार व्यक्त किया है। राजस्थान विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राजस्थान वित्त एवं विनियोग विधेयकों पर प्रत्युत्तर के दौरान यह घोषणा की। ओझा ने बताया की उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपनी आज़ादी की रक्षा के लिए चांदी के गोले छोडकर विश्व इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम अंकित कराने वाले चूरू के किले के धराशाही होने की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया था। ओझा ने चूरू के विधायक राजेंद्र राठौड़ द्वारा विधान सभा में किले के जीर्णोद्धार की मांग पुरजोर उठाने के लिए उनका भी धन्यवाद दिया।

ना पढ़ेगा इंडिया, ना आगे बढ़ेगा इंडिया, केवल हिंदू-मुस्लिम पर लड़ेगा इंडिया : संयम लोढ़ा

जयपुर। सीएम सलाहकार विधायक संयम लोढ़ा ने सोमवार को सदन में केन्द्र की मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि कहा कि "ना पढ़ेगा इंडिया, ना बढ़ेगा इंडिया, केवल हिंदू-मुस्लिम पर लड़ेगा इंडिया। क्योंकि जिसे धर्म के नाम पर वोट मिल रहे हो, वह सरकार विकास का काम क्यों करेगी? यह कलियुग नहीं कला का युग है, तभी तो चाय वाले प्रधानमंत्री, मठ वाले मुख्यमंत्री बन गए और लाफ्टर चैलेंज में सबको हंसाने का काम करने वाले भी सीएम बन गए।"

> ■ 'इस टिप्पणी पर नाराज राजेन्द्र राठौड़ ने संयम लोढ़ा को गरीबों के खिलाफ और हम तीन-हमारे तीन की मानसिकता वाला बताया'

राजस्थान वित्त-विनियोग विधेयक की बहस के दौरान संयम लोढ़ा की इस टिप्पणी पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ भड़क गये। उन्होंने संयम लोढ़ा से कहा कि "क्या आप गरीबों के खिलाफ हैं। आप हम 3 और हमारे 3 की मानसिकता के हो, जो देश के प्रधानमंत्री का नाम लेकर कह रहे हो कि चाय वाला प्रधानमंत्री बन गया। हमें गर्व है कि 56 इंच के सीने वाला दुनिया का सबसे प्रसिद्ध व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री है।" स्पीकर के दखल के बाद जैसे की मामला शांत हुआ तो संयम लोढ़ा ने राजस्थान सरकार के चिकित्सा और शिक्षा विभाग को घेर लिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के चक्कर में नहीं आकर ध्यान इस पर देना चाहिए कि हॉस्पिटल में सफाईकर्मी डिलीवरी करा रहा है और एंबुलेंस ड्राइवर टांका लगा रहा है। आपकी कितनी पीएचसी ऐसी हैं, जिनमें डॉक्टर हैं, लेकिन एक भी डिलीवरी नहीं होती है। इस पर सरकार का ध्यान होना चाहिए कि इस कमी को कैसे दूर करें। बजाय इसके कि पदोन्नित को लेकर हम नया फार्मूला लाकर नया पचरा खड़ा कर दें। लोढ़ा ने कहा कि शिक्षा इतना ओवरलोडेड डिपार्टमेंट है कि मंत्री तक बात पहुंची ही नहीं। 50 स्कूल ऐसे हैं, जहां सिंगल टीचर हैं, अगर टीचर छुट्टी पर गया या बीमार हुआ, तो बच्चे कहां पढ़ने जाएंगे।

"खोदा पहाड़ निकली चुहिया" के समान है बजट, घोषणाएं पूरी नहीं कर सकेगी सरकार : कटारिया

'मुख्यमंत्री आये तब अफसर भी पहुंचे, खत्म हो रहा है सदन का महत्व'

जयपुर (विसं)। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने सोमवार को सदन में वर्ष 2022-23 के बजट को "खोदा पहाड़ निकली चुहिया" जैसा बताया। उन्होंने साल 2019 से लेकर अब तक पेश किए गए राज्य बजट के आंकड़े सदन में रखें और यह भी कहा कि जो बजट घोषित किया गया था, उनमें से अधिकतर बजट घोषणा है, जो कि आज तक पूरी नहीं हुई। कटारिया ने कहा कि बजट में जो खर्चा बताया गया है वह साल 2021-22 में 4 लाख 57 हजार करोड़ का बताया गया था, लेकिन आरई में इसे बढ़ाकर 4 लाख 72 हजार करोड़ कर दिया गया। लेकिन मैं यह दावा करता हूं कि राजस्थान पर वर्तमान में 5 लाख करोड़ से भी अधिक का कर्जा हो गया है और अगले साल यह कर्जा बढ़कर छह लाख करोड़ का हो जाएगा। कटारिया ने कहा कि यदि इसमें बिजली के घाटे को जोड़ लिया जाए तो यह 8 लाख करोड़ का घाटा होगा। कटारिया ने कहा कि सरकार यह बजट किसी कीमत पर पूरा नहीं कर सकती, क्योंकि जो घोषणाएं की गई हैं उसमें से 75 फीसदी बजट तो हेवी कर्जा लेकर ही पूरा किया जाता है, इसे चुकाएगी जनता ही। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने सदन में अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा आज जब सीएम यहां मौजूद हैं तो अधिकारी लॉबी में सभी अधिकारी मौजूद हैं, लेकिन सत्र में अधिकतर बार अधिकारी गायब रहे। सदन की दुर्गति मैंने नहीं देखी। मुख्यमंत्री अपने भाषण में बस केंद्र को कोसते रहते हैं, जबकि मौजूदा बजट में जो भी घोषणा की गई है, उसमें केंद्र से मिलने वाले फंड का भी योगदान रहेगा। कोरोना कालखंड में केंद्रीय ने राजस्थान सरकार की खूब मदद की, लेकिन मुख्यमंत्री की जुबान पर कभी धन्यवाद का एक शब्द नहीं आया।

World Water Day

Water Day is an annual event that looks at the global issues surrounding access to clean, safe drinking water and sanitation. This year's Water Day is focusing on the link between water and climate change. Water is such a precious commodity that many take for granted. World Water Day is a chance to think about those people and places where water needs are still paramount, and seek to work together to find a solution.

#EVENT

Splashes of Art

As many as 50 paintings and sculptures of around 25 artists from across the country are on display at the WelcomArt Gallery of ITC Rajputana as a part of the 'Splashes of Art' Exhibition. On till 26 March, the exhibition invites viewers to explore new ways of being and form their own contemplative judgment amidst the exuberant display of art works.

Guests admire the art work by Urvashi Kanwar which are a tribute to her native place, Himachal Pradesh.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

As a child, it was almost an everyday ritual for me and my family to visit temples and pray. The highlight of my visit to the temples would be the ringing of the bell and the sound of 'ohm'. These calming sounds and vibrations used to fill my body with sheer joy and positivity. These are the emotions that I have translated in my art works," shares Aditi Gemini, an artist from Ahmedabad who has made a series of paintings depicting vibrant temple bells and her spiritual and religious journey. Her works are currently being exhibited at the week-long art exhibition, 'Splashes of Art – A Journey of Aesthetics' being held at the WelcomArt Gallery of ITC Rajputana. Curated by Pallavi Baheti and organized by Hem Rana and Jasbeer Kaur, the exhibition has on display as many as 50 paintings and sculptures of around 25 artists from across the country.

Art work by Atul Gendle

Similarly, artist Atul Gendle from Pune also takes inspiration from his childhood days in the village 'Beed' in Maharashtra. His serene landscapes coupled with subtle and earthy tones show how the peace of nature is subjugated by everyday life.

Artist Kavita Rathore from Jaipur also showcases her childhood obsession with iconic classic cars in her paintings. Her works explore vintage cars in contemporary backgrounds.

Art Work by Kirti Yadav

On the other hand, Abhijit Biswas from Kolkata creates life-like paintings of the ghats of Varanasi. Even though the artist has never been to the spiritual capital of the country, a closer look at his paintings makes the viewers even understand the fleeting movement of a residing sunset being captured.

While Kirti Yadav from Alwar has tried to give a glimpse into the spiritual journey and mindset of a sadhu in her creations, Yashpal Kamble from Mumbai exhibits his love and admiration for powerful and sturdy horses through his paintings.

Giving a Platform to Young Artists

"In over 22 years of my curatorial experience, I have realized that the right kind of exposure is extremely significant for young artists. Through this exhibition we have tried to give a platform to them as well as acquaint the art lovers of the Pink City with diverse art works from different cities of India," shares Hem Rana.

Elaborating on the same sentiment, General Manager, ITC Rajputana, Rishi Mattu says: "Through WelcomArt, we strive to give recognition to the art as well as the artists. The focus is primarily on giving a platform to the young artists for exhibiting their work.

The exhibition was inaugurated on 20 March by Bina Kak, Ranoo Nathany Srivastava and Sudhir Mathur and will be on till 26 March.

Date: 20 March – 26 March
Time: 11 am to 7 pm
Venue: WelcomArt Gallery, ITC Rajputana

Art Works by Abhijit Biswas.

'Long Live The King'

##TRUE TALES

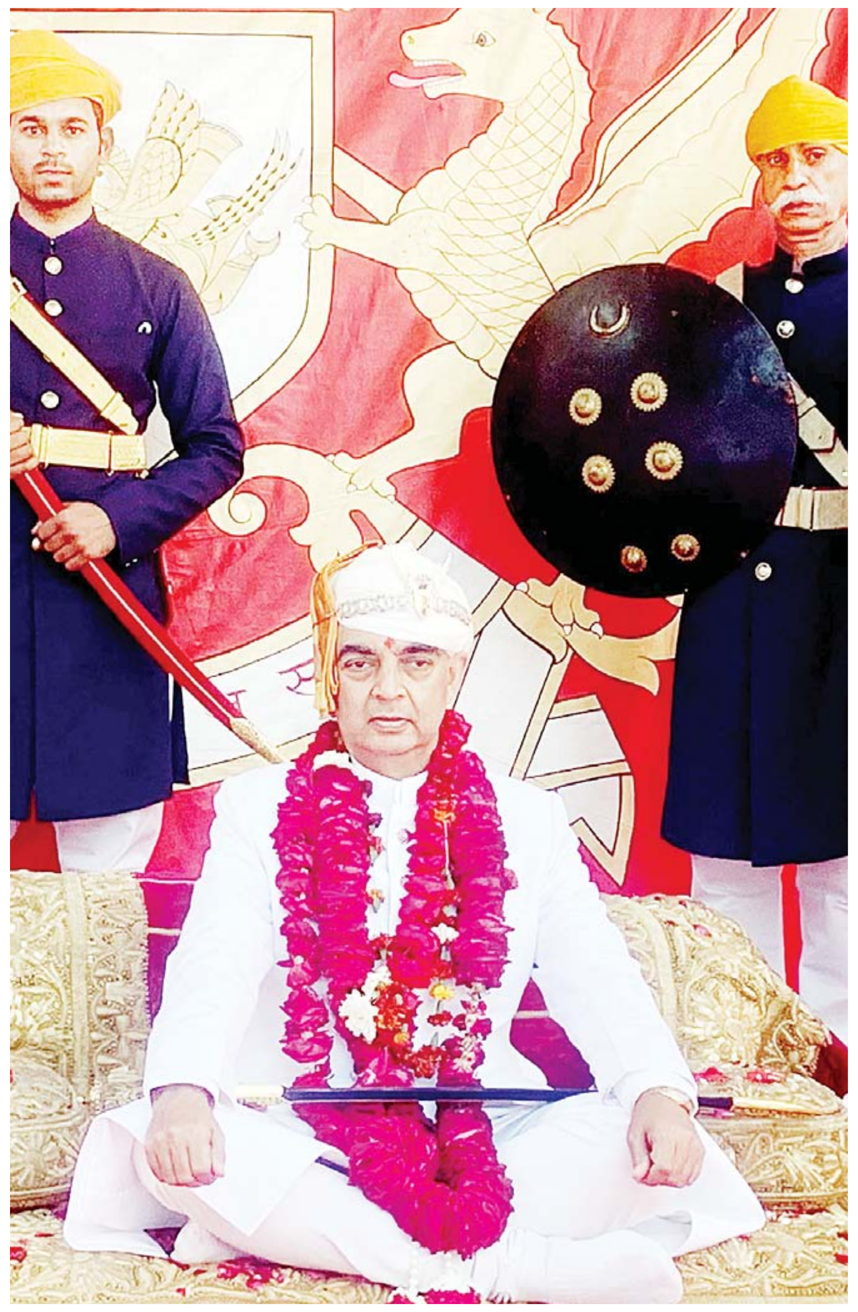

MM Ijyaraj Singh the 19th Maharao of Kotah.

According to Randhir Vikram Singh Mandawa, President of the Heritage Hotels Association of India, "The Heritage Tourism movement in India that was spearheaded from Rajasthan has actually enhanced the revival of the old traditions, arts, crafts and music which had slowly begun to fade away due to lack of patronage. The Royal and feudal families have been continuing to practice and safeguard the age-old traditions, customs or the celebration of festivals, and this was further enhanced once the tourist flow started to throng Rajasthan." He further adds, "The discerning traveller, be it Indian or International, who is able to relive the grandeur and opulent lifestyle through his stay at a deluxe, luxurious heritage palace is incomparable to any other experience he can acquire at a regular – modern, 5 star deluxe property."

Sanjay Singh Badnor
Wanderlust, travel writer and an acclaimed photo journalist

"Tradition is not the worship of ashes, but the preservation of fire."
-Gustav

The Rajyabhishek or the anointing ceremony of HH Maharao Ijyaraj Singh held in Kotah recently was a resplendent display of Royal rituals and pageantry steeped in Rajput tradition. Though India became Independent 75 years ago, yet the private ceremony held at the Rajmahal Chowk in the city's Kotah-Garh complex was attended by approximately 250 Jagirdars, representing over 50 erstwhile Thikhanas of the former State of Kotah. It evidently reflects that the institution of the ruler or king is still socially relevant and remains sacrosanct even today.

(Retd) Admiral Madhvendra Singh (Ex-Chief of Naval staff) is of the opinion, "Our traditions and customs have been there for centuries, and I firmly believe that we should continue to maintain them. Kings and Kingdoms, Rajas and Maharajas with their pomp & pageantry have been omnipresent in India since Lord Ram; perhaps that is why Air India chose the 'Happy Maharaja' as its mascot. While our Princes and the nobility, willingly acceded their kingdoms and lands to merge into the Indian Union they certainly did not give up their customs and traditions which they believe should be maintained. One such is the Rajyabhishek or the Paag Dastur that signifies the passing of baton from one generation to the next. As the old adage goes 'The King is dead - Long live the King'."

The Paag Dastur or the Pagri Rasam is an ancient Hindu tradition and social custom prevalent primarily in North India, wherein upon the death of the head of the family, the eldest son of the deceased is made to wear the Pagri, thus ensuring continuity of the family. This ceremony is performed more elaborately amongst the Royal families though the concept remains the same.

Recounting Traditions

Maharaja Abhimanyu Singh of Bamulia, who hails from one of the premiere Thikanas of Kotah, has been fortunate to have witnessed the Rajtilak of Maharao Brijraj Singhji as well as that of Maharao Ijyaraj Singh. He recounts: "After Maharao Bhim Singhji passed away in 1991, MK Brijraj Singhji was anointed the Maharao of Kotah, at the Rajyabhishek ceremony held at Umed Bhawan Palace on 4th August 1991. Being a perfectionist and a stickler for protocol, the private ceremony was performed in the Durbar Hall and conducted as per the customs in the traditional manner. The priests first offered pooja to Lord Ganpati, and at the appointed hour the Chief Purohit applied Tilak on the forehead of Brijraj Singhji, denoting the actual coronation. This was followed by the Bade Devtaji (Head Priest) chanting mantras and sprinkling holy water over the Maharao's head, thereby announcing the anointment or the Rajyabhishek."

Abhimanyu Singhji further adds, "It was now time for all the Jagirdars to pay their respects and obeisance to the new Maharao. Over 200 Jagirdars (members of the nobility) were present on the occasion. As per the protocol MK Ijyaraj Singhji was the first to offer Nazar followed by Aapji Saheb Palaitha, after which it was my turn. As per the norm I offered the Satkar and a Gold Mohur to the newly anointed Maharao. Maharao Saheb returned the Gold Mohur back to me and also offered me a Paan Beeda (beetle nut leaf). The Paan or Beetle nut leaf is considered highly auspicious and thus is offered on such special occasions. The other Jagirdars present also all offered the Nazar as per their hierarchical order."

The erstwhile kingdom of Kotah, founded in 1579 AD, was a 17-Gun salute state and amongst the largest of 22 states that comprised pre-independence Rajputana. The Maharao's of Kotah hails from the Hada clan, an off-shoot of the Chauhan dynasty and trace their ancestory to the illustrious Prithviraj Chauhan. In 1948, the state of Kotah was integrated with the Union of India by its last ruler, HH Maharao Bhim Singhji, who signed the instrument of accession of his state into India.

Approximately 565 princely states were merged with the Union of India, and as per the constitution they were permitted to retain their titles, accorded special status and privileges along with the entitlement to an annual privy purse that was determined according to the annual revenue generated by the state at that time.

Constitutional Betrayal

In 1971, Indira Gandhi, the then Prime Minister of India, brought about an amendment to the constitution in Parliament by way of the 26th amendment act thereby abolishing the privy purse, titles and all special privileges that had been accorded to the princes. This was a major blow to the Princely class and a constitutional betrayal on the part of the Indian Government who in exchange of their accession to the Indian Union had been promised the Privy Purse as well as special privileges, which was incorporated into the Constitution too.

Indira Gandhi felt the Royals posed a threat to her and tried to smear their reputation by manipulating the media into creating an anti – Royal atmosphere, and even going to the extent of labelling them as anti-democratic. Overnight, the Royals were stripped off their titles, and they started being referred to as ex rulers or former and erstwhile Maharajas by the Press. However, socially the Princes continued to be regarded by the public at large in high esteem, and enjoyed their royal status. Many of them successfully entered politics while others turned hoteliers.

While the 70's was a decade when the country was going through the anti-Royal phase, the Princes were recouping from the sudden jolt of the constitutional betrayal. However, the 80's emerged as the decade of resurgence. Many Royal families converted their palaces and stately homes into luxurious hotels, their imposing forts into museums.

Presentation of the Nazar to Maharao Ijyaraj Singh by the Jagirdars – an indicative of a symbolic acceptance of the Titular Maharao of Kotah. The Kotah Paag worn by the Jagirdars on the occasion of the Raj Tilak ceremony – Tied in its own characteristic style it remains a unique symbol of the culture of Kotah.

> Once the heritage Tourism boomed there was no looking back. It was a give and take situation; The Royals became relevant yet once again not only socially but economically too. The Government too saw this as an opportunity to promote tourism and incidentally all the Festivals of India organized by the Indian Government in Europe and the United States relied heavily on the Royal appeal; the 'Palace on Wheels' was yet another leading example of this concept.

> While the 70's was a decade when the country was going through the anti-Royal phase, the Princes were recouping from the sudden jolt of the constitutional betrayal. However, the 80's emerged as the decade of resurgence. Many Royal families converted their palaces and stately homes into luxurious hotels, their imposing forts into museums. In fact, the Royalty of Rajasthan can be called pioneers in promoting the concept of Heritage tourism.

Visionary Royals

In fact, the Royalty of Rajasthan can be called pioneers in promoting the concept of Heritage tourism. Once the heritage Tourism boomed there was no looking back. It was a give and take situation; The Royals became relevant yet once again not only socially but economically too. The Government too saw this as an opportunity to promote tourism and incidentally all the Festivals of India organized by the Indian Government in Europe and the United States relied heavily on the Royal appeal; the 'Palace on Wheels' was yet another leading example of this concept. The media once again began to woo the Indian Royalty. It is interesting to note that today not only the Prefixes been dropped but ironically all the Princes including the Nobility are all clubbed together and addressed as Royalty. The bottom line is, that today Royalty sells, and that is what is important - "Long Live the King!"

According to Randhir Vikram Singh Mandawa, President of the Heritage Hotels Association of India, "The Heritage Tourism movement in India that was spearheaded from Rajasthan has actually enhanced the revival of the old traditions, arts, crafts and music which had slowly begun to fade away due to lack of patronage. The Royal and feudal families have been continuing to practice and safeguard the age-old traditions, customs or the celebration of festivals; and this was further enhanced once the tourist flow started to throng Rajasthan." He further adds, "The discerning traveller be it Indian or International, who is able to relive the grandeur and opulent lifestyle through his stay at a deluxe, luxurious heritage palace is incomparable to any other experience he can acquire at a regular, modern, 5 star deluxe property."

After HH Maharao Bhim Singhji's demise his son MK Brijraj Singhji ascended to the Gaddi in the year 1991. An augmentative proponent of social change, Brijraj Singhji entered politics in 1962 and represented the Jhalawar parliamentary constituency for 3 consecutive terms. In 1970, he converted a section of the Historic 13th century Kotah-Garh or the City Palace into a museum and opened its doors to the public. The Rao Madho Singh Museum houses a fine collection of Royal regalia, arms and armour, textiles and object d'art. Also on display are the world renowned and exquisite, miniature paintings and wall frescoes from the Kotah ateliers that were commissioned by the earlier Maharaos of Kotah between the 16th and 18th century. In 1994, he converted the Umed Bhawan Palace into a luxury Heritage hotel. Built by Maharao Umed Singhji in 1905, it was designed by Sir Swinton Jacob in the Indo-Saracenic style with beautiful white Kheemuch and pink sandstone. He also converted part of his own residence, the handsome, colonial edifice known as Brijraj Bhawan into a Heritage hotel. Built in 1830 as the residence for British Political agent it was converted into the Kotah State Guest house in 1900. In the year 1956 it became his residence and was renamed after him and today in many ways his legacy continues to live through the Brijraj Bhawan Palace.

Embracing the Identity

Brijraj Singhji has also been a staunch proponent of the Kotah Paag and always encouraged the people of Kotah to embrace their identity by donning the Paag. The headgear in Rajasthan is associated with regional identification thus the Kotah Paag remains a unique symbol of the culture of Kotah State and its age-old traditions. So, it was particularly heart warming to see that almost all the members of the august gathering attending the Rajtilak at the Kotah-Garh were wearing the Kotah Paag. It could not have been a more befitting a tribute to the Late HH Maharao Brijraj Singhji.

Maharao Brijraj Singhji breathed his last on 29th January 2022, thereafter his son and heir, MK Ijyaraj Singh was anointed the 19th Maharao of Kotah. An alumnus of Mayo College, Ijyaraj Singh graduated from the prestigious Ivy League college - The Brown University, and later pursued MBA from Colombia University in the USA. He has represented Kotah as the Member of Parliament from 2004-2009. His wife Maharani Kalpana Devi is currently a member of the Rajasthan Legislative Assembly representing the Ladpura constituency.

Maharao Ijyaraj Singh strongly believes, "Our traditions and customs are a set of shared beliefs and values that foster a sense of belonging and unity, and defines our identity. They are also a link to our past and constantly remind us of our heritage."

writetoarbit@rashtradoot.com

The Raj Tilak of the Late Maharao Brijraj Singhji that took place at the Umed Bhawan Palace on 04th August 1991.

MM Ijyaraj Singh with son Jaidev Singh.

#MIND&BODY

Human experience is continuous, but psychologists believe, based on observations of people's behaviour, that memories are divided by the brain into distinct events, a concept known as event segmentation.

How Brain Makes Memories

In a study led by Cedars-Sinai, researchers have discovered two types of brain cells that play a key role in dividing continuous human experience into distinct segments that can be recalled later. The discovery provides new promise as a path toward development of novel treatments for memory disorders such as dementia and Alzheimer's disease.

The study, part of a multi-institutional BRAIN Initiative consortium funded by the National Institutes of Health and led by Cedars-Sinai, was published in the peer-reviewed journal Nature Neuroscience. As part of ongoing research into how memory works, Ueli Rutishauser, PhD, professor of Neurosurgery, Neurology, and Biomedical Sciences at Cedars-Sinai, and co-investigators looked at how brain cells react as memories are formed.

Event Segmentation

Human experience is continuous, but psychologists believe, based on observations of people's behaviour, that memories are divided by the brain into distinct events, a concept known as event segmentation. Working with 19 patients with drug-resistant epilepsy, Rutishauser and his team were able to study how neurons perform during this process.

Patients participating in the study had electrodes surgically inserted into their brains to help locate the focus of their epileptic seizures, allowing investigators to record the activity of individual neurons while the patients viewed film clips that included cognitive boundaries.

While these boundaries in daily life are nuanced, for research purposes, the investigators focused on 'hard' and 'soft' boundaries.

"An example of a soft boundary would be a scene with two people walking down a hallway and talking, and in the next scene, a third person joins them, but it is still part of the same overall narrative," said Rutishauser.

In the case of a hard boundary, the second scene might involve a completely different set of people riding in a car. "The difference between hard and soft boundaries is in the size of the deviation from the ongoing narrative," Rutishauser said. "Is it a totally different story, or like a new scene from the same story?"

When study participants watched film clips, investigators noted that certain neurons in the brain, which they labelled 'boundary cells', increased their activity after both hard and soft boundaries. Another group of neurons, labelled 'event cells', increased their activity only in response to hard boundaries, but not soft boundaries.

Mental Time Travel

Rutishauser and his co-investigators theorize that peaks in the activity of boundary and event cells-which are highest after hard boundaries, when both types of cells fire-send the brain into the proper state for initiating a new memory.

To retrieve memories, the brain uses boundary peaks as what Rutishauser calls 'anchors for mental time travel'.

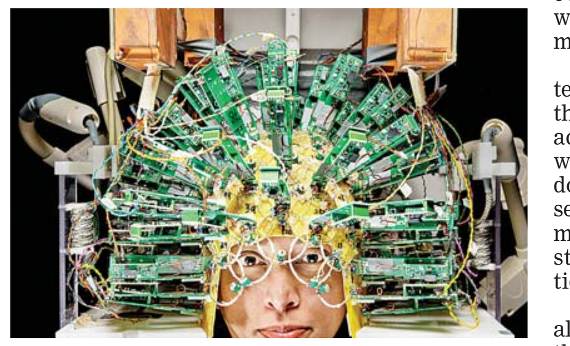

"When you try to remember something, it causes brain cells to fire," Rutishauser said. "The memory system then compares this pattern of activity to all the previous firing peaks that happened shortly after boundaries. If it finds one that is similar, it opens that folder. You go back for a few seconds to that point in time, and things that happened then come into focus."

To test their theory, investigators gave study participants two memory tests.

They first showed participants a series of still images and asked them whether or not they had seen them in the film clips they were shown. Study participants were more likely to remember images that closely followed a hard or soft boundary, when a new 'memory folder' would have been created.

Investigators also showed participants pairs of images from film clips they had viewed and asked which of the images appeared first. Participants had difficulty remembering the correct order of images that appeared on opposite sides of a hard boundary, possibly because the brain had segmented those images into separate memory folders.

Amplify Event Boundaries

Rutishauser said that therapies that improve event segmentation could help patients with memory disorders. Even something as simple as a change in atmosphere can amplify event boundaries, he explained.

"The effect of context is actually quite strong," Rutishauser said. "If you study in a new place, where you have never been before, instead of on your couch where everything is familiar, you will create a much stronger memory of the material."

In follow-up studies, the team plans to test the theory that boundary and event cells activate dopamine neurons when they fire, and that dopamine, a chemical that sends messages between cells, might be used as a therapy to strengthen memory formation.

Rutishauser and his team also noted during this study that when event cells fired in time with one of the brain's internal rhythms, the theta rhythm-a repetitive pattern of activity linked to learning, memory and navigation-subjects were better able to remember the order of images they had seen. This is an important new insight because it shows that deep brain stimulation that adjusts theta rhythms could prove therapeutic for memory disorders.

"Theta rhythms are thought to be the 'temporal glue' for episodic memory," said Zheng, first author of the study. "We think that firing of event cells in synchrony with the theta rhythm builds time-based links across different memory folders."

THE WALL

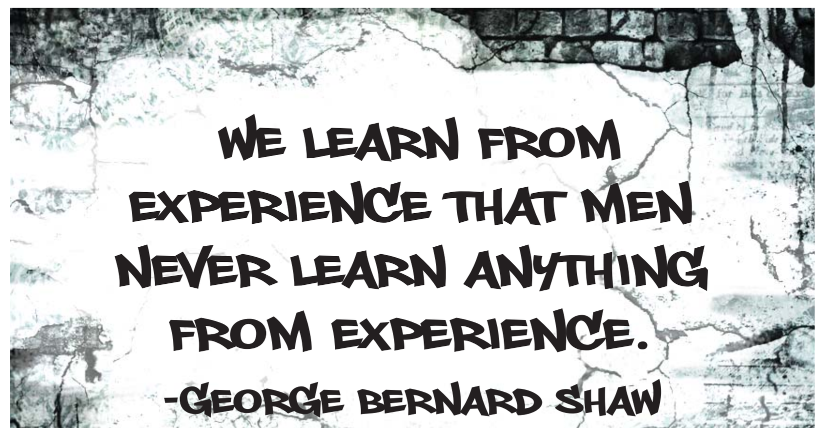

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

पुलिस टीम ने घर में बने पार्क से 380 अफीम के पौधे बरामद किए

डीएसटी टीम और जंक्शन पुलिस ने एक साथ कार्रवाई की

हनुमानगढ़, (निसं)। डीएसटी टीम और जंक्शन पुलिस ने एक साथ कार्रवाई करते हुए एक मकान में बने पार्क से बड़ी संख्या में अफीम के पौधे बरामद किए हैं। जंक्शन पुलिस ने डीएसटी टीम के सहयोग से सिविल लाइंस इलाके में एक घर मे दबिश दी। घर मे बने पार्क से 380 पौधे अफीम के बरामद किए। मुखबिर की सूचना पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। मकान मालिक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जंक्शन थानाधिकारी अशोक बिश्नोई ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि सिविल लाइन स्थित एक मकान के पार्क में अफीम के पौधे उगाए हुए हैं। जांच के बाद पुलिस टीम ने रविवार सुबह 11 बजे सिविल लाइन में जिला परिषद रोड स्थित मकान पर छापा मारा। घर के पार्क में उगाए गए अफीम के 380 पौधे जब्त किए। इस संबंध में मकान मालिक कमल पुत्र इन्द्रचन्द के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

जिले में अफीम तस्करी के अलावा अफीम के पौधे उगाने का यह इन दिनों का दूसरा मामला है। अफीम के पौधे पकड़ने की पुलिस की यह दूसरी कार्रवाई है। इससे पहले सदर थाना पुलिस ने डीएसटी के सहयोग से पांच मार्च को गांव जंडावाली के पास ढाणी से अफीम की खेती करते एक जने को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने अफीम के 130 पौधे जब्त कर खेत मालिक को मौके से गिरफ्तार भी किया था। अब सिविल लाइंस में भी अफीम के पौधे घर के बने पार्क में उगाने के मामले सहित ये इन दिनों का दूसरा मामला सामने आया है। जंक्शन थाने के एएसआई शैलेष चंद्र के नेतृत्व में अफीम के पौधे बरामद करने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस टीम में हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह, सुभाषचंद्र और श्रवण कुमार शामिल रहे। हालांकि इस प्रकरण में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

आरएसी के जवान ने व्यापारी के साथ मारपीट की

व्यापारियो ने आक्रोश जताते हुए बाजार बंद किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। सोमवार दोपहर 12 बजे करीब फब्बारा चौक पर पवन इलैक्ट्रिक की दुकान के सामने तीन महिलाएं खड़ी थी। व्यापारी पुत्र आशीष गुप्ता ने महिलाओं से दुकान के सामने से हटने को कहा तो इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। कहासुनी इतनी बढ गई कि मामला मारपीट तक पहुंच गया।

महिलाओं ने अपने रिश्तेदार आरएसी के जवान को मौके पर बुला कर जिसने व्यापारी पुत्र के साथ मारपीट की। मारपीट होती देख आसपास के

- **पूर्व विधायक के नेतृत्व में थाने पर दिया धरना**
- **एएसपी के आश्वासन के बाद व्यापारियों ने खोला बाजार**

गंगापुर सिटी थाने में घटना के विरोध में व्यापारियों ने धरना दिया।

दुकानदार मौके पर एकत्रित हो गए। अचानक हुई घटना से व्यापारियो में आक्रोश फैल गया। सूचना पर तुरंत ही उप पुलिस अधीक्षक मुनेश कुमार मीना व कोतवाली थानाधिकारी मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और व्यापारियों से वार्ता कर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए कहा। सूचना मिलते ही घटना के विरोध में पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, सभापति शिवरत्न अग्रवाल, पूर्व उपसभापति दीपक सिंहल व्यापारियों के साथ थाने पहुंचे व आरोपी आएसी जवान के खिलाफ कार्रवाही की मांग को लेकर थाने में धरने पर बैठ गए।

इस दौरान एएसपी सुरेश खिंची, पुलिस उपाधीक्षक मुनेश मीना, थानाधिकारी करण सिंह राठौड ने पूर्व विधायक से वार्ता कर धरना समाप्त करने को कहा परन्तु बिना किसी ठोस आश्वासन के धरना समाप्त करने को तैयार नहीं हुए। तीनों अधिकारियों ने अलग से वार्ता कर उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया व एएसपी सुरेश खींची ने आश्वासन दिया कि आरोपी के खिलाफ सस्पेंशन की कार्रवाही सहित प्रभावी कार्रवाही की जायेगी उसके बाद ही पूर्व विधायक धरना समाप्त करने को राजी हुए। पूर्व विधायक गुर्जर ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए अधिकारियों के द्वारा दिए गए आश्वासन के बारे में बताया वे सभी की राय जानी और सभी व्यापारियों के द्वारा एक स्वर से हां करने के बाद धरना समाप्त करने की घोषणा की और व्यापारियो से कहा कि हम हर समय आप लोगो के साथ है।

किसी भी व्यापारी को पुलिस ही नहीं गुण्डा बदमाश भी परेशान नहीं कर पायेगा। अगर कोई व्यापारियों को परेशान करेगा तो हम व्यापारियों की सुरक्षा के लिए ईंट से ईंट बजा देंगे। इस दौरान पार्षद व व्यापार महासंघ अध्यक्ष केके झाम, गौरव मंगल, गोविन्द गुप्ता बरनाला, दिनेश कुनकटा, शिवदयाल जोशी, वेदप्रकाश सोनवाल, गिरधारी लाल, मनोज बंसल, हाजी जमील खान, संजय गोयल सहित नया बाजार के सभी व्यापारी आदि मोजूद थे।

दोनों पक्षों के द्वारा कराया मामला दर्ज :- थाना कोतवाली में दोनो पक्षों ने परस्पर मामले दर्ज कराए है जिसमें एक पक्ष से पवन कुमार गुप्ता ने एंव दूसरे पक्ष से सुमन कुमारी ने मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों पक्षों का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आईसीडीएस उप निदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी

डूंगरपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर शुभम् चौधरी ने महिला बाल विकास विभाग में उप निदेशक कमला परमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस के अनुसार राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री असहाय, विधवाओं एवं छात्रों की सहायता के प्रति काफी गंभीर है, पालनहार योजनान्तर्गत पात्र व्यक्तियों का सर्वे हेतु उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग को विगत एक माह से निर्देशित

- **कार्य में कोताही करने पर मिला नोटिस**

किया गया है, किन्तु इसकी पालना नहीं की जा रही है। जारी नोटिस के अनुसार 21 मार्च, सोमवार को साप्ताहिक बैठक में पालनहार की सर्वे रिपोर्ट के बारे में पूछने पर उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग के निरूत्तर रहने एवं कोई सूचना नहीं दे पाने, बाल विकास परियोजना अधिकारीगण द्वारा सीधे ही सूचना सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता को भेजने की बात कहने पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी द्वारा ऐसी कोई सूचना प्राप्त नहीं होना बताना, जिससे पर्यवेक्षन का पूरा अभाव प्रदर्शित होने पर कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त उप निदेशक महिला एवं बाल विकास को पूर्व में मौखिक चेतावनी देने के बावजूद पुनः साप्ताहिक समीक्षा बैठक में एक घंटा विलम्ब से उपस्थित हुए।

आरोपी गिरफ्तार

हिण्डौन सिटी, (का.सं.)। गत दिवस शहर के बड का पुरा निवासी एक युवक की हुई हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार गत दिव शहर के बड का पुरा निवासी एक युवक की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इन्दौलिया के निर्देशन में वांछित अपराधियों एवं संगीन प्रकरणों में वांछित आरोपियों की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थानाधिकारी नईमण्डी गिर्राज प्रसाद पुलिस निरीक्षक मय टीम हत्याकाण्ड में वांछित आरोपी जमना लाल पुत्र दौजीराम जाति जाटव निवासी पावटियान का पुरा थाना नई मण्डी को गिरफ्तार किया गया।

लूट के इरादे से की थी व्यापारी गणेश गुप्ता की हत्या, चार गिरफ्तार

करौली, (निसं)। करौली में होली से 1 दिन पूर्व व्यापारी गणेश गुप्ता की हुई हत्या का कोतवाली थाना पुलिस ने अथक मेहनत कर पर्दाफाश करते हुए हत्या में शामिल चार शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। व्यापारी गणेश गुप्ता हत्याकांड का खुलासा करने के लिए कोतवाली थाना अधिकारी रामेश्वर दयाल मीणा के नेतृत्व में एएसआई चंद्र हुसैन, हैड कांस्टेबल नटवर, कांस्टेबल सुग्रीव, कांस्टेबल रीडर सत्येंद्र, नरेश,एएसआई राजवीर सिंह कोतवाली थाना स्टाफ ने व्यापारी गणेश गुप्ता हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया। जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इंदौरिया ने बताया कि गत 16 मार्च को रात्रि के समय मेला मैदान स्थित अपनी दुकान पर नौकर को खाना पहुंचाने जा रहे व्यापारी गणेश गुप्ता की लूट के इरादे से थैले में बड़ी रकम होने की संभावना से व्यापारी गणेश गुप्ता की बदमाश लुटेरों द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

उक्त घटना का साइबर सेल करौली तथा थाना अधिकारी कोतवाली रामेश्वर दयाल मीणा सदर थाना अधिकारी द्वारा पर्दाफाश करते हुए हत्या में शामिल आरोपी लखन पुत्र धनीराम जाटव निवासी नथुआ नगर करौली, ओम पुत्र मनीष मीणा निवासी नारायणा थाना मासलपुर, राहुल पुत्र भरोसी कोली निवासी हिंडौन गेट बाहर हॉस्पिटल के पीछे करौली एवं रवि पुत्र दयाल माली निवासी केशवपुरा करौली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि मृतक के पुत्र आशीष कुमार निवासी कोटे महोली ने कोतवाली थाने पर मामला दर्ज कराया

कोतवाली थाना पुलिस की गिरफ्त में व्यापारी गणेश गुप्ता की हत्या के चार नामजद आरोपी।

कि मेरे पिता गणेश लाल गुप्ता निवासी कोटे हाल निवासी झील का हार करौली ने आज से करीब 3 दिन पहले करौली के मेले में किराने की दुकान लगाई थी। रात्रि को 8 बजे दुकान बंद कर में और मेरे पिताजी और मेरी दो छोटी बहन घर चले गए दुकान पर नौकर अशोक सैनी को रखवाली के लिए छोड़ गए थे। घर जाकर हम लोगों ने खाना खाया रात्रि 9 बजे मेरे पिताजी गणेश गुप्ता नौकर अशोक को खाने का टिफिन देने के लिए मेला गेट बाहर दुकान पर गए थे। इस दौरान रात को अशोक का फोन आया कि मेरा खाना लेकर अंकलजी अभी तक नहीं आए हैं तो मैंने कहा कि वह घर से पैदल गए हैं थोड़ी देर में पहुंच जाएंगे उसके बाद रात्रि के समय 10 बजे मेरे पिताजी के फोन से सरकारी अस्पताल करौली से सूचना मिली कि पिताजी के साथ दुर्घटना हो गई है। जो हॉस्पिटल में गंभीर हालत में भर्ती हैं मैं घटना के बाद अस्पताल पहुंचा जहां मुझे पता चला कि बदमाश व्यक्तियों ने मेरे पिता पर हमला कर मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया है। जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है।

होली का पर्व होने के कारण आरोपियों को पैसों की आवश्यकता होने से किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई तथा वारदात को अंजाम देने की फिराक में यह लोग प्रातः से ही घूमने लग गए थे। उन्होंने बताया कि 16 मार्च को शाम 7 बजे के करीब मृतक गणेश लाल गुप्ता अपनी दुकान को बंद कर नौकर को छोड़कर पुत्र के साथ घर चले गए मृतक गणेश गुप्ता अपने नौकर अशोक को खाना लेकर रात 9 बजे करीब मेला गेट स्थित अपनी परचून की दुकान पर आ रहे थे। जैसे ही मेला ग्राउंड के पास तीन दरवाजा पर पहुंचे तो आरोपियों की नजर गणेश गुप्ता पर पड़ी और हाथ मे थैला होने के कारण आरोपियों में और अधिक लालच हो गया कि यह व्यक्ति दिनभर की दुकान की बिक्री के पैसे लेकर जा रहा है तथा लूट करने के उद्देश्य से हमला कर मारपीट करने लग गए मृतक द्वारा विरोध करने पर चारों व्यक्तियों द्वारा गंभीर रूप से लाठी-डंडों से मारपीट कर थैले को लूट कर ले गए और गणेश गुप्ता की मौके पर ही मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि घटना का पर्दाफाश करने के लिए अलग-अलग पहलुओं की जांच हेतु पांच टीमें बनाई गई।

शाहपुरा-जहाजपुर मार्ग पर वाहन की टक्कर से युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शाहपुरा थाना क्षेत्र से गुजर रहे शाहपुरा-जहाजपुर मार्ग पर बीती रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। शव की अभी पहचान नहीं हो पाई है। शव राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। शाहपुरा थाना प्रभारी घनश्याम सिंह देवडा ने बताया कि करीब 30 वर्षीय एक युवक बीती रात पैदल ही शाहपुरा-जहाजपुर मार्ग से गुजर रहा था। इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने इस युवक को चपेट में ले लिया। इसके चलते युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को जहाजपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत बताते हुये शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। पुलिस शव की पहचान के प्रयास कर रही है, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी सिंह के अनुसार, अज्ञात युवक मुस्लिम समुदाय से हो सकता है।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

सूरौठ, (नि.सं.)। करौली में 16 मार्च की रात्रि लगभग करीब 8:30 बजे सरेआम कुछ लोगों द्वारा गणेश बंसल की दुकान पर जाते समय सरिये एवं लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के 6 दिन बाद भी आज तक अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसी प्रकार गढ़ खेड़ा गांव में दुकानदार के साथ मारपीट व फायरिंग की घटना को लेकर जिले के अग्रवाल समाज में रोष है। जिसको लेकर सोमवार को सूरौठ अग्रवाल समाज के लोगों ने सूरौठ इकाई अध्यक्ष घनश्याम मंगल महामंत्री सत्यप्रकाश सिंघल व तहसील अध्यक्ष सतीश जिंदल के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने सूरौठ तहसील पहुंचकर जिला कलेक्टर के नाम सूरौठ तहसीलदार धर्म सिंह जाटव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि 18 मार्च को गढ़खेड़ा के समाज कंटक द्वारा व्यापारी से मारपीट की गई वहीं अब परिवार को धमकियां दी जा रही है जिससे पीडित सतीश चंद्र व उसके परिवार सहित गांव

- **कलेक्टर के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन**

के लोगों में भय व्याप्त है पुलिस ने चार दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की है।

उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के मौके पर व्यापार मंडल पूर्व अध्यक्ष सतीश नागरिया, अग्रवाल समाज युवा पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश गोयल, अखिल भारतीय अग्रवाल युवा महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष देवानन्द गुप्ता, वर्तमान युवा अध्यक्ष राहुल नागरिया सूरौठ तहसील अध्यक्ष सतीश जिंदल, इकाई अध्यक्ष घनश्याम मंगल महामंत्री सत्यप्रकाश सिंघल विनोद गोयल विष्णु मंगल व अरविंद गोयल सहित अग्रवाल समाज के गणमान्य लोग ज्ञापन सौपने के इस मौके पर रहे उपस्थित थे।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। दोस्त बनकर घर पर आए युवक के नाबालिग के साथ अश्लील हरकत कर छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को क्रिश्चियनगंज थाना पुलि स ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। क्रिश्चियन गंज थाना अधिकारी डॉ. रवीश सामरिया ने बताया कि गत दिनों थाने पर पीड़ित पिता ने उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करवाई थी।

दर्ज शिकायत में बताया कि वह क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र में फ्लैट्स बनाने वाल ी कंपनी में सुपरवाइजर का काम करता है, वह अपने परिवार के साथ ही एक कमरे में रहता है। इस दौरान उसकी रिंकू जायसवाल नाम के व्यक्ति से दोस्ती हुई, रिंकू ने खुद को उसके गांव का ही रहने वाला बताया, दोस्ती होने के बाद रिंकू का घर पर आना जाना लगा

- **करौली के रहने वाले आरोपी रिंकू को गिरफ्तार किया**

रहता था। पीड़ित पिता ने बताया कि रिंकू जायसवाल पुत्र रमेशचंद जायसवाल एक दिन घर आया, रिंकू जिस वक्त घर पर आया उस वक्त उसकी 13 साल की बच्ची घर में अकेली थी, जबकि उसकी पत्नी बाहर गई थी, जिसका फायदा उठाकर बच्ची को अकेला देखकर उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा लड़की अपने आप को बचाकर अपनी मां के पास पहुंची और घटना की पूरी जानकारी दी। पीड़ित पिता की रिपोर्ट पर क्रिश्चियन गंज थाना पुलि स ने पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और मामले में जिला करौली के रहने वाले आरोपी रिंकू जायसवाल पुत्र रमेश चंद जायसवाल को गिरफ्तार किया, पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

राज्यपाल मलिक का जोधपुर के गांवों में स्वागत, सिक्कों से तोला

जोधपुर, (कासं)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आज जोधपुर के ग्रामीण इलाकों में आयोज्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनकी आवभगत करने के साथ ही स्वागत सत्कार किया। गावों में उन्हें सवा लाख के सिक्कों से भी तोला गया।

सोमवार को मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक का जोधपुर से पीपाड़ पहुंचने पर जगह-जगह ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। दोपहर बाद साथीन पहुंचने पर भूजल बोर्ड राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनिवास कुडिय़ा की अगुवाई में राजस्थानी परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया। इस दौरान राज्यपाल को सवा लाख सिक्कों से तौला गया। सरपंच महिपाल भडिय़ार की ओर से राज्यपाल को माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व पाली सांसद बद्रीराम जाखड़, सरपंच संघ अध्यक्ष प्रमिला चौधरी, जिला परिषद सदस्य दिव्या कुडिय़ा, पीपाड़ प्रधान सोनिया जयंत चौधरी, विरेन्द्र सिंह मुन्दियाड़ा, श्रवण कुडिय़ा, सुखाराम मुन्दियाड़ा सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

जौल सरपंच के साथ मारपीट का मामला दर्ज

टोडाभीम, (नि.सं.)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत जौल सरपंच के साथ कुछ लोगों के द्वारा मारपीट कर रुपए छीनने का मामला पीड़ित सरपंच के द्वारा स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज करवाया गया है। थाना अधिकारी रामखिलाड़ी मीना ने बताया कि ग्राम पंचायत जौल सरपंच भरतलाल मीना के द्वारा दी गई प्राथमिकी के माध्यम से बताया कि 19 मार्च को वह सुबह 9 बजे अपनी बोलेरो गाड़ी से डोरावली होते हुए ग्राम पंचायत के गांव बिशनपुरा में ग्राम पंचायत के कार्य से जा रहा था तो रास्ते में जौल गांव में एक दुकान पर पानी की बोतल लेने रुक गया। वहां पहले से ही 10-15 लोग दुकान पर बैठे हुए थे जहां पर घनश्याम ठेकेदार ने उसके साथ गाली गलौच की गई।

इतने में ही मेरा पुत्र जितेंद्र उर्फ जम्मू आ गया उसने ठेकेदार से कहा कि मेरे पिता को गाली गलौच क्यों कर रहा है। जिस पर उसने मेरे पुत्र को धारदार हथियार से जान से मारने की नियत से सिर में चोट मारी जिससे वह गिर कर घायल हो गया। इसके साथ ही आरोपियों ने मेरी बोलेरो गाड़ी के शीशे तोड़ दिए तथा गाड़ी में रखे हुए 30 हजार रुपये चुरा कर ले गए। आरोपियों के द्वारा मेरे साथ मारपीट के दौरान गले से सोने की चेन भी तोड़ कर ले गए। ग्राम पंचायत सरपंच की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी कर दिया है।

सरपंच के साथ मारपीट की घटना को लेकर सरपंच संघ ने जताया आक्रोश : - ग्राम पंचायत जौल सरपंच के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर सरपंच संघ की बैठक पंचायत समिति सभागार में आयोजित की गई। बैठक में चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में सरपंचों सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों के साथ आएदिन हो रही मारपीट की घटना को लेकर सरपंच संघ ने आक्रोश जताया है।

हाल ही में जौल ग्राम पंचायत के सरपंच भरतलाल मीना के साथ कुछ बदमाशों के द्वारा मारपीट करने सहित उसकी गाड़ी के शीशे तोड़ने की घटना को लेकर क्षेत्र के सरपंचों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि गत दिनों टोडाभीम सरपंच संघ के अध्यक्ष व नांगल शेरपुर सरपंच राकेश मीना के साथ मॉर्निंग वॉक के दौरान मारपीट की गई थी। उसी तरह की घटना की पुनरावृत्ति जौल सरपंच भरतलाल मीना के साथ कि गई है जिसका सरपंच संघ के द्वारा विरोध करने के साथ ही थानाधिकारी से मिलकर सरपंच के साथ मारपीट की घटना में लिप्त आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करता है।

आठ फीट गहरी खाई में गिरी कार, एक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। नेशनल हाईवे-8 पर एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई और सड़क किनारे 8 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार में बैठे 12 साल के बच्चे की मौत हो गई और उसके मां-बाप समेत एक ही परिवार के 5 लोग घायल हो गए। कार में बैठे लोग मध्य प्रदेश के नीमच के सोनियाना गांव के रहने वाले हैं और उदयपुर से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे। बिछीवाड़ा थाने के हैड कांस्टेबल ने बताया कि एनएच-8 पर बरोठी पैट्रोल पंप के पास जाते ही कार बेकाबू होकर पलट गई और हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

हादसे में नितिन पुत्र धनराज कुमावत के सिर पर गंभीर चोंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नितिन के पिता धनराज पुत्र शंकरलाल कुमावत, मां टीना, कार ड्राइवर राजेंद्र कुमावत उसकी पत्नी भावना, पुरुषोत्तम पुत्र बाल मुकुंद कुमावत गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को गुजरात के हिम्मतनगर हॉस्पीटल लेकर गए है, जहां उनका इलाज करवाया जा रहा है। हादसे को लेकर नीमच,मध्यप्रदेश में परिवार को सूचना दे दी है।

महामंडलेश्वर राममिलन दास पंचतत्व में विलीन

लखनऊ अखाडे के संत, सवाई माधोपुर, गंगापुर शहरी क्षेत्र के अनेक संतगण मौजूद रहे

गंगापुर सिटी, (निसं)। स्थानीय जानकी बाडी मंदिर नसिया कॉलोनी के महात्यागी संत के परलोक गमन पर की साज-सज्जा व बैंडबाजे के साथ चकढोल शव यात्रा निकाली गई।

गत दिवस आकस्मिक पर लोकगमन करने वाले गंगापुर शहर के नसिया कॉलोनी स्थित जानकी बाडी हनुमान मंदिर को सन 1987 के लेकर लगभग 35 वर्षो की अवधि तक संपन्न करने, लगभग तीन बार यज्ञ कराने वाले अनेकों बार श्रीमद्भागवत कथा का व्यास गद्दियों से आयोजन कराने वाले और बस्ती को खुशहाल करने में महत्ती भूमिका का निर्वहन करने वाले महात्यागी महामंडलेश्वर लखनऊ अखाडा पीठ के मठाधीश श्रीराममिलन दास महाराज की चकढोल अंतिम शवयात्रा संपूर्ण कॉलोनी के परीक्षेत्र में साज-सज्जा के साथ रथ में विराजमान कर बैंडबाजों के साथ निकाली गई जिसमें संपूर्ण कॉलोनी के प्रबुद्धजन महिलाएं, बच्चे सभी के द्वारा अपनी अपार श्रद्धा के जुडाव होने के कारण अत्यधिक संख्या में भाग लिया गया।

इस दौरान लखनऊ अखाडे के संत महात्मा, जिला सवाई माधोपुर, गंगापुर शहरी क्षेत्र के अनेक संतगण उपस्थित रहे। चकढोल शव यात्रा के दौरान सभी ने नारियल, पुष्पमाला, पीत वस्त्र, दक्षिणा अर्पित कर मठाधीश महामंडलेश्वर महात्यागी को नम आँखों से अंतिम विदाई दी। चकढोल शवयात्रा को संपूर्ण कॉलोनी में भ्रमण कराने के पश्चात मंदिर प्रांगण में ही महात्यागी के लखनऊ पीठ के महात्माओं के नियम व निर्देशानुसार कृपापात्र चेला संत भाइयों द्वारा मुखाग्नि दी गयी और उसी स्थान पर संत महात्माओं और कॉलोनीवासियों द्वारा विधि-विधान पूर्वक संपूर्ण संस्कार करने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण कई निर्णय लिये गये। अयोध्या आश्रम से उनके भतीजों के इन्तजार में उनके पार्थिव शरीर को आमजन के दर्शनों के लिए मंदिर प्रांगण में रख दिया।

गंगापुर सिटी महात्यागी संत के चकडोल में भीड़ उमड़ी।

- **चकडोल में उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब**

समाजसेवी व भक्त धनेश शर्मा ने बताया कि चकढोल शवयात्रा के दौरान साथ चल रहे ब्राह्मण समाज अध्यक्ष हेमन्त शर्मा, पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर व सभापति शिवरतन गुप्ता द्वारा कहा गया कि निश्चित रूप से इतनी अधिक संख्या में श्रद्धा का जनसैलाब उमडने से यह प्रतीत होता है कि इस प्रकार के महामंडलेश्वर संत महात्मा का सानिध्य कॉलोनीवासियों, शहरवासियों के लिए सौभाग्यशाली, पुण्यकर्म फल होता है और हम सभी इस श्रद्धा के जनसैलाब को देखकर उनके प्रति क्षेत्रवासियों की गहरी व वास्तविक श्रद्धा को नमन करते हैं। हम सभी को संत महात्मा महामंडलेश्वर की पुण्यात्मा की परमात्मा से शांति की प्रार्थना करते हुए हम सभी को सदा ही उन पुण्यात्मा के आशीर्वाद से कॉलोनी व संपूर्ण शहरीक्षेत्र के कल्याण की कामना करनी चाहिए।

इस अवसर पर पार्षद रामबाबू शर्मा, पूर्व पार्षद अशोक शर्मा, पार्षद कुबेर मेडिकल, कमलेश महावर, रवि गोठवाल, सुरेश चंद शर्मा, सुधींद्र मिल्की, सूरज गर्ग, सूर्यप्रकाश शर्मा, धन्नो सारस्वत, राजीव नरूका, भाजपा प्रवक्ता धनेश शर्मा, गजेंद्रवल्लभ, रमेश शर्मा, पूर्व पार्षद भरत मीना, डॉ. योगेश, डॉ. मुकेश व्यास, भूपेश शर्मा, घनश्याम गुर्जर, कुट्टू सरपंच, गुड्डु मीना, मनोज मीना, रामकेश लेदीया, महेश चंद,अमित मीणा पीपी, बन्टू फोटोग्राफर, जगदीश मिश्र, हजारी सोनी, सुरेन्द्र गुर्जर, राजेंद्र शर्मा, सोनू राजावत, अशोक चौधरी, बिक्की सैनी, बंटी सैनी, अंकित तवंर, रामस्वरूप महावर, रमेश महावर और सैकडों की संख्या में कॉलोनीवासी भक्तगण, महिलाएं, पुरुष व बच्चे उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त कैलाश नाथ को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

एसआई मोटर व्हीकल भर्ती में नियुक्ति देने पर लगी रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई मोटर व्हीकल भर्ती-2021 में सफल अभ्यर्थियों को नियुक्त देने पर रोक लगा दी है। हालांकि अदालत ने कर्मचारी चयन बोर्ड को छूट दी है कि वह चाहे तो भर्ती का परिणाम जारी कर सकता है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश मनीष कुमार व अन्य की याचिका पर दिए।

प्रशिक्षण शिविर शुरू

निवाई। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय टोंक एवं स्थानीय संघ निवाई द्वारा रानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर एवं जिला स्तरीय अनुसूचित जाति जनजाति आवासीय पांच दिवसीय शिविर का शुभारम्भ शिविर संचालक के. मोतीलाल महीचा, ईश्वरसिंह नेहरा व हरिशंकर शर्मा ने ध्वजारोहण कर किया।

लखन प्रजापत की संदिग्ध आत्महत्या मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

किशनगढ़ बास, (निसं)। किशनगढ़ बास पुलिस थाना की कार्रवाई से असंतुष्ट 22 गांव के करीब दो दर्जन प्रजापत समाज के लोग रविवार को पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव से मिले।

प्रजापत समाज के लोगों ने पुलिस की कार्यशैली को लेकर कई सवाल उठाते हुए शिकायत की है। पूर्व विधायक ने प्रजापत समाज के लोगों की शिकायत पर डीएसपी से फोन पर वार्ता की और निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई के लिए कहा है। प्रजापत समाज के लोगों ने डीएसपी को भी इस मामले में लिखित में शिकायत सौंपी है।

- पुलिस की कार्यशैली से असंतुष्ट प्रजापत समाज के लोग पूर्व विधायक से मिले

22 गांव के करीब दो दर्जन प्रजापत समाज के लोग पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव से मिले।

प्रजापत समाज के लोगों ने पूर्व विधायक रामहेत यादव को बताया है कि पिछले दिनों किशनगढ़बास के चाकरवाटी मौहल्ला निवासी करणसिंह पुत्र लखन प्रजापत 24 फरवरी 2022 को घर से लापता हो गया था। जिसे लेकर किशनगढ़बास थाना में परिजनों द्वारा गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। लेकिन थानाधिकारी की ओर से आजतक कोई कार्यवाही नही गई। 26 फरवरी को करणसिंह के पास रेवाडी थानाधिकारी का फोन आया था कि उसके पुत्र ने रेवाडी के सागर होटल में आत्महत्या कर ली है। जिसमें पुलिस को सुसाईड नोट मिला था जिसमें लिखा था कि मे अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूँ। इसके बाद 27 फरवरी को रेवाडी में पोस्टमार्टम हुआ जिसकी रिपोर्ट आज तक परिजनों को नहीं मिली है।

रविवार को पूर्व विधायक यादव से मिलने पहुंचे 22 गांवों के प्रजापत समाज के लगभग 2 दर्जन मुख्य लोगों ने समाज अध्यक्ष प्रकाश प्रजापत के साथ बताया करण सिंह का लड़का लखन प्रजापत आत्महत्या नहीं कर सकता वह अपनी पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने उसका मोबाईल जब्त किया है जिसकी कॉल डिटेल व खाते की जांच और उसके दोस्तों से भी पुलिस ने कोई पूछताछ नहीं की एवं आत्महत्या बताकर मामले को रफा-दफा करना चाहती है।

पूर्व विधायक ने प्रजापत समाज के लोगों के सामने डीएसपी से फोन पर युवक लखन प्रजापत प्रकरण में बात की और शीघ्र जांच पूरी कर कार्रवाई के लिए कहा। प्रजापत समाज के लोगों ने डीएसपी से मुलाकात कर कार्यवाही आगे बढ़ाने एवं निष्पक्ष जांच करने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया है।

मुलाकात के दौरान समाज के चंदराज प्रजापत, बाबूलाल, मदनलाल, भीमाराम, रोहताश कुमार, अध्यापक रमेशचंद, डॉ. राजेश कुमार, सुनील कुमार, रामफल, पप्पूराम, चंदरराम, मामराज, हरनारायण आदि बोलनी, मोठूका, देवता, बम्बोरा, बगथला, मांचा, बासकृपालनगर, खानपुर मेवान, किशनगढ़बास, बासकृपालनगर, मूसाखेड़ा, बाघोर आदि गांवो के प्रजापता समाज के लोग मौजूद थे।

गुलाबी शहर का वैभव बरकरार रखने के प्रयास करें : मुख्य सचिव

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने गुलाबी शहर जयपुर के वैभव को बरकरार रखने एवं आमजन को सार्वजनिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन, आवारा मवेशियों को सड़कों और मुख्य रास्तों से हटाने, ट्रैफिक व्यवस्था, निगम क्षेत्र (हेरिटेज एवं ग्रेटर) में संचालित डेयरियों को शिफ्ट करने, पार्किंग व्यवस्था और आम रास्तों को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए हैं।

शर्मा सोमवार को शासन सचिवालय में उच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति (हाई पॉवर कमेटी) की 19वीं बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जयपुर शहर की पार्किंग को ऐसे विकसित करें कि वह अन्य शहरों के लिए एक मॉडल बनकर उभरे। इसके लिए जयपुर शहर में सार्वजनिक पार्किंग का सर्वे करें जिससे आवश्यकता अनुसार शहर में पेड पार्किंग की व्यवस्था की जा सके। बैठक में शहर के मुख्य मार्गों पर संचालित बीआरटीएस कॉरिडोर की उपयोगिता, निर्माणाधीन एलिवेटेड सड़कों-फ्लाईओवर, घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे से बिजली बनाने के प्लांट, कॉलोनियों में आम रास्तों पर अवैध गेट को हटाने समेत कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बैठक में नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव कुंजी लाल मीणा, स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव जोगाराम, परिवहन विभाग के आयुक्त महेन्द्र सोनी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

विराटनगर विधानसभा क्षेत्र को कई बड़ी सौगातें

पावटा, (निसं)। राजस्थान विधानसभा में बजट के दौरान विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर की अनुसंशा व मांग पर विराटनगर के युवाओं को बड़ी सौग़ात देते हुए विराटनगर महाविद्यालय को पीजी में क्रमोन्नत व विज्ञान व वाणिज्य संकाय खोलने, गोविंदपुरा धाभाई में पीएचसी खोलने, भाबरू व प्रागपुरा थाना सीआई थाने में क्रमोन्नत की घोषणा की सूचना मिलते ही क्षेत्र में लोगों ने मुंह मीठा करा कर एक दूसरे को बधाई दी।

विराटनगर महाविद्यालय को पीजी में क्रमोन्नत व विज्ञान व वाणिज्य संकाय खुलने से विराटनगर ही नहीं अपितु आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। लंबे समय से विराटनगर महाविद्यालय को पीजी में क्रमोन्नत व विज्ञान व वाणिज्य संकाय खोलने की मांग की जा रही थी। विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन हेतु बाहर नहीं जाना पड़ेगा और विराटनगर में ही उनको विज्ञान व वाणिज्य संकाय की शिक्षा मिल सकेगी।

विधायक इंद्राज गुर्जर ने विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर प्रयास किए उसी का परिणाम है कि आज बजट में कई बडी सौगातें मिली। विधायक इंद्राज गुर्जर ने बताया कि इस घोषणा से यहां के होनहार युवा पढ़ाई करके अपना सुनहरा भविष्य बनाएंगे। देश-प्रदेश में क्षेत्र का नाम रौशन करेंगे। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में नए युग का सूत्रपात होगा, अभी विज्ञान व वाणिज्य की पढ़ाई के लिए युवाओं को बाहर जाना नहीं पड़ेगा। मौका नहीं मिल पाने के कारण युवा अपना भविष्य नहीं संवार पाते थे और ना ही अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पाते थे। अब प्रतिभा प्रदर्शन का भरपूर मौका युवाओं को मिलेगा। वहीं, ग्रामीण परिवेश के युवाओं को सम्बंधित रोजगार के अवसर पैदा होंगे। युवाओं की मांग व आवश्यकताओं को देखते हुए मांग की। घोषणा होने पर युवाओं में खुशी की लहर छा गई।

कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

No.:F-2(01)Acct/Contract/2021/560-562 Date: 21-03-2022

अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या: 91/2021-22

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यों की कुल लागत	:	रूपये 74.95 लाख (1 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	22-03-2022 को प्रात: 10.00 बजे से 28-03-2022 को सांय :6.00 बजे तक
Online EMD,Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	22-03-2022 को प्रात: 10.00 बजे से 28-03-2022 को सांय : 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	29-03-2022 को प्रात: 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : ITU2122WSOB00661

(नीरज माथुर) अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

राजस्थान सरपंच संघ की मांगों के समर्थन में डॉ. पूनिया ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजस्थान सरपंच संघ से प्राप्त ज्ञापन 17 मार्च के क्रम में पत्र लिखकर सरपंच संघ की मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है।

डॉ. पूनिया ने गहलोत को पत्र में लिखा कि, "सरपंच संघ की विभिन्न मांगों पर राज्य सरकार से वार्ता होने के उपरान्त भी आदेश प्रसारित नहीं किये जाने से प्रदेश के समस्त सरपंचों में व्याप्त निराशा एवं आक्रोश तथा मांगों की पूर्ति हेतु किये जाने वाले आंदोलन" के संबंध में मुझे प्राप्त हुआ है।

जनवरी, 2021 से राजस्थान सरपंच संघ के साथ बार-बार लिखित समझौते एवं वार्ताएं होने के बावजूद भी सरपंच संघ की मांगों पर कोई भी आदेश प्रसारित नहीं किया गया, जिसके कारण सरपंच संघ में घोर निराशा, आक्रोश व्याप्त है एवं राजस्थान के सरपंच संघ ने राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिये आंदोलन करने का निर्णय लिया है। प्रशासन गांवों के संग अभियान से पहले भी राज्य सरकार व अधिकारियों के साथ लिखित में समझौता होने के बावजूद भी किसी तरह के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आये हैं।

सरपंच संघ की प्रमुख मांगों में ग्राम पंचायतों के विकास के लिये राज्य वित्त आयोग और पन्द्रहवें वित्त आयोग की बकाया राशि जारी करने, पंचायतों में मानदेयकर्मियों के भुगतान के लिए अलग से बजट का प्रावधान करने, सरपंचों का मानदेय बढ़ाने एवं कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात अंतिम मानदेय की 50 प्रतिशत राशि पेंशन के रूप में देने, प्रधानमंत्री आवास योजना में हटाये गये नाम पुनः जुड़वाने इत्याद सहित अन्य मांगें सम्मिलित हैं।

भवानी सहाय शर्मा की जयंती पर हुए अनेक कार्यक्रम

राजगढ़। सेनानी पंडित भवानी सहाय शर्मा की जयंती पर सोमवार को उत्तर एवं उल्लास के साथ अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए ।

जयंती समारोह के संयोजक दिनेश प्रधान ने बताया कि इस मौके पर प्रातः नौ बजे सेनानी पंडित भवानी सहाय शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर महंत प्रकाश दास महाराज ने कहां की यह महान सेनानी राजगढ़ ही नहीं उन्होंने राजस्थान का नाम रोशन किया है। इस मौके पर उनके बताए मार्ग पर चलने का आव्हान किया। भाजपा नेता बन्नाराम मीणा, देश बंधु जोशी व प्रभु दयाल शर्मा ने अपने विचार रखे।

इससे पूर्व सभी आगंतुकों ने पंडित भवानी सहाय शर्मा की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर राजेश शर्मा ठेकेदार खेम सिंह आर्य,प्रहलादराय सैनी,राहुल दीक्षित प्रदीप शर्मा,मोहन बोहरा, सुखराम मीणा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

'व्यंग्य अन्याय और असामाजिक तत्वों से लड़ने की शक्ति देता है'

जयपुर, (कासं)। वरिष्ठ व्यंग्यकार-कवि एवं मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी, फारूक आफरीदी ने कहा है कि व्यंग्य अन्याय और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। डॉ. लालित्य ललित की व्यंग्य रचनाएं सामाजिक विसंगतियों और विद्रूपताओं पर प्रहार ही नहीं करती बल्कि समाज को संस्कारित एवं परिष्कृत करती हैं।

आफरीदी ने प्रतिष्ठित व्यंग्यकार एवं कवि और नेशनल बुक ट्रस्ट के संपादक, डॉ. लालित्य ललित के 29वें व्यंग्य संग्रहह "पाण्डेय जी की अजब गजब दुनिया" का उज्जैन के प्रेस क्लब में लोकार्पण अवसर पर सारस्वत अतिथि के रूप में यह बात कही। व्यंग्ययात्रा के संपादक डॉ. प्रेमजनमेजय, वरिष्ठ व्यंग्यकार फारूक आफरीदी, विक्रम विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष, डॉ. हरि मोहन बुधौलिया, वर्तमान अध्यक्ष, डॉ. शैलेन्द्र शर्मा, भाषाविद् डॉ. राजेशकुमार, डॉ. उर्मि शर्मा,

डॉ. लालित्य ललित के 29वें व्यंग्य संग्रह का लोकार्पण सोमवार को किया गया।

रणविजय राव, रमेश खत्री, हरीशकुमार सिंह, देवेन्द्र जोशी ने संग्रह का लोकार्पण किया। इसका आयोजन मध्यप्रदेश लेखक संघ, उज्जैन के तत्वावधान में किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि व्यंग्य यात्रा के संपादक डॉ. प्रेम जनमेजय ने कहा कि कबीर सबसे बडे व्यंग्यकार थे। कबीर के आधे गुण भी आज हमारे भीतर नहीं हैं। ललित आज के समय के सच को सामने लाते हैं। व्यंग्यकार को शिव की भांति गरल पीना पड़ता है।

विक्रम विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र शर्मा ने देश में व्यंग्य की वर्तमान स्थिति और डॉ. ललित के व्यंग्य कर्म पर पत्रवाचन किया और सामाजिक सरोकारों के प्रति व्यंग्यकार के दायित्व को रेखांकित किया।

कार्यालय गाम पंचायत बेहरोज पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक-SPL-05 **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2020-21** दिनांक-15/03/2021

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु. राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	सिंगल फेस बोरिंग व टंकी निर्माण कार्य माता के मंदिर के पास बेहरोज	25.3.2022 12PM	25.3.2022 2PM	25.3.2022 3PM	6.00 लाख	12000	200

उक्त कार्यों के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच, ग्राम पंचायत बेहरोज, पं.सं. मुण्डावर (अलवर)

NIB NO.: ZAL2122A1030
UBN NO.: ZAL2122GSLB02079

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बेहरोज, पं.सं. मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक- नपाश्रीमा./2021-22/5242-43 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-21.03.2022

श्री अमीरचन्द नारंग हपुत्र श्री मोहनलाल नारंग जाति पंजाबी निवासी वार्ड नं. 17 सुराणी बाजार श्रीमाधोपुर, जिला-सीकर (राज.) ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 17 सुराणी बाजार	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में गली छोडकर केवलराम खुराना का मकान, पश्चिम दिशा में शामिलाती गली छोडकर बनावरीलाल सैनी का गोदाम व मूलचन्द की दुकान, उत्तर दिशा में हरूलाल खुराना का मकान व दक्षिण दिशा में मैन रोड सुराणी बाजार अवस्थित है।	भूखण्ड व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 18.1 फुट व उत्तर से दक्षिण 40.7 फुट कुल क्षेत्रफल 81.52 वर्गगज या 68.18 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 21.03.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक- नपाश्रीमा./2021-22/5248-49 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-21.03.2022

(1) श्रीमती कविता पत्नी श्री अशोक कुमार सैनी (2) श्रीमती अनिता पत्नी स्व. श्री विजय कुमार सैनी (3) श्रीमती चन्द्रकला पत्नी श्री सुनील कुमार सैनी जाति माली निवासी वार्ड नं. 21 सुराणी बाजार श्रीमाधोपुर, जिला-सीकर (राज.) ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 21 सुराणी बाजार	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है पूर्व दिशा में रामावतार खुटेटा की दुकान, पश्चिम दिशा में रामजीलाल बजाज की दुकान, उत्तर दिशा में आम रास्ता सुराणी बाजार व दक्षिण दिशा में स्वर्गीय रामलाल पंजाबी का मकान अवस्थित है।	दुकान व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप बरामदा पूर्व से पश्चिम 12.8 फुट व उत्तर से दक्षिण 6.2 फुट व दुकान की नाप पूर्व से पश्चिम 15.9 फुट व उत्तर से दक्षिण 27.4 फुट कुल क्षेत्रफल 56.49 वर्गगज या 47.22 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 21.03.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस पर वृक्षारोपण किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस मनाया गया। वनस्पति शास्त्र के व्याख्याता रमेश कुमार ने बताया कि महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र के छात्र-छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स के द्वारा महाविद्यालय के खेल मैदान में अमरूद, चीकू, आम, गुलाब व छायादार सहित कुल ग्यारह पेड़ लगाकर प्रकृति को बचाने का संदेश दिया।

महाविद्यालय निदेशक मोहर सिंह खर्रा ने बताया कि पेड़-पौधे ही पृथ्वी पर ऑक्सीजन की मुख्य स्त्रोत हैं। ऑक्सीजन की कमी मानव जीवन के लिए खतरा है तो इस दिवस को मनाने का खास उद्देश्य लोगों को पेड़ पौधों के महत्व से अवगत करवाना है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. वी. के. सैनी ने बताया कि वनों को बचाए रखने के लिए साल 1971 में यूरोपीय कृषि संगठन की 23वीं आम बैठक में 21 मार्च को हर साल विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया था। लेकिन बाद में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन ने भी वनों के महत्व के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व वन्य दिवस मनाने पर अपनी सहमति दी थी, तब से ही 21 मार्च को यह दिन मनाने की शुरुआत हुई थी। इस अवसर पर उपप्राचार्य विजेंद्र कुमार, विज्ञान संकाय प्रभारी वीरेंद्र यादव, वाणिज्य संकाय प्रभारी मनीष अग्रवाल, व्याख्याता सुशीला देवी, प्रदीप ओझा, तारा कुमावत, हर्षिता सैनी, आनंद बबेरवाल, वसीम अली, रवि कुमार, योगेंद्र श्रीवास्तव,राकेश शर्मा, कमलेश यादव,गोविंद कुमावत, कैलाश कुमार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित था।

पांच ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची बनाने की छूट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटा जिले की किशोरपुरा और खेडली तंवरान, बारां जिले की मेरमाचाह व बरवा और करौली जिले की गोठड़ा ग्राम पंचायत में मतदाता सूची तैयार करने का काम चालू रखने को कहा है। वहीं अदालत ने कहा है कि इस सूची के आधार पर चुनाव नहीं कराए जाए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश पांचों ग्राम पंचायतों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक

चौरु /उनियारा, (निसं)। नियारा कृषि मंडी में किसानों की सरसों की जिंस तुलाई सहित अन्य मामलों को लेकर व्यापारियों के चल रही खींचतान के समाधान हेतु सोमवार को उनियारा उपखंड अधिकारी रजनी के निर्देश पर किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए किसान नेताओं तथा व्यापारियों के बीच बैठक का आयोजन किया गया।

आयोजित बैठक में किसानों की जिंस तुलाई, फसल की राशि वहीं पर दिलवाने सहित अन्य मामलों पर विस्तार रुप से चर्चा की गई। इस दौरान किसान नेता मदन कुमावत ने किसानों की फसल मंडी में तुलवाने,नगद राशि का वहीं भुगतना करने,जिंस बोली के समय व्यापारियों के उपस्थित रहने, भेदभाव नहीं करने सहित कई मुद्दों को बैठक के दौरान उठाएं। वहीं मंडी सचिव प्यारेलाल यादव ने संबंधित किसानों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। इस दौरान मंडी सचिव प्यारेलाल यादव, थानाधिकारी राधाकिशन मीणा, किसान नेता मदन कुमावत,व्यापारी राकेश बढ़ाया, दिनेश पाटोदी सहित किसान तथा व्यापारी उपस्थित थे।

विरासत के संरक्षण, सांस्कृतिक जागरूकता के लिए समन्वित प्रयास जरूरी : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के लिए स्मारकों को सूचीबद्ध करने का कार्य प्रभावी रूप में किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बारे में प्रस्ताव तैयार करने के साथ-साथ स्मारकों के संरक्षण और रख-रखाव की साझा दीर्घकालीन नीति पर भी कार्य किया जाए।

राज्यपाल मिश्र 'राजस्थान की समृद्ध विरासत का संरक्षण' विषय पर सोमवार को राजभवन में आयोजित बैठक में सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्यपाल ने जैसलमेर किले के संरक्षण और सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए वहां अतिक्रमण की समस्या के प्रभावी समाधान पर बल दिया। उन्होंने महाराणा प्रताप का राज्यारोहण दिवस मनाने के सुझाव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसा करने से महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के प्रति आमजन का जुड़ाव और बढ़ेगा।

राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चेतना से ही कोई समाज और राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़ा रह सकता है। इस दृष्टि से बाड़मेर में किराडू मंदिर, उदयपुर के पास जगत मंदिर, भानगढ़,

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक ले कर 'राजस्थान की समृद्ध विरासत का संरक्षण' विषय पर चर्चा की।

अलवर में टहला के पास नीलकण्ठ मंदिर, बिजोलिया के मंदिर, बूंदी में केशवरायपाटन, झालावाड़ की बौद्ध गुफाएं, टोंक स्थित बीसलपुर का शिव मंदिर जैसे बहुत सारे महत्वपूर्ण स्थान हैं जिनके संरक्षण की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के अध्यक्ष तरूण विजय ने कहा कि भारत की विरासत को विदेश से वापस लाने और देश में सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रणकपुर, दिलवाड़ा के जैन मंदिरों, पुष्कर ब्रह्मा मंदिर को यूनेस्को विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिए राज्य सरकार के पुरातत्व विभाग और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को मिलकर प्रस्ताव तैयार करने चाहिए। उन्होंने चित्तौड़गढ़ दुर्ग में जौहर स्थल के विकास और वहां लाइट एण्ड साउण्ड शो शुरू किए जाने का सुझाव दिया। उन्होंने जैसलमेर किले सहित विभिन्न राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों में अतिक्रमण की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन के स्तर पर प्रभावी कार्य किए जाने का आव्हान भी किया।

- राजभवन में राजस्थान की समृद्ध विरासत का संरक्षण विषयक बैठक आयोजित
- 'यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में स्मारकों को जुड़वाने के लिए हो कार्य'

बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल, पर्यटन विभाग के निदेशक निशान्त जैन, संयुक्त सचिव कला एवं संस्कृति पंकज ओझा, पुरातत्व सर्वेक्षण, जयपुर मंडल के अधीक्षक डॉ. प्रवीण सिंह और जोधपुर मंडल अधीक्षक बीरी सिंह सहित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एवं राज्य के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल व्याख्याता भर्ती में वेटिंग लिस्ट से नियुक्ति देने पर लगाई रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती-2018 के हिंदी, भूगोल, अर्थशास्त्र, वाणिज्य और इतिहास सहित अन्य विषयों के पदों पर वेटिंग लिस्ट से अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश नितिन कुमार जैन व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि विवादित उत्तरों के मामले में याचिकाकर्ताओं ने पूर्व में याचिका दायर की थी। मामले में हाईकोर्ट ने गत वर्ष 5 अप्रैल को आदेश जारी कर आरपीएससी को विशेषज्ञ कमेटी गठित करने के आदेश दिए थे। याचिका में कहा गया कि आयोग ने विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट के बिना ही नियुक्तियां देना शुरू कर दिया है। वहीं अब वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति दी जा रही है। ऐसे में यदि कमेटी ने उत्तरों के विकल्प बदल दिए तो फिर से संशोधित परिणाम जारी किया जाएगा। इसलिए आयोग को निर्देश दिए जाए कि वह अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दे। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

क्रमांक- न.पा.फु./स्टोर शाखा/2021-22/3842-3841 दिनांक- 21.03.2022

नीलामी सूचना - 31/2021-22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है निम्नलिखित ठेके/कार्य वर्ष 2022-23 के लिये उनके सामने अंकित दिनांक व समय को निलामी बोली आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पंजिकृत ठेकेदार/पंजिकृत संस्था निश्चित तिथि को नीलामी बोली से पूर्व निर्धारित निविदा शुल्क जमा करवा कर बोली फार्म प्राप्त कर सकता है। निलामी शतेर्क कार्यालय दिवस में उपस्थित होकर पालिका कार्यालय में देखी जा सकती है।। किसी नीलामी बोली को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता में निहित होगा। उक्त बोली सूचना राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर भी देखी जा सकती है।

क्र. सं.	नाम नीलामी	ठेका निलामी बोली दिनांक	अमानता जमा करने का समय	अमानता राशि	बोली शुल्क	समय	अवधि
	पालिका क्षेत्र में हाथ ठेला, फुटपाथ पर बैठने वाले एवं चलते फिरते रेहडी से कर संग्रहण के ठेके हेतु निलामी बोली।	29.3.2022	11.30 एएम से 12.30 पीएम	70000/-	200/-	12.35 पीएम से 1.45 पीएम	1.4.2022 से 31.3.2023

शर्ते-

1 बोली स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार नगर पालिका फुलेरा के पास सुरक्षित रहेगा।
2 बोली संबंधी शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
3 सशर्त बोली मान्य नहीं होगी।
4 राजकीय अवकाश होने पर स्वतः ही आगामी कार्य दिवस में निविदा मान्य होगी।
5 निविदा शुल्क एवं अमानता राशि निर्धारित समय पर नगद/डी.डी. के द्वारा जमा की जा सकती है।
6 यदि नजदीकी रिश्तेदार (प्रथम रक्त सम्बन्धी, व उनके पति/पत्नि) कार्य से सम्बन्धित कार्यालय में पालिका अधिकारी/कर्मचारी का किसी भी स्तर पर पदस्थापित हो तो उसे कार्य पर नियुक्त करने पर प्रतिबंध रहेगा एवं इस हेतु नोटेरी प्रमाणित मूल 50 रूपये के शपथ पत्र स्टाम्प पर देना होगा।
7 संवेदक द्वारा किसी भी विभाग में ब्लेक लिस्टेड नहीं होने के सम्बन्धि में नोटेरी प्रमाणित मूल 50 रूपये शपथ-पत्र स्टाम्प पर देना होगा।

(नगेन्द्र)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका फुलेरा

संक्षिप्त

1026 नेत्र रोगियों की जांच की

नारायणपुर। मिश्री देवी आई हॉस्पिटल एवं रिसर्च सैन्टर बहरोड़ के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को क़स्बा स्थित अग्रसेन भवन में भाजपा नेता महेंद्र यादव द्वारा आयोजित ऑखों का निशुल्क चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.विरेन्द्र सिंह यादव बहरोड़ द्वारा 1026 मरीजों की जांच कर निशुल्क दवा वितरण की गई। शिविर का शुभारम्भ सुबह 9 बजे किया गया। जिसमें देर शाम तक मोतियाबिंद, भैंगापन, नाखुना, काला पानी आदि बीमारी के मरीजों की जांचकर निशुल्क दवा दी गई। ऑपरेशन के लिए 226 मरीजों को चयनित किया गया। जिनका नारायणपुर से लाने-ले जाने सहित बहरोड़ अस्पताल में मरीजों का 5 चरणों में निशुल्क ऑपरेशन किया जायेगा। युवा यादव महासभा अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, राजेश गर्ग, योगेश गर्ग, देशराज यादव, गोविन्द अग्रवाल, मनीष यादव, अनिल गर्ग, सरदारा राम यादव, महेश गर्ग, पवन गर्ग, राजू प्रजापत, नत्थुराम प्रजापत सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

राजेश कुमार को डॉक्टरेट की उपाधि

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पवाना अहीर निवासी एक किसान के बेटे राजेश कुमार यादव ने उदयपुर स्थित मोहनलाल सुखाडिया विश्वविधालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। राजेश ने भूगोल विभाग में प्रो. सीमा जालान के निर्देशन में राजस्थान की रामसमंद तहसील में मार्बल उधोग का पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव: एक भूसंस्थानिक विशलेषण विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण कर पीएचडी की डिग्री पूर्ण की। भारतीय नौसेना से सेवानिवृत उनके ताऊ हव. श्रीराम ने राजेश की सफलता पर हर्ष व गर्व महसुस करते हुए बताया कि बचपन से ही पढ़ाई में तेज राजेश ने अपनी कडी मेहनत व लगन के दम पर यह उपलब्धि अर्जित की।

वस्त्र व्यापार संघ की कार्यकारिणी गठित

कोटपूतली। स्थानीय बुचाहेडा स्कूल में वस्त्र व्यापार संघ की आम सभा राधाकृष्ण पंजाबी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए सुभाष चंद मित्तल को अध्यक्ष, होशियार सिंह गुर्जर को उपाध्यक्ष, गुरूप्रसाद अग्रवाल को महामंत्री, सुभाष चंद अग्रवाल को सह मंत्री व मनोज कुमार अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी का विस्तार आगामी दिनों में किया जायेगा। इससे पूर्व निवर्तमान कार्यकारिणी का दो वर्षो का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर आभार व्यक्त किया गया।

एसडीएम ने पौधरोपण किया

मालपुरा। सोमवार को वन प्रसार अधिकारी कार्यालय ने विश्ववानिकी दिवस मनाया गया। जिसमें ब्लॉक स्तरीय सभी विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। एसडीएम आरके वर्मा सहित मौजूद विभागाधिकारियों ने आमजन को वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण सहित इन से जुडी जानकारियों पर प्रकाश डाला व ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने का आव्हान किया। इस दौरान वन प्रसार अधिकारी जोगेन्द्र सिंह शेखावत, नायब तहसीलदार प्रहलाद सिंह, आदि मौजूद रहै।

50 विद्युत कनेक्शन काटे

मालपुरा। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड कार्यालय डिग्गी सब डिविजन जेईईएन की आदेशों की पालना में पचेवर जेईईएन संजय मीणा के नेतृत्व में बकाया वसुली के लिए टीम गठित की गई। जेईईएन ने बताया कि टीम में शामिल लोकेश मीणा, सुखलाल चौधरी, रामप्रसाद जाट, दिनेश सैनी, मुकेश गुर्जर ने सोमवार को सीतापुरा, पचेवर, आवडा, तुन्देडा व डोरिया गांव में बकाया वसुली अभियान चला 50 बकायादारों के विद्युत कनेक्शन काटते हुए 1 लाख रूपये की वसूली की।

4 घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

रामगढ़ पचवारा। उपखंड क्षेत्र के 33 केवी जीएसएस सोनड राणोली रामगढ पचवारा गांगल्यावास के अंतर्गत आने वाले सभी फीडर्स के अधीन गांव की विद्युत सप्लाई 22 मार्च को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी। सहायक अभियंता राधेश्याम मीणा ने बताया कि 132 केवी जीएसएस तुगा में मंगलवार 22 मार्च को मेंटेनेंस कार्य होने के चलते विद्युत आपूर्ति सुबह 8 बजे से 12 बजे तक बंद रहेगी।

फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार, क्लीनिक से दवाइयां भी जब्त की

लालसोट/ रामगढ़ पचवारा, (निसं)। लालसोट उपखंड क्षेत्र के एवं रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र के श्यामपुरा कला ग्राम में अवैध रूप से क्लीनिक चला रहे एक झोलाछाप फर्जी डॉक्टर को चिकित्सा विभाग व पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई कर गिरफ्तार किया गया है।

खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी धीरज शर्मा एवं रामगढ्व पचवारा थाना अधिकारी दिनेश मीणा ने बताया कि सोमवार को श्यामपुरा कला में अवैध रूप से क्लीनिक डालकर एक झोलाछाप फर्जी चिकित्सक को अनाधिकृत रूप से किया जा रहे चिकित्सा कार्य को लेकर कार्रवाई की गई। इस संयुक्त कार्रवाई में झोलाछाप बंगाली डॉक्टर निर्मल कुमार विश्वास को गिरफ्तार करने के साथ उसके द्वारा संचालित किए जा रहे हैं क्लीनिक से दवाइयां भी जप्त की गई है।

थानाधिकारी मीणा ने बताया कि इस मामले को लेकर श्यामपुरा कला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी अधिकारी आशुतोष शर्मा द्वारा थाने में एक रिपोर्ट देते हुए बताया कि श्यामपुरा कला में ही लोकेश सोनी के रिहायशी मकान के बाहर दुकान में निर्मल कुमार विश्वास मरीजों का इलाज कर रहा है एवं उक्त चिकित्सक के पास मरीजों का इलाज करने के लिए किसी भी प्रकार का मेडिकल संबंधी कोई वैध अनुज्ञा पत्र भी नहीं है। इसी के साथ यह झोलाछाप किसी लाइसेंस के दवाइयों का संग्रहण कर बेचान भी कर रहा है। बताया कि यह झोलाछाप मूलतः पश्चिमी बंगाल का निवासी है।

वहीं इस मामले को लेकर आरोपी झोलाछाप बंगाली चिकित्सक निर्मल कुमार विश्वास को गिरफ्तार कर धोखाधडी एवं इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट व बिना पंजीकरण आधुनिक चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा अभ्यास करने सहित विभिन्न सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया। आरोपी दोलाखा बंगाली चिकित्सक को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां न्यायालय द्वारा आरोपी को जमानत पर छोड़ दिया गया।

श्यामपुरा कला गांव में पुलिस व चिकित्सा विभाग ने संयुक्त कार्रवाई कर फर्जी बंगाली चिकित्सा को गिरफ्तार किया।

सात दिवसीय उपभोक्ता सप्ताह का आयोजन

फुलेरा। फुलेरा कस्बे में संचालित राष्ट्र की अग्रणी संस्था कंज़ूमर एक्शन एंड प्रोटेक्शन सोसाइटी के तत्वावधान में विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर सात दिवसीय उपभोक्ता सप्ताह का आयोजन संस्था के अध्यक्ष विजेन्द्र प्रकाश हलचल के नेतृत्व में 19 मार्च से 25 मार्च तक किया जा रहा है।

अध्यक्ष हलचल ने बताया कि सप्ताह के अंतर्गत 'फेयर डिजिटल फाइनेंस' विषय पर विभिन्न स्थानों पर विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर संवाद एवं सेमिनार आयोजित किये जाएंगे इसी क्रम में आगे बताया कि विभिन्न फाइनेंस कंपनियों द्वारा उपभोक्ता को मैच्योरिटी पर राशि नहीं लौटाना और उनकी एफडी को भी उनकी बिना इजाजत आगे रिन्यूअल करना एक गंभीर सेवा दोष है जिसमें सहारा इण्डिया से रिलेटेड कम्पनियों की संख्या सबसे अधिक है। इस विषय पर भी उपभोक्ता को विशेष रूप से जागरूक कर उपभोक्ता आयोग में परिवाद दर्ज करवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

वार्षिक उत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित

श्रीमाधोपुर। राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय नाथूसर में सोमवार को वार्षिक उत्सव व भामाशाह सम्मान समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह शहीद लोकेन्द्र सिंह के पिता महेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि राम सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा पीईईओ कैलाश यादव के विशिष्ट अतिथि में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन राजेन्द्र सिंह शेखावत वरिष्ठ अध्यापक ने किया एवं समारोह में काफी तादाद में ग्रामीण उपस्थित रहे।

समारोह में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले बच्चों एवं खेल प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में एसडीएमसी सदस्य तथा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। करण सिंह कनिष्ठ सहायक ने बताया कि बालिका स्कूल का समस्त स्टाफ उत्साह व जोश के साथ अपना अपना काम संभाल रहे थे।सांस्कृतिक कार्यक्रम संचालिका सुमन चौधरी वरिष्ठ अध्यापिका की देखरेख में तैयारी करवा कर बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया व कार्यक्रम में बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति से दर्शक लोग झूम उठे। समारोह के अंत में प्रधानाध्यापक भंवरलाल जांगिड़ एवं विद्यालय परिवार ने सभी ग्राम वासियों और भामाशाहो का आभार व्यक्त किया।

रक्तदान शिविर व कक्षा कमरे का अनावरण

पावटा, (निसं)। स्व. घीसादास व फूली देवी की पुण्यस्मृति में ग्राम पंडितपुरा की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विशाल रक्तदान शिविर का शुभारंभ संत शिरोमणि बालमुकुंदाचार्य हाथोज धाम, ज्ञानदास महाराज बडनगर, मंगलदास महाराज टोरडा, रामप्रसाद महाराज बेनाड जयपुर के सानिध्य में गृह राज्यमंत्री राजस्थान सरकार राजेंद्र सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य, विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज सिंह गुर्जर की अध्यक्षता व वृत्ताधिकारी वृत्त कोटपुतली संध्या यादव, पूर्व जिला पार्षद जगदीश मीणा व अमित भगासरा, हनुमान सहाय सिरसी, डी एल शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में दीप प्रज्वलित कर एवं स्व. घीसादास व फूली देवी को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

सभी रक्त वीरों को प्रशस्ति पत्र एवं हेलमेट देकर समानित किया गया। भामाशाह लक्ष्मण सिंह शेखावत द्वारा अपनी बहन की पुण्य स्मृति में पण्डितपुरा विद्यालय में बनाए गए कक्षा कक्ष का अनावरण किया। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री राजस्थान सरकार राजेंद्र सिंह यादव ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे इस प्रकार के सामाजिक प्रेरणा वाले कार्यक्रमों का बडी संख्या में हिस्सा बनें और प्रत्येक आयुवर्ग के व्यक्तियों को रक्तदान के लिए प्रेरित करें।गृह राज्यमंत्री यादव ने कार्यक्रम के दौरान विद्यालय चारदिवारी व खेल मैदान, 100 कुर्सी 100टैबल, एक सिंगल फेस बोरिंग के लिए 40लाख की घोषणा की।

वही विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि रक्तदान महादान होता है। आपके थोडे से रक्त से किसी को जीवनदान मिल सकता है। इस अवसर पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने पानी की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। वही आयोजनकर्ता कैलाश स्वामी ने बताया कि स्व. घीसादास व फूली देवी की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें युवा बढ चढकर हिस्सा लेते हैं आज रक्तदान शिविर में 73 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर आयोजक रामेश्वर दास, रामजीलाल, रोहिताश, कैलाश स्वामी, अशोक, अजय, मोहित सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

स्व. घीसादास व फूली देवी की पुण्यस्मृति में ग्राम पंडितपुरा के राज. उच्च माध्यमिक विद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ।

45 वर्षों से बंद मंदिर को खोलने की मांग

बस्सी, (निसं)। उपखंड बस्सी में सोमवार सुबह एसडीएम कार्यालय के बाहर सर्वसमाज एवं हिन्दू संगठनों की ओर से एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया।

बीजेपी एसटी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र मीणा ने बताया कि भीलवाडा के मांडल कस्बे में गत 45 वर्षों से भगवान देवनारायण के मंदिर को बंद कर रखा है जो हिन्दू समाज के साथ बड़ा खिलवाड़ है। इस मंदिर को खुलवाने के लिए प्रशासन से बार-बार विनती के बाद भी जब मंदिर को भक्तों के लिए नहीं खोला गया तो बस्सी के गोपाल गुर्जर एवं अन्य साथियों ने मंदिर के ताले खोल दिए जिसके बाद गोपाल गुर्जर एवं उसके साथियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ कई तरह के मुकदमे पुलिस द्वारा दर्ज किए गए है जो सरासर गलत है। जितेंद्र ने बताया कि बस्सी के सर्व समाज एवं हिन्दू संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से एसडीएम बस्सी कार्यालय के बाहर धरना देते हुए कांग्रेस सरकार की हिन्दू धर्म विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। इसके बाद सैकड़ों की तादाद मे मौजूद लोगों द्वारा बस्सी एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन देकर गिरफ्तार किए गए गोपाल गुर्जर बस्सी एवं उसके साथियों को 5 दिन के भीतर रिहा करने एवं उन पर दर्ज किए गए मुकदमों को वापस लेने के साथ ही 45 वर्षो से बंद भगवान देवनारायण के मंदिर को पूजा अर्चना एवं दर्शन के लिए खोलने की मांग की गई।

कोटपूतली में सीवरेज लाइन योजना स्वीकृत

- अनुदान मांगों पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने की घोषणा

कोटपूतली, (निसं)। लम्बे समय के इन्तजार के बाद क्षेत्रिय विधायक व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के प्रयासों को सोमवार को उस वक्त सफलता मिली जब विधानसभा में अनुदान मांगों पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने कोटपूतली में करीब 195.5 करोड़ की लागत से बनने वाली सीवरेज लाइन को हरि झण्डी दे दी। जैसे ही विधानसभा में सीवरेज लाईन की घोषणा हुई तो स्थानीय पालिका कार्यालय के बाहर पालिका अध्यक्ष पुष्पा सैनी सहित पार्षदों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव का आभार व्यक्त करते हुए जमकर आतिशबाजी की वहीं आजाद चौक स्थित पंडित कम्प्युटर पर भी युवा रेवाल्युशन के अध्यक्ष मनोज चौधरी व एडवोकेट अशोक शर्मा के नेतृत्व में युवाओं ने मिठाईयां बांट कर खुशी का ईजहार किया है। उल्लेखनीय है कि कोटपूतली कस्बे की सीवरेज लाईन की मांग वर्षों पुरानी है। सीवरेज लाईन के अभाव में जगह-जगह जल भराव की समस्या बनी रहती है। अब सीवरेज लाईन निर्माण होने से निजात मिलेगी। इस दौरान पालिका एईएन अनिल जोनवाल, उपाध्यक्ष अशोक शरण बंसल, मदन सैनी, पार्षद प्रदीप सैनी, मुखिया पायला, जगत कसाना, कपिल चौहान, कृष्ण कारोडिया, उमेश आर्य, समेत बड़ी संख्या में पार्षदगण व पालिका स्टॉफ सदस्य मौजूद थे। इसी प्रकार कस्बे के सराय मौहल्ले में राज्यमंत्री के निजी सचिव सतीश शर्मा समेत विक्रांत सैन, महावीर सैनी, गौरव शर्मा, शंकर शर्मा आदि ने आतिशबाजी की।

काठुवास रेलवे लाइन पर ओवरब्रिज की घोषणा

बहरोड़/नीमराना। हरियाणा बोर्डर के समीप काठुवास ग्राम के पास रेलवे लाइन की वजह से दुर्घटनाएं होती रहती थी। ग्राम वासियों की समस्या से टीकाराम जूली श्रम मंत्री राजस्थान सरकार को अवगत कराया था कि ग्राम में रेलवे लाइन की वजह से अनेक बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं जिसमें विद्यालय से लौटते समय पर बालिका की रेल से कटने से मृत्यु हो गई थी। रेलवे लाइन के उत्तर में मुख्य आबादी 5000 के आसपास तथा दक्षिण में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शमशान भूमि, पशु चराई भूमि, जोहड़ आदि स्थित हैं। जहां जाने के लिए रेलवे लाइन को पार करना पड़ता है। जिससे अनेक बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। उक्त मांग मामले में ग्रामवासियों द्वारा मांग की गई थी कि समस्या से निजात दिलाने के लिए आवरब्रिज बनाया जाए। मामले को गंभीरता से लेते हुए टीकाराम जूली श्रम मंत्री राजस्थान सरकार में अलवर कलेक्टर तथा तहसीलदार को अवगत कराते हुए मौका मुआयना करने हेतु निर्देशित किया था पिछले माह 21फरवरी को क्षेत्र का मौका मुआयना करवाया गया था। जिसमें वस्तुस्थिति जानकर मांग को क्रियाविधि में लेकर आज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने काठुवास ग्राम की समस्या को अमल में लाकर ओवरब्रिज निर्माण की घोषणा की।

ऑटो चालक द्वारा अस्पताल लाए गये युवक की मौत

- पुलिस जुटी युवक के मौत के कारण जानने में

टोंक, (निसं)। सआदत अस्पताल में ऑटो चालक द्वारा लाए गए युवक की चिकित्सकों द्वारा प्रारंभिक जांच में मृत घोषित करने के मामले से एकाएक अस्पताल में सनसनी फैल गई और युवक की मौत के कारण समाचार लिखे जाने तक सामने नहीं आ पाए हैं। मामले की जानकारी लगते पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता भी अस्पताल पहुंच गए, जहां पर पुलिस उपाधीक्षक सलेह मोहम्मद सहित पुलिस टीम ने अस्पताल प्रशासन की मदद से मेडिकल टीम गठित कर युवक को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ऑटोचालक की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को दोपहर में एक ऑटो चालक सदर थाना क्षेत्र के ग्राम रुस्तमगंज के युवक हनुमान चौधरी पुत्र नाथूलाल चौधरी उम्र 20 साल को लेकर सआदत अस्पताल पहुंचाया और उसको छोड़ कर भाग गया, जहां पर चिकित्सकों ने युवक को संभाला तो उसको मृतक घोषित कर दिया, युवक की नाक से खून बह रहा था। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस उपाधीक्षक सलेह मोहम्मद, शहर कोतवाल जितेन्द्रसिंह चारण मय दल के मौके पहुंचे और उसके पास मिले मोबाईल से परिजनों को सूचित किया। मामले की जानकारी लगते पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, पूर्व प्रधान जगदीश गुर्जर, रामगोपाल बाज्या पहुंच गए और जहां पर युवक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

पूर्व विधायक मेहता ने ऑटो चालक के बारे में जानकारी नहीं लगने पर आरोप लगाया कि सआदत अस्पताल की व्यवस्थाएं खराब है, यहां के सीसीटीवी खराब पडे हैं जिससे किसी भी घटना के बारे में जानकारी नहीं लगाना गंभीर मामला है। वही युवक के परिजनो ने बताया कि हनुमान चौधरी सुबह 8 बजे स्कूटी से गांव रवाना हुआ और उसकी स्कूटी भी गांव के पास ही पेट्रोल पंप मिली है। पुलिस युवक की मौत के कारण के बारे में अनुसंधान में जुटी है कि उसकी मृत्यु हुई है या मर्डर हुआ है। पुलिस ऑटो चालक की भी तलाश में जुटी है।

सआदत अस्पताल में ऑटो चालक द्वारा लाए गए युवक की मौत के बाद पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने पुलिस अधिकारियों से मौत के कारणों को लेकर चर्चा की।

अधिवक्ता की दो नाबालिक पुत्रियों के लापता होने पर ज्ञापन दिया

टोंक, (निसं)। जिला अभिभाषक संघ टोंक के अधिवक्ताओं ने जयपुर के निजी स्कूल से अधिवक्ता की दो नाबालिक पुत्रियों के लापता होने पर सरकार एवं पुलिस प्रशासन की लापरवाही पर आक्रोश प्रकट करते हुए राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर दोनों पुत्रियों को जल्द से जल्द दस्तयाब करने की मांग की है।

संघ के अध्यक्ष देवीप्रकाश तिवाडी, सचिव डॉ. अभिषेक शर्मा सहित अधिवक्ताओं ने दिए ज्ञापन में बताया कि एडवोकेट अवधेश कुमार पुरोहित की दो नाबालिक पुत्रियां भावना 17 साल व रमा कंवर राजपुरोहित 18 साल 3 फरवरी से लाईसीएम सीनियर सैकेंडरी स्कूल करतापुरा जयपुर से लापता है, जिनकी आज दिन तक कोई भी सूचना नहीं मिल पाई है। सरकार एवं पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही घोर लापरवाहही के कारण अभिभषक संघ राजस्थान व जिला अभिभाषक संघ में काफी रोष व्याप्त है। ज्ञापन देने वालों में अधिवक्ता शैलेन्द्र शर्मा, हंसराज धाकड, महावीर तोगडा, राजेश गुर्जर, अवधेश जैन, प्रशांत अग्रवाल, अजय जोशी, मनीष पारीक, मोहित शर्मा, राजेश सैनी, कैलाश माली, रामवतार सोनी, अक्षय बैरवा, राधेश्याम चांवला, निखिल गुप्ता आदि शामिल थे।

सार-समाचार

संकीर्तन में बही भजनों की गंगा

नारायणपुर, (निसं)। क़स्बा स्थित सियाराम दास महाराज के मेले के उपरांत गत रात्रि को आयोजित श्याम संकीर्तन में रात भर श्याम भजनों की गंगा बही। जागरण की शुरुआत श्याम बाबा की अखण्ड ज्योत और अलौकिक श्रृंगार के साथ गायक कलाकार कपिल वैष्णव द्वारा गणेश वंदना के साथ की गई। इसके बाद गायक मुकेश मुक्कड, नंदकिशोर योगी, जीतू सैनी, स्वेता शर्मा, विनोद लालवाडी आदि कलाकारों द्वारा श्याम भजनों की प्रस्तुती दी गई। गजेन्द्र एण्ड पार्टी द्वारा भजनों पर नृत्य किया गया। मालाखेडा से आये कलाकार मनोज गुप्ता द्वारा सगे भाई को जहर हंस के पिला देते है लोग जैसे भजनों को सुनकर लोग भाव विभोर हो गये। वही अलवर म्यूजिक ग्रुप से आये कलाकार अनवर खान के भजनो पर श्याम भक्त थिरकने को मजबूर हो गये। सुबह सामूहिक आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय मंत्री योगी सेना मोहनदास महाराज, विजय गोठवाल, ओमप्रकाश गुर्जर, गिर्राज सैनी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे।

जनसहयोग से बुक बैंक स्थापित

लवाण। दौसा के नांगल राजावतान में वर्ष 2020 से स्थापित राजकीय महाविद्यालय जो कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसर में संचालित है। लंबे समय से महाविद्यालय में प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष के 400 छात्र-छात्राओं को पुस्तकों की समस्या आ रही थी। पुस्तकों की समस्या सामने आने पर महाविद्यालय प्रशासन ने निजी पहल करते हुए जन सहयोग से महाविद्यालय में सावित्री बाई फुले बुक बैंक की स्थापना करने का निर्णय किया और प्रयास शुरु किए। इसके लिए सहायक प्रोफेसर सियाराम मीना एवं डॉ अनुजा तिवाडी ने दस हजार रुपए की पुस्तकें महाविद्यालय की कम्यूनिटी बुक बैंक में भेंट की। राजकीय पीजी महाविद्यालय दौसा मे सह आचार्य डॉ कुबेर मीना ने महाविद्यालय को हिंदी साहित्य की दस पुस्तकें भेट की। राजकीय महाविद्यालय बांदीकुई के सह आचार्य डॉ सीताराम मीना ने सोमवार को 27 पुस्तकें कम्यूनिटी बुक बैंक को भेंट की।

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

सांभरझील, (निसं)। मनु पब्लिक स्कूल में आज वार्षिक उत्सव समारोह के दौरान बच्चों ने देशभक्ति से जुड़े अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर मौजूद सभी को भाव विभोर कर दिया। बच्चों ने राजस्थानी संस्कृति पर आधारित अनेक शानदार नृत्य पेश कर सभी का दिल जीत लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि शिक्षाविद रामेश्वर लाल मेहरडा ने बच्चों को प्रेरित संदेश देकर उनका उत्साहवर्धन किया। स्कूल के संचालक अरविंद कुमार की ओर से वार्षिक स्कूल की गतिविधि की जानकारी दी गई। शिक्षिकाओं की ओर से सभी बच्चों के साफा बांधकर उनका सम्मान किया। इससे पहले सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अनेक प्रबुद्ध जनों ने भी शिरकत की

एसडीएम ने साप्ताहिक बैठक ली

मालपुरा। मालपुरा उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में एसडीएम आरके वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को हुई साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभागवार प्रगति रिपोर्ट जांची। बैठक के दौरान मौजूद विभागाधिकारियों से एसडीएम ने विभागवार चर्चा करते हुए रैवेन्यू विभाग से अगस्त 2019 से मार्च 2020तक कितनी नक्शा सीट छाया प्रति जारी की गई। इसकी रिपोर्ट तलब की। तो पंचायत समिति विकास अधिकारी को ब्लॉक की सभी पंचायतों में तहसील कार्यालय से सम्पर्क साध खेल मैदान कब्रिस्तान व श्मशान भूमि का सीमाज्ञान करवाने के निर्देश दिये। साथ ही पारली पंचायत की सिवायचक भूमि का सीमाज्ञान करवा प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत आवास निर्माण की सुनिश्चित्ता के निर्देश दिये। साथ ही कोर्ट व दायर याचिका के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया। बैठक मे अनुपस्थित रहने पर नगरपालिका ईओ प्रकाश डुडी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

चारधाम की यात्रा का जत्था रवाना

फुलेरा। फुलेरा कस्बे की ढाणी नागान स्थित शिव मन्दिर परिसर से सोमवार को दोपहर 12:30 बजे स्थानीय निवासियों का एक ग्रुप चार धाम की यात्रा हेतु बस द्वारा रवाना हुआ। समाजसेवी शेखर, योगेन्द्र और रवि कुमार कुमावत ने बताया कि उक्त ग्रुप चार धाम की यात्रा में एक माह की अवधि में उज्जैन ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर, इन्दौर ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर, तिरुपति बालाजी, कन्याकुमारी, विवेकानन्द स्मारक, मीनाक्षी मन्दिर मदुरेई, मैसूर, शिरडी साईं बाबा मन्दिर, द्वारिका धाम, सोमनाथ, गढ्व गिरनार, जूनागढ्व, पोरबन्दर, अक्षरधाम, कल्पवृक्ष दर्शन मांगलिया वास, पुष्कर धाम, सहित अन्य विभिन्न दार्शनिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। इसी क्रम में समाजसेवी पवन कुमार ने बताया कि यात्रा पर जाने से पूर्व श्रद्धालुओं व उनके परिवारजनों ने स्थानीय शिव मन्दिर में पूजा अर्चना कर सफल सुखद और मंगलमय यात्रा की कामना की।

जनता जल योजना के बिजली कनेक्शनों पर 1.51 करोड़ रुपयों की राशि बकाया

कोटपूतली। सहायक अभियंता कार्यालय नारेहड़ा के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में जनता जल योजना के तहत ग्राम पंचायतों पर विद्युत कनेक्शन के कुल 1.51 करोड़ रूपयों की राशि बकाया चल रही है। पनियाला जेईएन नरेन्द्र बाकोलिया ने बताया कि इस बाबत कई बार ग्राम पंचायतों को नोटिस दिये जाने के बावजुद भी बिल राशि जमा नहीं करवाई गई है। जिसको देखते हुए ग्राम पंचायत रायकरणपुरा के जनता जल योजना के कुल 14.98 लाख रूपयों की बिजली बिल राशि बकाया होने पर विद्युत कनेक्शन को काटा गया। अन्य ग्राम पंचायतों के कनेक्शन भी बकाया बिल जमा नहीं होने पर जल्द ही काट दिये जायेगें। बिजली कनेक्शन काटने की कार्यवाही फिडर इंचार्ज नागरमल व भारत सैनी के द्वारा की गई।

आज विद्युत कटौती रहेगी

मालपुरा। जयपुर विद्युत वितरण निगम कार्यालय सहायक अभियंता कदम वशिष्ट ने बताया कि 132 केवी जीएसएस केकडी रोड पर विधुत लाईनों के आवश्यक रखरखाव के चलते मंगलवार को सम्पूर्ण मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र में प्रात: 7 बजे से 11:30बजे तक विद्युत कटौती रहेगी।

जो खिलाड़ी कुछ समय से दिल्ली कैपिटल्स के खेमे में हैं,निश्चित रूप से उनकी जिम्मेदारी है कि वे टीम में युवाओं को मार्गदर्शन करें। - रिकी पोंटिंग

दिल्ली कैपिटल्स के कोच, नये खिलाड़ियों को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दीपक चाहर

आईपीएल के 15वें सीजन को शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। लीग का पहला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले चेन्नई को एक गुड न्यूज मिल सकती है। टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर पहले मुकाबले में कोलकाता के खिलाफ खेल सकते हैं। चाहर ने अपनी फिटनेस को लेकर खुद ही सोमवार को अपडेट दिया है। सीएसके ने चाहर को आईपीएल नीलामी में 14 करोड़ रुपए की मोटी रकम खर्च कर अपनी टीम में शामिल किया था।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेंदु ताएब ने मई, 2003 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

मोदी ने की ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की सराहना

नयी दिल्ली, 21 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को न्यूजीलैंड में जारी आईसीसी 2022 महिला क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन को कहा, आईसीसी महिला विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के शानदार प्रदर्शन के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ शनिवार का मैच जीता था, लेकिन टूर्नामेंट अभी भी जारी है। वैसे भी दोनों देशों की टीमों को शुभकामनाएं देता हूं। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला टीम को शनिवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में विश्व कप लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई थी।

हर खिलाड़ी मानसिक रूप से मजबूत नजर आता है : पंत

मुंबई, 21 मार्च। जेएसडब्ल्यू-जीएमआर के सह-स्वामित्व की दिल्ली कैपिटल्स फ्रैंचाइज़ टाटा आईपीएल के आगामी 2022 सीजन में नए ग्रुप के साथ मैदान पर उतरेगी। कैप्टन ऋषभ पंत, जिन्होंने मुंबई में पहले ट्रेनिंग सैशन में हिस्सा लिया था, ने कहा कि खिलाड़ी बहुत मजबूत स्थिति में हैं।उन्होंने कहा, "ऐसा लगता है जैसे पहली बार टीम बनी है। मैंने अपने पहले प्रैक्टिस सैशन के दौरान टीम के हर खिलाड़ी को देखा, मुझे महसूस हुआ कि हर खिलाड़ी मानसिक रूप से बहुत मजबूत है। हर खिलाड़ी दूसरे खिलाड़ी के साथ सहज महसूस कर रहा है। विकेटकीपर- बल्लेबाज ने डीसी टीम के माहौल के बारे में नए खिलाड़ियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा, "इस समय हम वो सब करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसकी नए खिलाड़ियों को नैट सैशन के दौरान ज़रूरत है। हम इस बारे में भी चर्चा कर रहे हैं कि खिलाड़ी मैचों के दौरान कौन सी भूमिका निभा सकते हैं और उनके लिए कैसा माहौल होना चाहिए। हमने नए खिलाड़ियों से भी बातचीत की है।"

कैरेबियाई कप्तान ने इंग्लैंड की उम्मीदों पर फेरा पानी, दूसरा टेस्ट ड्रॉ

बारबाडोस 21 मार्च। वेस्टइंडीज ने बारबाडोस में खेले गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया और इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फिर गया। वेस्टइंडीज को आउट करने के लिए इंग्लैंड के पास दो सत्र थे। इंग्लिश टीम ने चाय के बाद वेस्टइंडीज का पांचवां विकेट ले लेकर कैरेबियाई टीम पर दबाव बना लिया था। हालांकि, वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट, जिन्होंने पहली पारी में 11 घंटे 160 रन बनाए, दूसरी पारी में नाबाद रहे और 56 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 184 गेंदें खेलीं। इसके साथ ही सलामी बल्लेबाज ने एक रिकॉर्ड भी बनाया। कप्तान ने दोनों पारियों में 673 गेंदों पर बल्लेबाजी की, जो टेस्ट इतिहास में वेस्टइंडीज के बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे अधिक गेंदों की संख्या है। इससे पहले इंग्लैंड ने दोपहर के भोजन पर 122-5 पर अपनी पारी को घोषित किया था। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज का स्कोर 39-3 कर दिया. इसके बाद ब्रैथवेट ने जर्मन ब्लैकवुड के साथ 25 ओवर बल्लेबाजी की।

स्विस ओपन : सिंधु, श्रीकांत करेंगे अच्छी फॉर्म में वापसी का प्रयास, सेन हटे

बासेल, 21 मार्च। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के उप विजेता लक्ष्य सेन की अनुपस्थिति में मंगलवार से यहां शुरू होने वाले स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सभी की निगाहें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता किदांबी श्रीकांत पर टिकी रहेंगी। सेन ने पिछले दो सप्ताह में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन शीर्ष खिलाड़ी सिंधु, श्रीकांत और साइना नेहवाल बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में भी नाकाम रहे। इस सप्ताह वे अपने प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करेंगे।

राजस्थान सॉफ्ट टेनिस टीम घोषित

जयपुर, 21 मार्च। श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में 24 से 28 मार्च तक आयोजित 15वीं सब जूनियर राष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम की घोषणा राज्य संघ द्वारा की गई जो कि निम्न प्रकार है :- बालक वर्ग : सर्वश्री हार्दिक सैनी (कप्तान), आदित्य शर्मा, श्रवण कुमरा चौधरी, अर्पित चौधरी, मोहन सैनी, अबरार सैयद, मनजीत चौधरी, लक्ष्य पोसवाल। टीम के कोच : प्रेमचंद सैनी व मैनेजर सरस्वती देवी टिक्कीवाल। बालिका वर्ग : कृतिका ढाका, समीक्षा गुर्जर, खुशी मीना, सौम्या कुकरेजा, अमीशा सुषमा, रिद्धिम गुप्ता, खनक गुप्ता, कविता सांडीवाल, रेखा गुर्जर। टीम कोच एम आई नकवी व मैनेजर सुनीता खोवाल।

आईपीएल आपको प्रयोग करने का मौका देता है : अश्विन

आईपीएल एक मुश्किल टूर्नामेंट है, जहां पर हर सत्र में बहुत कुछ होता है और जिसका प्रभाव पड़ता है। ओस, पिचें, विरोधी टीमें, ये सभी अलग अलग तरीक़ों में खेल पर प्रभाव छोड़ती हैं। जो इन चीज़ों के लिए पहले से तैयारी करना एक चुनौती बना देता है और आपको हर समय तैयार रहना होता है।

मुंबई, 21 मार्च। आईपीएल 2022 में नई टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने की तैयारी कर रहे भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन हमेशा ही इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए उत्सुक रहते हैं। उनका मानना है कि इस टूर्नामेंट ने उन्हें प्रयोग करने में मदद मिलती है।

तमिलनाडु के स्पिनर ने कहा, आईपीएल एक मुश्किल टूर्नामेंट है, जहां पर हर सत्र में बहुत कुछ होता है और जिसका प्रभाव पड़ता है। ओस, पिचें, विरोधी टीमें, ये सभी अलग अलग तरीक़ों में खेल पर प्रभाव छोड़ती हैं। जो इन चीज़ों के लिए पहले से तैयारी करना एक चुनौती बना देता है और आपको हर समय तैयार रहना होता है।

उन्होंने कहा, हालांकि मेरे लिए निजी तौर पर आईपीएल में जाना हमेशा से उत्साह भरने वाला होता है। आईपीएल आपको प्रयोग करने का मौक़ा देता है, ऐसा कुछ जिसने मुझे एक बेहतर क्रिकेटर के रूप में सामने आने में सक्षम बनाया है, परिणाम चाहे जो भी हो, मैं हर बार इसका हिस्सा रहा हूं।

रॉयल्स 35 वर्षीय अश्विन की पांचवीं आईपीएल टीम है और उन्होंने नीलामी में उनको ख़रीदने पर भी अपने विचार रखे, जितनी जल्दी मैंने देखा कि रॉयल्स ने मेरे लिए बोली लगाई है, मैं जान गया था कि वह मुझे लेने जा रहे हैं। मैं इस फ्रैंचाइज़ी के काफ़ी लोगों को लंबे समय से जानता हूं, ऐसे लोग जिनसे मैं क्रिकेट पर बहुत चर्चा करता हूं, तो हां यहां एक कनेक्शन तो है।

अश्विन ने कहा,रॉयल्स मेरे लिए एक ऐसी टीम है जो तुरंत एक्शन लेती है। मेरे लिए यह एक जुदा टीम है, जो हमेशा अपनी रणनीति और दृष्टिकोण में हमेशा आगे रहती है। क्रिकेट के नज़रिये में वे बहुत साहसी और प्रयोगात्मक हैं, ऐसा ही कुछ मैं अपने गेम में भी देखता हूं, इसीलिए यह एक अच्छा तालमेल होना चाहिए और मैं इसके लिए तैयार हूं।

अश्विन दो बार चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल ख़िताब जीत चुके हैं। जबकि पंजाब के लिए उन्हें आईपीएल में कप्तानी करने का भी अनुभव है। पिछले दो वर्षों से वह दिल्ली कैपिटल्स के साथ थे लेकिन इस बार रॉयल्स उन्हें पांच करोड़ देकर ख़रीदने में क़ामयाब रही। अपनी नई टीम के कप्तान संजू सैमसन के बारे में भी उन्होंने विचार रखे और कहा, मुझे लगता है कि संजू के पास एक अद्भुत रवैया है। वह हमेशा चर्चा के लिए तैयार रहते हैं, खेल के बारे में अपनी राय रखने के लिए तैयार रहते हैं, ऐसे में यह एक अच्छा गुण है। मेरा मानना है कि एक विकेटकीपर के रूप में संजू के पास क़ाबिलियत है कि वह मैच के सभी हिस्सों, पिच और अन्य चीज़ों को लेकर मैच को आंक सकते हैं। उनके पास उम्र भी है, और निश्चित रूप से वह आगे और बेहतर होंगे।

हाल ही में श्रीलंका के ख़िलाफ़ ख़त्म हुई टेस्ट सीरीज़ में अश्विन ने 15.08 की औसत से 12 विकेट लिए और उन्होंने भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में कपिल देव को पछाड़कर दूसरा स्थान भी हासिल कर लिया। टेस्ट क्रिकेट में अब उनके नाम 442 विकेट हैं और टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में वह आठवें पायदान पर आ गए हैं।

आईपीएल 2022 में 25% से अधिक दर्शकों की हो सकती है मौजूदगी

नयी दिल्ली, 21 मार्च। महाराष्ट्र में होने आईपीएल के आगामी सीज़न में आयोजन स्थलों पर 25 प्रतिशत से अधिक दर्शकों की मौजूदगी देखी जा सकती है। राज्य सरकार से हालांकि प्रारंभिक अनुमति केवल एक-चौथाई स्टेडियम के आकार के लिए है, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को विश्वास है कि लीग के आगे बढ़ने पर अधिक प्रशंसकों को अनुमति दी जाएगी। बीसीसीआई के एक पदाधिकारी ने सोमवार को क्रिकबज को बताया कि यह हमारी समझ के ऊपर है। आगे जाकर स्टेडियमों में शुरुआती खेलों की तुलना में अधिक प्रशंसक होंगे। कोरोना के मामले दिन ब दिन कम होने के साथ हम उम्मीद कर रहे हैं कि अधिक लोग स्टैंड में होंगे। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार वानखेड़े में 9800 से 10 हजार दर्शक होंगे, जबकि पड़ोसी ब्रेबोर्न स्टेडियम, जिसकी क्षमता लगभग 28 हजार है, में सात से आठ हजार दर्शक होंगे। वहीं नेरुल में डीवाई पाटिल स्टेडियम, जो आकार में बड़ा है, में 11 से 12 हजार दर्शकों को अनुमति दी जाएगी और पुणे में महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में शुरुआत में 12 हजार दर्शकों को अनुमति दिए जाने की जानकारी है। प्रशंसकों के आयोजन स्थलों पर वापस आने के साथ बीसीसीआई काफी उत्साहित है। बोर्ड ने वेस्ट इंडीज और श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता, धर्मशाला, मोहाली और बेंगलुरु में हाल के अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए दर्शकों की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त किया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने राज्य क्रिकेट संघों को लिखे पत्र में कहा, भारतीय टीम ने पहले वेस्ट इंडीज और अब श्रीलंका टीम के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में क्लीन स्वीप के साथ एक शानदार प्रदर्शन किया है। बेंगलुरु में पिंक बॉल टेस्ट मैच में स्टैंड पूरे भरे हुए दिखे और रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली टीम ने तीनों विभागों में विरोधियों से बेहतर प्रदर्शन किया।

डुप्लांटिस ने अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

बेलग्रेड, 21 मार्च। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन स्वीडन के आर्मंड गुस्ताव डुप्लांटिस ने यहां स्टार्क एरिना में विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत कर दूसरी बार अपना ही पोल वॉल्ट विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। डुप्लांटिस ने रविवार को अपने तीसरे और अंतिम प्रयास में 6.20 मीटर के साथ अपने ही विश्व रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर का सुधार किया। उन्होंने पुराना रिकॉर्ड दो हफ्ते से भी कम समय पहले बनाया था। डुप्लांटिस ने सात मार्च को इसी स्थल पर इंडोर चैंपियनशिप में 6.19 मीटर का रिकॉर्ड बनाया था।

अपना सपना जी रहा हूं : लक्ष्य सेन

नयी दिल्ली, 21 मार्च। भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने सोमवार को कहा कि विश्व स्तर पर देश का नाम रोशन करके वह अपने सपने को जी रहे हैं और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के फाइनल में ओलंपिक चैम्पियन विक्टर एक्सेलसेन के खिलाफ उन्होंने अपना 'सब कुछ' लगा दिया। उत्तराखंड के 20 वर्ष के सेन ने बर्मिंघम में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाई लेकिन दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी एक्सेलसेन से हार गए। उन्होंने ट्विटर पर एक पोस्ट में लिखा, "अलमोड़ा से आल इंग्लैंड ओपन तक मेरे लिये लंबा सफर रहा है। मैने कल फाइनल में अपना सब कुछ कोर्ट पर दे दिया लेकिन जीत नहीं सका।"

उन्होंने कहा मेरे लिये देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना सब कुछ है। मैं अपना सपना जी रहा हूं और अपना शत प्रतिशत हमेशा कोर्ट पर दूंगा।" उनके प्रदर्शन की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर सचिन तेंदुलकर तक सभी ने तारीफ की है। सेन ने लिखा मैं दुनिया भर से मिल रहे इस प्यार और सहयोग से अभिभूत हूं। मैं सभी को धन्यवाद कहना चाहता हूं।"

उन्होंने कहा ," मैं बाइ (भारतीय बैडमिंटन संघ) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अपने माता पिता और भाई चिराग के बलिदानों को नहीं भूल सकता हूं। मैं प्रकाश सर और विमल सर को भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने पूरे सफर में मेरे सरपरस्त की भूमिका निभाई।"

मोदी और खेल दिग्गजों ने लक्ष्य को रजत पदक जीतने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई खेल दिग्गजों और मुख्यमंत्रियों ने दुनिया के सबसे पुराने बैडमिंटन टूर्नामेंट ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने के लिए भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बधाई दी है। मोदी ने सोमवार को ट्वीट में कहा, आप पर गर्व है लक्ष्य सेन। आपने उल्लेखनीय धैर्य और तप दिखाया है। आपने एक उत्साही लड़ाई लड़ी। भविष्य के लिए आपको शुभकामनाएं।

जूनियर डेविस कप के लिए भारतीय टीम घोषित

नयी दिल्ली,21 मार्च। वर्ष 2022 जूनियर डेविस कप-फाइनल क्वालिफाइंग इवेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गयी है। यह टूर्नामेंट नयी दिल्ली स्थित आरके खन्ना टेनिस स्टेडियम में 11 से 16 अप्रैल तक होगा। जूनियर चयन समिति ने जिन खिलाड़ियों को चुना है उनमें श्शील खोसला, देबासिस साहू और वंश नंदल शामिल हैं। साजिद लोधी को टीम का कप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम का तैयारी शिविर चार से 10 अप्रैल तक आरके खन्ना स्टेडियम में लगेगा।

लोकेश राहुल मेरे पसंदीदा कप्तान है : श्रेयस

कोलकाता, 21 मार्च। कोलकाता नाइट राइडर्स के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने राष्ट्रीय टीम के अपने साथी लोकेश राहुल की कप्तानी के क़सीदे गढ़े हैं। उन्होंने कहा कि राहुल का शांत स्वभाव और आत्मविश्वास के साथ फ़ैसले लेने की क्षमता उन्हें पसंदीदा कप्तान बनाती है। श्रेयस ने साउथ अफ़्रीका दौरे पर वनडे सीरीज़ के दौरान राहुल की कप्तानी में खेला था, और तभी से वह उनकी कप्तानी के क़ायल हो गए हैं।

उन्होंने कहा,उनकी कप्तानी में खेलना बहुत अच्छा था। एक तो वह शानदार खिलाड़ी हैं, साथ ही टीम मीटिंग और मैदान पर जिस आत्मविश्वास के साथ राहुल जाते हैं वह क़ाबिल-ए-तारीफ़ है। साथी खिलाड़ियों को भी राहुल बहुत ही प्रोत्साहित करते हैं। मैदान पर उनका शांत स्वभाव और आत्मविश्वास के साथ फ़ैसले लेने की क्षमता उन्हें दूसरों से अलग बनाती है, मैं उनकी कप्तानी में काफ़ी अच्छा महसूस करता हूं।

राहुल ने दक्षिण अफ़्रीका दौरे पर तीसरे वनडे मैच में श्रेयस को गेंदबाज़ी करने का भी मौक़ा दिया था, और तब श्रेयस ने तीन ओवर में 21 रन दिए था। श्रेयस ने आगे कहा, राहुल ने मुझे गेंदबाज़ी करने का मौका भी दिया, उनसे पहले किसी भी कप्तान ने मुझे गेंद नहीं दी थी। तो हां मैं ये कहूंगा कि वह मेरे पसंदीदा कप्तान हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2020 और 2021 सीज़न में राहुल पंजाब किंग्स के कप्तान थे, और अब इस सीज़न में लखनऊ सुपर जायंट्स की ज़िम्मेदारी उनके ही कंधों पर होगी। आईपीएल 2022 की शुरुआत 26 मार्च से मुंबई में होने जा रही है।

इंडियन वेल्स फाइनल : फ्रिट्ज ने नडाल को हराया

कैलिफोर्निया, 21 मार्च। राफेल नडाल को इंडियन वेल्स के फाइनल में टेलर फ्रिट्ज के सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। यह इस साल उनका 21वां मैच था। इस साल नडाल की यह पहली हार थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 35 वर्षीय नडाल को इलाज के लिए कोर्ट से उस समय बाहर जाना पड़ा, जब वह 4-0 से पिछड़े हुए थे।

कोर्ट पर वापसी के बाद नडाल अधिक सहज दिखे, लेकिन फ्रिट्ज फिर भी ने 6-3 7-6 (7-5) से जीत हासिल की। फ्रिट्ज 2001 में आंद्रे अगासी के बाद इंडियन वेल्स में जीतने वाले पहले अमेरिकी बन गए। 24 वर्षीय फ्रिट्ज ने जीत के बाद कहा, "यह उन बचपन के सपनों में से एक है, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि यह सच होगा।" उन्होंने अपने दूसरे एटीपी टूर ख़िताब और पहले मास्टर्स 1000 जीत हासिल करने के लिए टाई-ब्रेक जीतने से दो ब्रेक पॉइंट बचाए।

विंडीज को आठ विकेट से हरा कर पाक ने महिला विश्व कप में खोला जीत का खाता

हैमिल्टन, 21 मार्च। निदा दार की घातक गेंदबाजी (10 रन पर चार विकेट) और फिर मुनीबा अली (37), ओमैमा सोहेल (22) और कप्तान बिस्माह मारूफ (20) की महत्वपूर्ण पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने यहां सोमवार को आईसीसी 2022 महिला क्रिकेट विश्व कप मुकाबले में वेस्ट इंडीज को एकतरफा अंदाज में आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की।

पाकिस्तान ने टॉस जीत कर गेंदबाजी चुनी और बारिश के चलते निर्धारित 20 ओवर के खेल में वेस्ट इंडीज को सात विकेट पर महज 89 रन पर ही रोक दिया। फिर जवाब में 18.5 ओवर में दो विकेट पर 90 रन बना कर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली ने पांच चौकों की मदद से 43 गेंदों पर 37 रन बनाए, जबकि ओमैमा सोहेल और कप्तान बिस्माह मारूफ क्रमश: 27 गेंदों पर 22 और 29 गेंदों पर 20 रन बना कर नाबाद रहीं। इससे पहले गेंदबाजी में ऑफ स्पिन गेंदबाज निदा दार ने चार ओवर में 10 रन पर वेस्ट इंडीज के चार विकेट चटकाए। फातिमा सना, नशरा संधु और ओमैमा सोहेल ने भी एक-एक विकेट लिया। निदा को शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

वहीं वेस्ट इंडीज की ओर से डिएंड्रा डॉटिन ने पांच चौकों के सहारे 35 गेंदों पर सर्वाधिक 27 रन बनाए। कप्तान स्टैफनी टेलर ने भी 31 गेंदों पर 18 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में एफी फ्लेचर और शकेरा सेल्मन ने एक-एक विकेट लिया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की टूर्नामेंट में यह पहली जीत है, जबकि वेस्ट इंडीज को तीसरी हार मिली है, हालांकि वेस्ट इंडीज अभी भी छह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान का स्थान नहीं बदला है। वह अभी भी सबसे निचले आठवें नंबर पर है।

रणजी ट्रॉफी के लीग चरण के सफल समापन पर बीसीसीआई ने जताया राज्य संघों का आभार

नयी दिल्ली, 21 मार्च। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के लीग चरण के सफल समापन के लिए सभी राज्य क्रिकेट संघों का धन्यवाद किया है।

शाह ने सभी राज्य क्रिकेट संघों को सोमवार को लिखे पत्र में कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने रणजी ट्रॉफी के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है जो 20 मैदानों और स्टेडियमों में खेला गया। यह हमारे प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट के ट्रैक पर वापस आने के लिए महत्वपूर्ण था और मैं आपको हमारे स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए आपके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं और उस समझ के लिए,जिसने हमें बिना किसी बड़ी बाधा के पहले चरण का सफल आयोजन करने में सक्षम बनाया। उल्लेखनीय है कि टूर्नामेंट का नॉकआउट चरण 30 मई से 26 जून तक बेंगलुरु में खेला जाएगा।

इस बीच बीसीसीआई सचिव ने मुंबई के वानखेड़े में 26 मार्च के पहले आईपीएल मैच के लिए राज्य क्रिकेट संघों के अध्यक्षों और सचिवों को आमंत्रित किया है। उन्होंने आमंत्रण पत्र में लिखा, आईपीएल की तैयारी अच्छी तरह से और सही मायने में शुरू हो गई है। आगामी सीजन उत्साह के अवसरों से भरा है और आईपीएल में अब 10 टीमें होंगी।

गत विजेता सर्विसेज ने गुजरात को हराया

मेजबान राजस्थान व जम्मू-कश्मीर की भिड़ंत आज

जयपुर, 21 मार्च। सवाई मान सिंह इनडोर स्टेडियम में खेली जा रही छह दिवसीय गोल्डन जुबली 50वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता में आज दूसरे दिन 16 मैचेज खेले गये। जिसमें गत विजेता सर्विसेज ने गुजरात को 25-23 से हराया। मेजबान राजस्थान का सोमवार को कोई मैच नहीं था, अब उसका मुकाबला मंगलवार को शाम के सत्र में जम्मू व कश्मीर से होगा।

आज खेले गये मैचों में पंजाब ने पुडुचेरी को 26-19 से, दमन दीव ने सिक्किम को 19-03 से, इंडियन रेलवे ने कर्नाटक को 21-16 से, चंडीगढ़ ने गोवा को 23-12 से, हरियाणा ने आसाम को 28-12 से, उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र को 22-10 से, पंजाब ने पश्चिम बंगाल को 30-19 से, मध्य प्रदेश ने उत्तराखंड को 22-18 से, छत्तीसगढ़ ने लक्षदीप को 23-05 से, तेलंगाना ने आसाम को 20-10 से, झारखंड ने लद्दाख को 37-09 से, पुडुचेरी ने आंध्र प्रदेश को 18-13 से, सिक्किम ने अरुणाचल प्रदेश को 17-12 से, केरल ने कर्नाटक को 30-17 से हराया। जबकि दिल्ली व मणिपुर के बीच खेल गया मैच 27-27 से बराबर रहा।

जयपुर डॉक्टर्स वेलफेयर सोसायटी व राज्य क्रीड़ा परिषद में एमओयू

जयपुर, 21 मार्च। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् और जयपुर डॉक्टर्स वेलफेयर सोसायटी के साथ 5 साल का एक एमओयू किया है। इसके तहत सवाई मानसिंह स्टेडियम सहित प्रदेश भर के खिलाड़ियों को अब अपनी इंजरी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें सप्ताह में 3 दिन निःशुल्क ईलाज की सुविधा मुहैया होगी।

डॉ. कृष्णा पूनिया ने बताया कि राजस्थान के खेलों के इतिहास में यह एमओयू मील का पत्थर साबित होगा। 75 सालों में पहली बार इस तरह की व्यवस्था राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा खिलाड़ियों के हित के लिए की गई है।

ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाड खिलाड़ियों को मिलेगी पेंशन

अर्जुन अवार्डी और द्रोणाचार्य अवार्डी को मिलेंगे 20,000 रुपये प्रतिमाह

सवाई मानसिंह स्टेडियम में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का जिम

जयपुर, 21 मार्च। राजस्थान के ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाड खिलाड़ियों को प्रतिमाह पेंशन की सौगात मिलेगी। इसके साथ ही अर्जुन अवार्डी व द्रोणाचार्य अवार्डी को भी प्रतिमाह पेंशन पाने के हकदार होंगे। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पूनिया ने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने वित्त सचिव अखिल अरोड़ा और खेल सचिव नरेश ठकराल सहित कई अधिकारियों से मुलाकात कर खिलाड़ियों को पेंशन दिए जाने की पैरवी की। रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मिली और खिलाड़ियों को पेंशन दिये जाने की घोषणा करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने मेरे आग्राह को स्वीकार करते हुए खिलाड़ियों के लिए पेंशन देने की घोषणा कर दी। इसके तहत जहां ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाड के पदक विजेताओं और अर्जुन व द्रोणाचार्य अवार्डी, जिन्होंने 40 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, उन्हें प्रतिमाह 20,000 रूपये पेंशन मिलेगी। डॉ. कृष्णा पूनिया ने बताया कि हरियाणा और उत्तर-प्रदेश आदि प्रदेशों के बाद राजस्थान भी ऐसे राज्यों में शुमार हो गया है, जहां खिलाड़ियों को पेंशन दी जायेगी। साथ ही ठामीण खेलो के आयोजन के लिए रूपये 50 करोड़ के बजट की घोषणा की। इन खेलो के जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिता के पदक विजेताओं को पंचायत कन्स्टेक्शन भर्ती में प्राथमिकता दी जाने की घोषणा की। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का जिम बनाने की स्वीकृति जारी करने का आग्रह किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार करते हुँए सोमवार को इसकी घोषणा कर दी। यह जिम 10 करोड़ रूपये की लागत से तैयार किया जायेगा। यह जिम जयपुर ही नहीं बल्कि राजस्थान के सभी सातों संभागों में स्थापित की जाएगी, जिस पर कुल 35 करोड़ रूपये की लागत आयेगी।

हैदराबाद ने पहले झटके में जीता हीरो आईएसएल खिताब

फातोरदा, 21 मार्च। हैदराबाद ने पहले ही झटके में हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का खिताब जीत लिया है। हैदराबाद एफसी ने हीरो आईएसएल 2021-22 में पेनल्टी शूटआउट तक खिंचे फाइनल में केरला ब्लास्टर्स एफसी को 3-1 (4-2) से हरा दिया। रविवार को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 11,500 दर्शकों की सांसे पूरे मुकाबले में थमी रही।

गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टिमनी पेनाल्टी शूटआउट में चार में से तीन शानदार बचाव करके निर्णायक मैच में विजेता बनकर उभरे और अपनी टीम हैदराबाद को पहले ही फाइनल में चैम्पियन बना दिया। उनके जबरदस्त प्रदर्शन की वजह से 2014 और 2016 के उप-विजेता केरला ब्लास्टर्स अपने तीसरे फाइनल में भी चैम्पियन बनने से महरूम रह गए।

120 मिनट के खेल के बाद भी दोनों टीमों के बीच गतिरोध नहीं टूटा, क्योंकि स्कोर 1-1 से बराबर था। लिहाजा, पेनल्टी शूटआउट में दोनों टीमों को जाना पड़ा। पहला प्रयास क्रोएशियाई सेंटर-बैक मार्को लेस्कोविच ने किया, जिसे गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टीमनी ने अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर शानदार बचाव किया। कप्तान जाओ विक्टर ने करारे राइट फुटर शॉट से दाहिने टॉप कॉर्नर को चुनकर हैदराबाद को 1-0 से आगे कर दिया। लेकिन केरला के निशु कुमार के प्रयास को भी कट्टीमनी ने रोक दिया। उनके बाद हैदराबाद के हावी सिवेरियो भी चूक गए। लेकिन आयुष अधिकारी ने गोल करके केरला को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद खासा कमारा ने गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन उनके बाद जीकसन सिंह के प्रयास को भी कट्टीमनी ने रोक दिया। हालांकि हरमनजोत खाबरा ने गोल करके हैदराबाद के पक्ष में स्कोर 3-1 करके अपने समर्थकों को जश्न मनाने को मौका दे दिया। दो साल बाद स्टैंड पर भारी तदाद में मौजूद अपने समर्थकों को दोनों टीमों ने अपनी ताकत दिखाकर बार-बार रोमांचित किया।

हरी भरी वादी में, सिर चकरा देने वाली "हाईकू स्टैयर्स" को स्वर्ग की सीढ़ी भी कहते हैं। रोमांच के शौकीन लोग जब "हवाई" की इस पर्वत श्रृंखला को पार करते हैं तो कई बार ऐसा लगता है मानों बादलों पर चल रहे हैं। "प्रवेश निषेध" तथा फाइन की चेतावनियों के बावजूद हाइकर्स को 3922 स्टैप्स चढ़ने से कोई नहीं रोक पाता है। लेकिन यह निषिद्ध रास्ता अब शायद अपने अंतिम "स्टैप" के करीब पहुँच रहा है। यहाँ के मेयर ने सीढ़ियों को हटाने का आदेश दे दिया है। स्टील से बनी, सीधी खड़ी ये सीढ़ियाँ, हवाई के ओआहू द्वीप पर यू.एस. नेवी कम्युनिकेशन्स फैसिलिटी के लिए बनाई गई थीं। इसके 3922 स्टैप्स (पायदान) द्वीप की कोओलाऊ पर्वत श्रृंखला पर फैले हैं। इस रास्ते को हाइकिंग ट्रेल के रुप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन अब जनता के लिए इसे बंद कर दिया गया है। सन् 1942 में यू.एस. नेवी के लिए काम कर रहे कॉन्ट्रैक्टर्स ने, टॉप सीक्रेट फैसिलिटी, हाईकू रेडियो स्टेशन का निर्माण शुरु किया। इस स्टेशन का उपयोग, पसिफिक में कार्यरत, नेवी के जहाजों को सिग्नल भेजने के लिए किया जाना था। रेडियो स्टेशन तक पहुँचने के लिए बनी ये सीढ़ियाँ पहले लकड़ी की थीं, फिर 1950 के मध्य में लकड़ी की जगह मैटल के स्टैप्स और रैम्प लगाए गए। 1970 के दशक में कोस्ट गार्ड ने लोगों को यहाँ आने की अनुमति दे दी थी, परन्तु 1987 में विभिन्न कारणों से स्टेशन व सीढ़ियाँ जनता के लिए बंद कर दी गईं। फिर, सन् 2003 में, जनता के लिए सीढ़ियाँ खोलने की योजना बनी और 875,000 डॉलर खर्च करके इनकी मरम्मत करवाई गई। सीढ़ियों तक जनता की पहुँच को लेकर काफी लंबे समय तक विवाद चला। हर तरह से ये सीढ़ियाँ सिटी काउन्सिल के लिए समस्या बनी हुई थीं। स्थानीय जनता इनके विरुद्ध थी, क्योंकि प्रतिबंधों के बावजूद जांबाज़ों का यहाँ आना बंद नहीं हुआ था, जिससे काफी समस्याएं पैदा हो रही थीं। फिर बोर्ड ऑफ वॉटर सप्लाई ने भी पर्यावरण को प्रभावित करने वाला वक्तव्य दिया। अंततः सितम्बर 2021 में सीढ़ियों को हटाने का निर्णय लिया गया।

चीन में पहाड़ी से टकराकर प्लेन क्रैश, 132 लोगों के मरने की आशंका

हादसा इतना भीषण था कि, जहां विमान गिरा, उस पहाड़ पर आग लग गई, चीन के मीडिया का कहना है कि, इस हादसे में किसी का भी जिंदा बचना संभव नहीं लग रहा है

बीजिंग, 21 मार्च। चीन में सोमवार दोपहर को हुए प्लेन क्रैश में विमान में सवार सभी 132 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल चीनी अथॉरिटीज़ ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन अब तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। हादसा इतना भीषण था कि जहां विमान गिरा, उस पहाड़ पर आग लग गई। चीनी मीडिया का कहना है कि इस हादसे में किसी का भी जिंदा बच पाना मुश्किल लग रहा है। इस घटना पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गहरा दुख जताया है और मामले की जांच का आदेश दिया है। यह विमान चीन के युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग से उड़ान भरकर ग्वांगझू के लिए रवाना हुआ था, जो हॉन्गकॉन्ग के नजदीक है।

- **अब तक इस हादसे के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है कि, हादसे के पीछे वजह क्या थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वैबसाइट "फ्लाइट रडार-24" के मुताबिक यह विमान 31,000 फुट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा था।**
- **चीन के उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि, विमान जब वुझोउ शहर के ऊपर था, तब उससे संपर्क टूट गया था। इस विमान ने दोपहर 1:11 बजे उड़ान भरी थी और उसे 3 बजकर 5 मिनट पर ग्वांगझू में लैण्ड करना था।**

अब तक इस हादसे के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है कि इसकी वजह क्या थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट राडार 24 के मुताबिक यह विमान 31,000 फुट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा था। एक बयान में चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने कहा कि यही पुष्टि की जा सकती है कि विमान क्रैश हो गया।

फिलहाल इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि विमान के परखच्चे उड़ गए और बांस के पेड़ों में भीषण आग लग गई। फिलहाल मलबे में लोगों को तलाशा जा रहा है, लेकिन किसी के भी जीवित पाए जाने की संभावना नहीं है।

एयरलाइन कंपनी और चीन के उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि विमान जब वुझोउ शहर के ऊपर था, तब उससे संपर्क टूट गया था।

इस विमान ने दोपहर 1:11 बजे उड़ान भरी थी और उसे 3 बजकर 5 मिनट पर ग्वांगझू में लैण्ड करना था। लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि वह इस हादसे की खबर से हैरान और दुखी हैं। उन्होंने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दे दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों को बचाने की हर संभावना पर काम होना चाहिए और यह भी पता लगाना जरूरी है कि आखिर यह घटना क्यों हुई।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय बैठकें

नई दिल्ली, 21 मार्च (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के साथ सोमवार को दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों की विस्तार से समीक्षा की तथा क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाओं पर विचार-विमर्श किया। दोनों नेता भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक भागीदारी के तहत वार्षिक शिखर बैठक की व्यवस्था पर सहमत हुए और इसे द्विपक्षीय संबंधों में एक नया आयाम निरुपति किया। भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर बैठक के तहत दोनों नेताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बातचीत की। यह दोनों प्रधानमंत्रियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दूसरी शिखर वार्ता थी। पहली आभासी बैठक 2020 में हुयी थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार मोदी और मॉरिसन ने पिछली आभासी बैठक के समय स्थापित भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक भागीदारी की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस भागीदारी के तहत दोनों पक्ष व्यापार और निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, शिक्षा एवं नवप्रवर्तन, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, कोविड-19 से संबंधित अनुसंधान एवं अन्य क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं।

- **प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन के बीच वर्चुअल मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी।**

क्रिकेटर हरभजन सिंह व दो उद्योगपतियों को राज्यसभा भेजेगी आप

कारोबारी संजीव अरोड़ा और लवली प्रोफैशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल सहित पांच लोगों ने राज्यसभा नामांकन दाखिल किये

चंडीगढ़, 21 मार्च (वार्ता)। पंजाब विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की पांच राज्य सभा सीटों पर आज पंजाब मामलों के प्रभारी राघव चड्ढा, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, आप नेता संदीप पाठक, कारोबारी संजीव अरोड़ा और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल ने नामांकन भरे।

मुख्यमंत्री भगवंत मान और मंत्री हरपाल चीमा सहित आप के कई नेताओं की मौजूदगी में इन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र भरे। विपक्ष की ओर से कोई नामांकन पत्र न भरे जाने से इन सभी का निर्विरोध चुना जाना तय है।

- **पंजाब में आप पार्टी को प्रचंड बहुमत प्राप्त है तथा आप पार्टी के पांचों राज्यसभा उम्मीदवारों को जीतना इसलिए भी बिल्कुल तय माना जा रहा है, क्योंकि विपक्ष की ओर से कोई भी नामांकन नहीं भरा गया है।**

नामांकन पत्र भरने विधानसभा पहुंचे चड्ढा ने कहा कि वह पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का शुक्रिया अदा करते हैं। वह राज्य सभा में भी लोगों के मुद्दे उठायेंगे। विपक्ष की ओर से उन्हें राज्य सभा भेजे जाने का विरोध करने पर उन्होंने कहा कि आज शुभ दिन है और ऐसे मौके पर वह नकारात्मक बात नहीं करना चाहते।

पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने उन्हें जो मौका दिया है, उसे वह पूरी निष्ठा से निभायेंगे। राज्य सभा में खेल से जुड़े मुद्दे पुरजोर तरीके से उठायेंगे। हिन्दुस्तान की आबादी को देखते हुये ओलंपिक में करीब दो सौ पदक आने चाहिए लेकिन देश दहाई के आंकड़े तक ही सीमित रह जाता है। ऐसे में उनकी कोशिश होगी कि देश तथा पंजाब में खेलों को बढ़ावा दिया जाये।

पंजाब की कानून-व्यवस्था तथा नशीले पदार्थों के बारे में पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आप की सरकार पूरी गंभीरता से काम करेगी। उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरे दिल से निभायेंगे।

दूसरी ओर कांग्रेस नेता सुखपाल खेहरा तथा अमरिंदर राजा वडिंग ने चड्ढा तथा पाठक को राज्य सभा भेजे जाने पर सवाल खड़े करते हुये कहा कि वे मुख्यमंत्री को इस बारे में पत्र लिखकर पार्टी के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करेंगे।

कांग्रेस विधायक एवं राज्य सभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि पंजाब में खाली होने जा रही राज्य सभा की सीटों पर किसे भेजना है यह तय करना आप पार्टी का विशेषाधिकार है। इस पर बेवजह ऐतराज नहीं करना चाहिए।

शराब बिक्री की प्रधानमंत्री से शिकायत

नई दिल्ली, 21 मार्च (वार्ता)। पश्चिमी दिल्ली के न्यू महावीर नगर के निवासियों ने इलाके में अवैध शराब की बिक्री को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय को शिकायत सौंपी है। उनका कहना है कि शराब माफियाओं से निवासियों में भय है और इस अवैध कारोबार से लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। निवासियों की ओर से शिकायतकर्ता वीरेंद्र कुमार भल्ला ने सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजे पत्र में लिखा, पश्चिमी दिल्ली के डब्लूजेड 19 ए गली नंबर-16, न्यू महावीर नगर में अवैध शराब की बिक्री होती है। शराब बेचने के लिए गली में अवैध निर्माण कराया गया है। इसी गली में स्कूल भी है और यहां शराबियों के आने-जाने से स्कूली बच्चों में डर का माहौल है। गली नंबर 16 के ठीक पास गली नंबर आठ है, जहां एक गुरूद्वारा है, जिससे धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। शराब की अवैध बिक्री होने के कारण स्थानीय लोगों को दूसरे गली से होकर गुजरना पड़ता है।

बेताल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और वहां की सेना की क्षमता का आकलन करने का जिम्मेवार था।"

जब से यूक्रेन पर हमला बोला गया है, तब से पुतिन को हत्या या अन्य तरीकों से सत्ता से जबरन बाहर किए जाने की संभावनाओं पर विश्व स्तर पर चर्चाएं चलती रही हैं। इस संघर्ष ने यूक्रेन के लोगों का भारी नुकसान किया है और रूस के विरूद्ध लगाए गए भारी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण, विवादित ही सही किन्तु ऐसी धारणा ने तूल पकड़ लिया है।

साउथ कैरोलाइना से रिपब्लिकन पार्टी की सीनेटर लिंडसे ग्राहम को हाल ही में जबर्दस्त आलोचना झेलनी पड़ी क्योंकि वे बार-बार यह इंगित कर रही थीं कि यूक्रेन संघर्ष का खात्मा करने के लिए पुतिन की हत्या कर देनी चाहिए।

विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इस प्रकार का शब्दाडम्बर इस विचार को मजबूती प्रदान करते हैं कि अमेरिका सरकार इस प्रतिरोधी धारणा का समर्थन करती है।

ग्राहम ने गत 3 मार्च को ट्वीट किया था कि "युद्ध समाप्त करने का एक ही तरीका है कि रूस का कोई व्यक्ति इस आदमी को हटा दे। इससे आप अपने देश और विश्व की एक महान सेवा करेंगे।"

वाइट हाउस की प्रैस सचिव जेन साकी ने उनके विचारों का कड़ा विरोध करेत हुए अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त किया कि बाइडन सरकार ऐसी किसी कार्रवाई की पक्षधर नहीं है।

ग्राहम के ट्वीट के एक दिन बाद साकी ने पत्रकारों से कहा कि "यह रूख अमेरिकी सरकार का नहीं है और निश्चित रूप से ऐसा कोई बयान नहीं है जो आपको बाइडन सरकार में कार्यरत किसी व्यक्ति के मुंह से सुनने को मिले।"

'मामला केन्द्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़े सभी प्रमुख नेता लगातार इस मामले को उठा रहे हैं। आलम यह रहा कि आज सदन में इस मामले को उठाने की रणनीति बना ली गई, लेकिन स्पीकर ने सदन में जवाब देकर इस पूरे घटना की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर डालते हुए सदन में चर्चा से इंकार कर दिया।

भाजपा सुनियोजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा है कि नेताओं का एक समूह, जिनमें से ज्यादातर लोगों की प्रतिष्ठा का श्रेय नेहरू-गांधी परिवार को जाता है, आरामदेह कमरो में बैठकर मीडिया से बात कर रहे हैं। ये नेता ज़मीनी स्तर पर या जनता के बीच कभी सक्रिय नहीं रहे तथा इसीलिये, उन्हें प्रत्यक्ष चुनाव लड़ने में बहुत मुश्किलें आयेगी तथा उनके लिये चुनाव लड़ पाना ही असम्भव हैं।

यह महसूस करने की जरूरत है कि पार्टी के कायाकल्प तथा बने रहने के लिये जहाँ ज़मीनी लड़ाई लड़नी होगी, वहीं यह लड़ाई, चिन्तन के जरिये दिमागों में भी चलेगी क्योंकि आम जनता में आशा कल्पना एवं सपनों का संचार करने के लिये, पार्टी के लिये एक "विज़न" की जरूरत है, एक सोच की जरूरत है। कांग्रेस नेताओं को इस मूलभूत सिद्धान्त को समझना ही होगा कि कोई भी युद्ध पहले दिमाग में तथा उसके बाद जमीन पर हारा या जीता जाता है।

पार्टी की सोच एवं दृष्टि के अलावा, कांग्रेस में विचारधारा सम्बन्धी स्पष्टता एवं जमीनी लड़ाई लड़ने के लिये चुवा वर्ग को आगे लाने की कमी रहती है। कहने की जरूरत नहीं कि चुनाव जीतने के लिये, कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन की जरूरत है। एक राजनैतिक संगठन के रूप में, कांग्रेस को टेक्नोलॉजी को काम में लेने तथा प्रभावी मीडिया बन्धन की जरूरत हैं।

लेकिन अधिकांश सुस्थापित नेता, नेताओं की अगली पीढ़ी तैयार तथा उनके रास्ता देने एवं पद खाली करने के बजाय, अपनी स्थिति मजबूत एवं सुनिश्चित करने के काम में लगे रहे हैं।

आदर्श स्थिति यह होती कि वरिष्ठ नेता पीछे की सीटों पर बैठ जाते तथा सलाहकारों की भूमिका निभाते, लेकिन दुख की बात यह है कि ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस के बने रहने के लिये यह बहुत जरूरी एवं महत्वपूर्ण है कि सभी नेता, बिना किसी अपवाद के, अपने निजी स्वार्थों से ऊपर उठे तथा बदलने कुछ पाने की अपेक्षा रखे बिना, काम करें क्योंकि पार्टी के लिये की जाने वाली यह कुर्बानी ही लोगों की नजरों में पार्टी को विश्वसनीय बनायेगी।

कांग्रेस की समस्याओं और परेशानियों का समाधान आसान काम नहीं है, क्योंकि उसके सामने एक ऐसा अजेय प्रतिद्वन्द्वी है जो अपनी विचारधारा के एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिये अच्छा-बुरा कोई भी रास्ता अपना लेता है। यही कारण है कि कांग्रेस, इसके नेताओं, इसके कार्यकर्ताओं, इसके समर्थकों अपने बने रहने के उपाय और तरीके तलाशने ही होंगे, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया जा सका तो भारत तो कांग्रेस मुक्त हो ही जायेगा, "भारत का विचार" भी सदैव के लिये दफन हो जायेगा।

इज़राइल से भारी मात्रा में फर्टिलाइजर्स खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, 21 फरवरी (वार्ता)। भारत में पोटाश आधारित उर्वरकों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए इजरायल से म्यूरेट ऑफ पोटाश (एम.ओ.पी.) खरीदने का छह साल का एक करार किया गया है। इसके तहत भारत को 2027 तक वहां से हर साल छह-साढ़े छह लाख टन एम.ओ.पी. मिलेगा।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक इंडियन पोटाश लिमिटेड (आई.पी.एल.) ने यहां केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में इज़रायल केमिकल्स लिमिटेड (आई.सी.एल.) के साथ 2022 से 2027 की अवधि में म्यूरेट ऑफ पोटाश (एम.ओ.पी.) की आपूर्ति के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने कहा कि यह करार देश में एम.ओ.पी. की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह कृषि उत्पादन को बढ़ावा देगा।

पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखण्ड में दोबारा मु.मंत्री बनाने का फैसला किया भाजपा ने

देहरादून, 21 मार्च (वार्ता)। भाजपा ने यू.पी. उत्तराखंड ,गोवा और मणिपुर चारों राज्यों में मुख्यमंत्री को रिपीट किया है। भाजपा हाईकमान ने पुराने चेहरों में विश्वास जताते हुये पिछली सरकार में मुख्यमंत्री रहे नेताओं को ही दोबारा मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया है। इसी कड़ी में भाजपा ने गोवा में प्रमोद सावंत व उत्तराखण्ड में पुष्कर सिंह धामी पर दोबार भरोसा जताते हुये उन्हें मुख्यमंत्री बनने के लिए कहा है।

उत्तराखण्ड में सोमवार शाम विधानमंडल दल के नवनिर्वाचित नेता पुष्कर सिंह धामी के साथ राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से भेंट कर उन्हें अवगत कराया कि धामी को विधानमंडल दल का नया नेता चुना गया है। कौशिक ने धामी के नेतृत्व में नई सरकार मंत्रिमंडल के गठन का अनुरोध पत्र राज्यपाल को सौंपा।

- **भाजपा का यह फैसला बेहद चौंकाने वाला है, क्योंकि अब तक भाजपा में किसी भी हारे हुये व्यक्ति को महत्वपूर्ण पद नहीं देने की नीति रही है**
- **गोवा में प्रमोद सावंत व मणिपुर में एन.बीरेन सिंह भी मुख्यमंत्री के रुप में रिपीट होंगे।**
- **गौरतलब है कि, पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखण्ड विधानसभा की अपनी सीट से चुनाव में हार गये थे।**
- **माना जा रहा है कि, पुष्कर सिंह धामी के सरल स्वभाव, पार्टी में उनकी स्वीकार्यता तथा केन्द्र व प्रधानमंत्री मोदी के प्रबल मैसेंजर के तौर पर काम करने की उनकी खूबियों के कारण ही भाजपा ने उन पर अपना विश्वास कायम रखा है।**

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, अजय भट्ट, सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, अस्थायी अध्यक्ष बंशीधर भगत, नवनिर्वाचित विधायक सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, रेखा आर्य, अरविंद पांडे और अन्य नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित थे।

गौरतलब है कि, पुष्कर सिंह धामी को आज प्रदेश भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। विधानसभा चुनाव में अपनी सीट से पराजित होने के बावजूद विधायक दल ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें फिर राज्य की बागडोर सौंपने का फैसला किया है। धामी खटीमा विधानसभा सीट से कांग्रेस नेता भुवन कापड़ी से पराजित हो गये थे।

इससे पहले रक्षा मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि धामी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। राजनाथ सिंह को विधायक दल के नेता की चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक बनाकर उत्तराखंड भेजा गया था।

इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने धामी, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, राज्य पार्टी प्रमुख मदन कौशिक सहित और अन्य पार्टी नेताओं के साथ बैठक की।

कई विधायकों ने धामी से फिर से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है और अपनी सीटों से इस्तीफा देने की भी पेशकश की है। भाजपा ने उत्तराखंड की 70 सीटों में से 47 सीटों पर विजय हासिल की है और करीब 44 फीसदी वोट शेयर हासिल किया था। कांग्रेस के पक्ष में 37 फीसदी वोट पड़े और पार्टी 19 सीटों पर विजयी हुई।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 11 सीटें जीती थीं और उसे लगभग 33 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि भाजपा का वोट शेयर लगभग 46 प्रतिशत था।

गुलामनबी आजाद, 126 वर्षीय योग गुरु व गीता प्रैस के राधे श्याम खेमका पद्म पुरस्कार से सम्मानित हुये

चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ बिपिन रावत का पद्म विभूषण सम्मान उनकी दोनों बेटियों ने ग्रहण किया

नई दिल्ली, 21 मार्च (वार्ता)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले 64 गणमान्य लोगों को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में वर्ष 2022 के पद्म पुरस्कारों से अलंकृत किया।

कोविंद के हाथों पद्म अलंकरण पाने वालों में पूर्व रक्षा प्रमुख (चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ/सी.डी.एस.) जनरल बिपिन रावत (मरणोपरांत) और गीता प्रैस के दिवंगत अध्यक्ष राधे श्याम खेमका, कांग्रेस के नेता गुलाम नबी आजाद, टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के पूर्व अधिकारी एवं सी.ए.जी. राजीव महर्षि, कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली पुणे की कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के अदार पूनावाला शामिल हैं।

पद्म पुरस्कारों में सबसे ज्यादा चर्चित रहा 126 वर्षीय योग गुरु शिवानंद को पद्म पुरस्कार दिया जाना। जब 126 वर्षीय शिवानंद ने प्रधानमंत्री मोदी को शाष्टांग प्रणाम किया तो प्रधानमंत्री मोदी भी उनके सम्मान में पूरी तरह से झुक गये और जमीन को छूकर हाथ जोड़कर शिवानंद को प्रणाम किया और पद्म पुरस्कार से सम्मानित होने के लिए बधाई दी। समारोह में दो हस्तियों को पद्म विभूषण, आठ को पद्म भूषण और 54 को पद्मश्री से अलंकृत किया गया है। सी.डी.एस. रावत और खेमका को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। गुलामनबी आजाद, महर्षि, पुनावाला, चंद्रशेखरन, पंजाबी लोक गायक गुरमीत बावा (मरणोपरांत) सहित आठ लोगों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

- **राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव एवं सी.ए.जी. राजीव महर्षि को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।**
- **राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 64 गणमान्य हस्तियों को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में वर्ष 2022 के पद्म पुरस्कारों से अलंकृत किया।**

जनरल रावत का प्रशस्ति पत्र एवं अलंकरण उनकी बेटी कृतिका और तारिणी तथा खेमका का पुरस्कार उनके पुत्र कृष्ण कुमार ने राष्ट्रपति के हाथों प्राप्त किया।

सुजानगढ़ तोरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिखाते है कि राजस्थान सरकार ने झूठे एवं भ्रामक तथ्य पेश कर विधानसभा अध्यक्ष को गुमराह करने का काम किया है, दोषियों को बचाया जा रहा है और इससे भगवान श्रीराम में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

दाधीच ने कहा कि गहलोत सरकार को समझ में नहीं आया कि वास्तव में मुद्दा क्या है, मुद्दा मुख्य प्रवेश द्वार को तोड़ने का नहीं बल्कि राम दरबार को गिराए जाने का है। प्रवेश द्वार 2019 में एन एच आई के अधिकार क्षेत्र से हटकर पीडब्ल्यूडी के अधिकार क्षेत्र में आता है। दाधीच ने बताया कि पीडब्ल्यूडी के द्वारा ही सड़क निर्माण का टेंडर जारी किया गया, अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और जन भावना आहत नहीं हुई है तो फिर राज्य सरकार क्यों पुनः शिलान्यास कर वापस प्रवेश द्वार बनाने जा रही है। उन्होंने् आरोप लगाया कि तुष्टीकरण करने वाली गहलोत सरकार अब डैमेज कंट्रोल करने में जुट गई है।

फ्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वितरण मंत्रालय से कहा है कि वह इस स्कीम को जारी रखने पर होने वाले खर्च का आंकलन करे क्योंकि गरीब लोग अभी भी कोविड के बाद के असर की पीड़ा से बाहर नहीं आ पाये हैं।

शरद यादव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सतीश चन्द्र दुबे, विवेक ठाकुर, गोपाल नारायण सिंह तथा आर.सी.पी. सिंह का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है। छठा रिक्त स्थान, जे.डी. (यू) सदस्य महेन्द्र प्रसाद जो राजा महेन्द्र के नाम से विख्यात थे, के निधन के कारण रिक्त हुआ है। बिहार विधानसभा में, अपनी विधायक संख्या के आधार पर, आर.जे.डी. दो सदस्य राज्यसभा में भेज सकती है। यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि इनमें से एक सीट तो आर.जे.डी. के प्रथम परिवार मीसा भारती या राबड़ी देवी को दी जायेगी। कुल मिलाकर शरद यादव ने शेष बची एक सीट के लिये दांव लगाया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908